THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 178 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.1 15 2079 रविवार, 11 सितंबर 2022

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 14+32 मूल्य : 8 रुपये

असम राइफल्स ने 3 पीएलए उग्रवादियों को गिरफ्तार किया, हथियार बरामद

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस ने एक सयुंक्त ऑपरेशन में उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के 3 सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से हथियार भी बरामद किए गए हैं। असम राइफल्स की तरफ से ये जानकारी दी गई। असम राइफल्स ने बताया कि 9 सितंबर को मणिपुर पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान में उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के 3 सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। एक खुफिया इनपुट के आधार पर पता चला कि 3 विद्रोही मणिपुर के मोरेह इलाके में स्तिथ जंगनोई गांव में छिपे हुए हैं।

रिसर्च-इनोवेशन का ग्लोबल सेंटर बनेगा भारत

मोदी ने साइंस कॉन्क्लेव का किया उद्घाटन

कहा देश की इंडेक्स रैंकिंग में भी हो रहा सुधार

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद में शनिवार को सेंटर-स्टेट साइंस कॉन्क्लेव का वर्चुअली उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने कहा कि जब ज्ञान-विज्ञान से हमारा परिचय होता है तब संसार की सभी संकटों से मुक्ति का रास्ता अपने आप खुल जाता है। सॉल्यूशन और इनोवेशन का आधार विज्ञान ही है। इसी प्रेरणा से आज का नया भारत, जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान के साथ ही जय अनुसंधान का आह्वान करते हुए आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि आजादी के इस अमृतकाल में भारत को रिसर्च और इनोवेशन का ग्लोबल सेंटर बनाने के लिए हमें एक साथ अनेक मोर्चों पर काम करना है।

अपनी साइंस और टेक्नॉलॉजी से जुड़ी रिसर्च को हमें लोकल स्तर पर लेकर जाना है। पीएम के मुताबिक भारत की इंडेक्स रैंकिंग में भी सुधार हो रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार विज्ञान आधारित विकास की सोच के साथ काम कर रही है। 2014 के बाद से साइंस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में निवेश में काफी वृद्धि की गई है। सरकार के प्रयासों से आज भारत इंटरनेशनल इनोवेशन इंडेक्स में 46वें स्थान पर है, जबकि 2015 में भारत 81 नंबर पर था।

उन्होंने आगे कहा, 21वीं सदी के भारत के विकास में विज्ञान उस ऊर्जा की तरह है जिसमें हर क्षेत्र के विकास को, हर राज्य के विकास को गति देने का सामर्थ्य है। आज जब भारत चौथी औद्योगिक क्रांति का नेतृत्व करने की तरफ बढ़ रहा है तो उसमें भारत की विज्ञान और इस क्षेत्र से जुड़े लोगों की भूमिका बहुत अहम है।

2 दिनों तक चलेगा कार्यक्रम :
अहमदाबाद की साइंस सिटी में यह कार्यक्रम 2 दिनों तक चलेगा। पीएमओ की ओर से इस बारे में जानकारी साझा की गई है। बताया गया कि यह कार्यक्रम देश में इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप की सुविधा के लिए प्रधानमंत्री के प्रयासों की दिशा में एक अहम कदम है।

देशभर के 100 स्टार्टअप्स के सीईओ भी मौजूद रहे :
इस कॉन्क्लेव में गुजरात के मुख्यमंत्री, केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री के साथ राज्यों-केंद्रशासित प्रदेशों के सचिव, उद्योग जगत के दिग्गज, उद्यमी, गैर-सरकारी संगठन, वैज्ञानिक और छात्र भी मौजूद थे। साथ ही देशभर के 100 से अधिक स्टार्टअप के सीईओ इस सम्मेलन में हिस्सा ले सकते हैं।

इनोवेशन को बढ़ावा देना है

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह का कहना है कि इस सम्मेलन का उद्देश्य केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय बनाना है, जिससे देश में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और इनोवेशन के एक सशक्त इको-सिस्टम का निर्माण हो। इस सम्मेलन में एसटीआई विजन 2047 सहित कई अन्य विषयों पर सेशन होंगे।

इस सम्मेलन का लक्ष्य 2030 तक अनुसंधान और विकास में निजी क्षेत्र के निवेश को दोगुना करना है। साथ ही कृषि और किसानों की आय में सुधार के लिए तकनीकी हस्तक्षेप, पीने के पानी के लिए नवाचार करना है। जिससे रोजगार पैदा होंगे और लोगों को मूलभूत सुविधाएं मिलेंगी, जो देश के विकास और अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी है।

अपने खिलाफ फैसला आए तो जज पर आरोप लगाना गलत : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने किसी मामले से संबंधित वादी के खिलाफ फैसला आने पर जज या न्यायिक अधिकारी के खिलाफ आरोप लगाने की प्रवृत्ति की निंदा की है। शीर्ष कोर्ट ने राजस्थान के धौलपुर के एक मामले में सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वादी के खिलाफ फैसला आने पर जजों पर आरोप लगाने का सिलसिला जारी रहा तो यह न्यायाधीशों का मनोबल गिराएगा। इसके साथ ही शीर्ष कोर्ट ने धौलपुर के एक मामले को उत्तर प्रदेश के नोएडा की कोर्ट में स्थानांतरित करने से इनकार कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एम आर शाह और जस्टिस कृष्ण मुरारी की पीठ ने कहा कि जिन आधारों पर केस धौलपुर से नोएडा स्थानांतरित करने की मांग की गई है, उनमें से एक यह है कि याचिकाकर्ताओं का मानना है कि उनकी निष्पक्ष सुनवाई नहीं हो रही है और विरोधी पक्ष बड़े लोग होने के कारण केस को प्रभावित कर सकते हैं।

ब्रिटेन के नए राजा के रूप में चार्ल्स-III की ताजपोशी

परिग्रहण परिषद की बैठक में हुआ एलान

लंदन, 10 सितंबर (एजेंसियां)। महारानी एलिजाबेथ के बाद आधिकारिक रूप से आज ब्रिटेन को अपना नया सम्राट मिल गया है। शनिवार को सेंट जेम्स पैलेस में परिग्रहण परिषद की बैठक में प्रिवी काउंसिल ने किंग चार्ल्स-III को आधिकारिक तौर पर ब्रिटेन के नए सम्राट के रूप में घोषित किया गया।

इस मौके पर एक एतिहासिक समारोह आयोजित करके किंग चार्ल्स-III की ताजपोशी की गई। इस मौके पर नया सम्राट बनाए जाने से जुड़ी सभी औपचारिकताएं पूरीं की गईं। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में पूर्व पीएम बोरिस जॉनसन और वर्तमान प्रधानमंत्री लिज ट्रस भी मौजूद रहीं। प्रिंस चार्ल्स का पूरा नाम चार्ल्स फिलिप आर्थर जॉर्ज है जो प्रिंस फिलिप और

किंग चार्ल्स-III ताजपोशी के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए।

एलिजाबेथ द्वितीय के बड़े बेटे हैं। चार्ल्स का जन्म 14 नवंबर 1948, बकिंघम पैलेस में हुआ था। चार्ल्स ने 29 जुलाई, 1981 को लेडी डायना स्पेंसर से शादी की थी। दोनों के दो बेटे विलियम और हैरी हैं। 1996 में चार्ल्स और डायना दोनों अलग हो गए थे। 1997 में पेरिस में हुए एक कार हादसे में प्रिंसेस ऑफ वेल्स डायना की मौत हो गई। बाद में नौ अप्रैल, 2005 को चार्ल्स ने कैमिला पार्कर से शादी कर ली थी।

पद्मविभूषण प्रो. बीबी लाल का निधन

सबसे पहले दिया था अयोध्या में राम मंदिर का पुरातात्विक प्रमाण, पीएम मोदी ने जताया शोक

वाराणसी, 10 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के प्रख्यात आर्कियोलॉजिस्ट पद्मविभूषण प्रोफेसर बीबी लाल के निधन से काशी हिंदू विश्वविद्यालय के पुराविद काफी स्तब्ध हैं। उनकी उम्र 101 साल की थी। वह बहुत दिनों से बीमार चल रहे थे।

शनिवार को उन्होंने दिल्ली स्थित एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। इनका जन्म झांसी जिला के बैडोरा गांव में 02 मई 1921 को हुआ था। उन्होंने भारतीय उन्नत अध्ययन संस्थान, शिमला के निदेशक के रूप में सेवा शुरू की। पीएम मोदी ने पद्मविभूषण प्रोफेसर

बीबी लाल के निधन पर शोक जताया है। पीएम ने ट्वीट किया, बीबी लाल एक उत्कृष्ट व्यक्तित्व थे। संस्कृति और पुरातत्व में उनका योगदान अद्वितीय है। उन्हें एक महान बुद्धिजीवी के रूप में याद किया जाएगा, जिन्होंने हमारे समृद्ध अतीत के साथ हमारे जुड़ाव को गहरा किया। उनके निधन से आहत हूं। मेरे विचार उनके परिवार और दोस्तों के साथ हैं।

ओम शांति। ऑर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के पूर्व एडिशनल डायरेक्टर जनरल, वाराणसी के बीआर मणि, बीएचयू के पुराविद प्रोफेसर अशोक सिंह और जीन वैज्ञानिक प्रोफेसर ज्ञानेश्वर चौबे और राखीगढ़ी उत्खनन के हेड प्रो. वसंत शिंदे ने दुख जताया है।

दिल्ली में लंपी वायरस की एंट्री

अब तक 173 केस मिले, सरकार ने मवेशियों के लिए मोबाइल क्लीनिक, आइसोलेशन वॉर्ड तैयार किया

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। आसपास के राज्यों के बाद अब दिल्ली में पहली बार लंपी वायरस के केस सामने आए हैं। पशुपालन विभाग के मंत्री गोपाल राय ने शनिवार को बताया कि मवेशियों में इस बीमारी के 173 मामलों की पुष्टि हुई है। सबसे ज्यादा केस राजधानी के दक्षिण और पश्चिमी इलाकों से हैं।

दिल्ली में बीमारी से अब तक एक भी मौत नहीं :
एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि दिल्ली में लंपी वायरस का पहला केस 10 दिन पहले मिला था। हालांकि, इससे अब तक एक भी पशु की मौत नहीं हुई है। वहीं, राय के मुताबिक गोयला डेयरी क्षेत्र में लंपी वायरस के 45 मामले, रेवला खानपुर क्षेत्र में 40, घुमानहेड़ा में 21 और नजफगढ़ में 16 मामले सामने आए हैं।

क्या है सरकार की तैयारी?
बिगड़ी स्थिति को देखते हुए दिल्ली सरकार ने कुछ अहम निर्णय लिए हैं। फिलहाल संक्रमित पशुओं को आइसोलेट किया जा रहा है। इसके अलावा मवेशियों के इलाज के लिए दो मोबाइल वेटरनरी क्लीनिक मंगाए गए हैं। साथ ही 11 रेपिड रिस्पॉन्स टीम तैयार की हैं। इन टीमों से संपर्क किए जाने पर तुरंत सहायता मिलेगी। ग्रामीण इलाकों के लिए 4 टीमें तैयार की गई हैं, जो लोगों को जागरूक करने का काम करेंगी। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के रेवला खानपुर में लंपी त्वचा रोग से पीड़ित मवेशियों के लिए एक आइसोलेशन वॉर्ड भी बनाया गया है। यहां 4,500 पशुओं को रखा जा सकता है। फिलहाल 40 गायों को शिफ्ट किया गया है। लंपी वायरस से देश में अब तक 57 हजार मवेशियों की मौत हो चुकी है। इनमें सबसे ज्यादा करीब 37 हजार मौतें राजस्थान में हुई हैं। यह बीमारी अब तक राजस्थान, गुजरात, पंजाब, हरयाणा, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश और दिल्ली में फैल चुकी है।

कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव पर 5 सांसदों ने जताई चिंता

सीईए चीफ मधुसूदन मिस्त्री को लिखा लेटर, कहा वोटर लिस्ट को सार्वजनिक किया जाए

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस में अध्यक्ष पद के चुनाव से पहले ही पार्टी में दरार दिखने लगी है। पार्टी के कई सीनियर नेता इस पर अपनी अलग-अलग राय दे रहे हैं। अब कांग्रेस के 5 सांसदों ने पार्टी के सेंट्रल इलेक्शन अथॉरिटी (सीईए) के चीफ मधुसूदन मिस्त्री को लेटर लिखा है। लेटर में सांसदों ने पार्टी अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया को लेकर चिंता व्यक्त की है। सांसदों में मनीष तिवारी, शशि थरूर, कार्ति चिदंबरम, प्रद्युत बोरदोलोई, अब्दुल खलीक का नाम शामिल है।

इन सांसदों ने कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए निष्पक्ष चुनाव न होने को लेकर आशंका जताई है। उन्होंने मिस्त्री से अपील की है कि वोटिंग में हिस्सा लेने वाले और संभावित उम्मीदवारों के नामांकन की प्रक्रिया शुरू होने से पहले कांग्रेस कमेटी के डेलीगेट की लिस्ट उपलब्ध करवाई जाए। सांसदों ने लेटर में कहा कि उनका मतलब ये कतई

नहीं है कि पार्टी के किसी आंतरिक दस्तावेज को ऐसे ढंग से जारी किया जाए कि इसका किसी भी तरीके से दुरूपयोग हो। सीईए ने मधुसूदन मिस्त्री से आग्रह किया है कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के निर्वाचक मंडल की लिस्ट वोटिंग में हिस्सा लेने वालों और संभावित उम्मीदवारों को दी जाए।

6 सितंबर को लिखी गई थी लेटर
लेटर में यह भी कहा गया कि मतदाताओं और उम्मीदवारों से सभी 28 पीसीसी और नौ केंद्र शासित प्रदेशों में वोटर लिस्ट वेरिफाइ करने की उम्मीद नहीं की जा सकती है। निर्वाचक मंडल में शामिल पीसीसी प्रतिनिधियों की सूची निर्वाचकों को उपलब्ध कराने से उम्मीदवार किसी भी तरह की गैरजरूरी मनमानी को दूर कर सकेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक यह लेटर भारत जोड़ो यात्रा अभियान शुरू होने के एक दिन पहले छह सितंबर को लिखी गई थी। सांसदों ने पहले यह लिस्ट सार्वजनिक करने का आग्रह किया था, जिससे मिस्त्री ने साफ इनकार कर दिया था।

पहले भी कर चुके मांग :
इससे पहले भी कांग्रेस के सीनियर लीडर और जी-23 के असंतुष्ट नेताओं के मेंबर मनीष तिवारी ने कांग्रेस संगठन चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए थे। उन्होंने कहा था कि वोटिंग लिस्ट के बिना कांग्रेस अध्यक्ष पद के निष्पक्ष चुनाव कैसे होंगे? उन्होंने मांग की कि निष्पक्ष चुनाव के लिए पार्टी के वोटर का नाम-पता पब्लिश किया जाना चाहिए।

तिवारी ने मिस्त्री से कहा था कि वोटिंग को कांग्रेस की वेबसाइट पर पारदर्शी तरीके से पब्लिश किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा था कि निष्पक्ष चुनाव की पहली शर्त है कि वोटरों के नाम पते सामने लाए जाएं। पार्टी नेता शशि थरूर और कार्ति चिदंबरम भी इस मसले पर अपनी बात चुके हैं।

मध्यप्रदेश के शिक्षामंत्री को गिरफ्तार क्यों नहीं किया? : ममता

कोलकाता, 10 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में शिक्षक घोटाले को लेकर चौतरफा घिरीं बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र की भाजपा सरकार पर पलटवार किया। उन्होंने व्यापमं घोटाले में मध्य प्रदेश के शिक्षा मंत्री की गिरफ्तारी नहीं होने पर सवाल उठाए। कोलकाता में शिक्षक दिवस को लेकर सोमवार (10 सितंबर) को आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ममता ने कहा कि मध्य प्रदेश में इतना बड़ा व्यापमं घोटाला हुआ, जिसकी वजह से 54 लोगों ने खुदकुशी कर ली। उस घोटाले में वहां के शिक्षामंत्री को गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया?

ममता ने शिक्षक भर्ती घोटाले में गिरफ्तार बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी का अप्रत्यक्ष रूप से बचाव करते हुए कहा, शिक्षक की नौकरी नहीं मिलने को लेकर कुछ उम्मीदवार सड़क पर आंदोलन कर रहे थे। मैंने जब तत्कालीन शिक्षा मंत्री से इसकी वजह पूछी तो उन्होंने कहा कि उनके नंबर योग्यता से कम हैं। चूंकि हमारी सरकार हमेशा दया दिखाती है, इसलिए मैंने उनसे कहा था कि अगर हो सके तो नंबर बढ़ाकर उनके लिए व्यवस्था कर दीजिए। ममता ने आगे कहा, निचले स्तर के लोगों के गलती करने पर दोष ऊपरी स्तर पर ही आता है। इसके अलावा काम करने पर गलतियां होंगी ही, उन्हें सुधारने का मौका दिया जाना चाहिए। ममता ने इस अवसर पर 89,000 शिक्षकों की नियुक्तियां करने की घोषणा की। उन्होंने कहा, हम नौकरी देना चाहते हैं, लेकिन कुछ लोग अदालत में जनहित याचिकाएं दायर कर इसमें बाधा डाल रहे हैं, जिससे प्रक्रिया में विलंब हो रहा है।

सीडीएस बिपिन रावत के नाम पर होगा मिलिट्री स्टेशन व सड़क

सम्मान में बदला गया नाम

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ दिवंगत जनरल बिपिन रावत को शनिवार को सम्मान दिया गया। अरुणाचल प्रदेश के किबिथू में एक सैन्य स्टेशन और सड़क को उनका नाम दिया गया। चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर लगी लोहित घाटी पर स्थित सैन्य स्टेशन अब जनरल बिपिन रावत के नाम से जाना जाएगा। इसके अलावा इस पहाड़ी गांव की एक प्रमुख सड़क को भी उन्हीं का नाम दिया गया है। बता दें, सीडीएस जनरल बिपिन रावत का दिसंबर, 2021 में एक हेलीकॉप्टर हादसे में निधन हो गया था। कर्नल के रूप में रावत ने किबिथू में 1999 से 2000 तक बटालियन 5/11 गोरखा राइफल्स की कमान संभाली थी।

22 किलोमीटर लंबी है सड़क

शनिवार को एक समारोह में अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल ब्रिगेडियर बीडी मिश्रा, मुख्यमंत्री पेमा खांडू, पूर्वी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता ने एक समारोह में 22 किलोमीटर लंबी सड़क का नाम जनरल बिपिन रावत के नाम पर रखा। यह सड़क वालोंग से किबिथू को जोड़ती है। कार्यक्रम में जनरल रावत की बेटियां कृतिका और तारिणी के अलावा कई वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। वहीं किबिथु सैन्य शिविर का नाम बदलकर जनरल बिपिन रावत मिलिट्री गैरीसन कर दिया गया।

आठ दिसंबर को हुआ था हादसा

जनरल रावत का पिछले साल 8 दिसंबर को तमिलनाडु के कुन्नूर के पास हुए हादसे में निधन हो गया था। इस हादसे में उनकी पत्नी मधुलिका के अलावा 12 अन्य सैन्य अधिकारियों की मौत हो गई थी।

कोलकाता में छह ठिकानों पर ईडी की टीम ने मारा छापा

कोलकाता, 10 सितंबर (एजेंसियां)। शिक्षक घोटाला, पशु तस्करी और कोयला घोटाला मामले में सीबीआई के अलावा ईडी और सीआईडी पिछले कुछ दिनों से पश्चिम बंगाल में ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही हैं। इसी कड़ी में शनिवार (10 सितंबर) सुबह ईडी की टीम ने कोलकाता में चार जगह छापेमारी की। माना जा रहा है कि यह छापेमारी मनी लॉन्ड्रिंग को लेकर की गई।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, कोलकाता के पार्क स्ट्रीट, मैकलियॉड स्ट्रीट, गार्डेनरीच और मोमिनपुर में ईडी की अलग-अलग टीमें सुबह से ही छापेमारी कर रही हैं। भारी मात्रा में केंद्रीय सुरक्षा बल के जवानों के साथ ये टीमें तलाशी अभियान चला रही हैं। उल्लेखनीय है कि बंगाल में पिछले दिनों से शिक्षक घोटाला, पशु तस्करी, कोयला तस्करी के साथ ही चिटफंड मामले में केंद्रीय एजेंसियां लगातार छापेमारी कर रही हैं।

विदेशी जर्सी पहनकर देश जोड़ रहे राहुल गांधी

गहलोत ने सुनियोजित दंगे करवाए : शाह

जोधपुर/जैसलमेर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। अमित शाह के दो दिन के राजस्थान दौरे में यह साफ हो गया है कि भाजपा ने सवा साल पहले ही राजस्थान में चुनावी शंखनाद कर दिया है। जोधपुर के बूथ सम्मेलन में कांग्रेस की गहलोत सरकार को भ्रष्टाचार, महिला अपराध, हिंदुत्व, बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दे पर घेरकर शाह ने भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश फूंकने की कोशिश की। साथ ही चुनाव में बचे सवा साल के दौरान इन मुद्दों पर पार्टी के लिए जनता में माहौल तैयार करने का संदेश दिया।

राजनीतिक रूप से शाह ने उन्हीं मुद्दों को प्रमुखता से उठाया, जिन पर पार्टी अक्सर राष्ट्रीय स्तर पर बात करती रही है। ये ऐसे मुद्दे हैं जो जनता से सीधे जुड़े हैं। मकसद साफ है, आने वाले चुनाव से पहले हर वर्ग को लुभाना।

बीते तीन-चार महीनों में राजस्थान में हुए करौली दंगे, महिला अपराध, साधु-संतों पर हमलों और उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड जैसे चर्चित मामलों का हवाला देते हुए उन्होंने लोगों तक यह मैसेज पहुंचाने की कोशिश की कि राजस्थान में गहलोत सरकार कानून व्यवस्था समेत हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत से राजस्थान नहीं संभल रहा है, तो बता दें, जनता भाजपा को लाने के लिए तैयार है।

हिंदुत्व पर आक्रामक रवैया :
शाह ने कन्हैयालाल दर्जी हत्याकांड और करौली दंगों का हवाला देकर शाह ने हिंदुत्व के मुद्दे को हवा दी। उन्होंने गहलोत सरकार पर तुष्टिकरण का आरोप जड़ा। रामनवमी की शोभा यात्राओं पर प्रतिबंध लगाने, आरएसएस के पथ संचलन पर अंकुश लगाने जैसे मुद्दे उठाए।

साधु-संतों की सुरक्षा में सरकार को फेल बताकर उन्होंने पार्टी की हिंदुत्व छवि को एक बार फिर मुखरता से लोगों के सामने रखा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में हिंदू त्योहारों पर प्रतिबंध जनता सहन नहीं करेगी। राजस्थान के कई शहरों में सुनियोजित दंगे गहलोत ने करवाए हैं।

महंगा पेट्रोल-डीजल और बिजली :
राजस्थान में पड़ौसी राज्यों से महंगे पेट्रोल-डीजल के मुद्दे पर शाह ने कांग्रेस को घेरा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के कहने पर भाजपा शासित राज्यों ने अपने यहां वैट घटाया, लेकिन गहलोत सरकार ने वैट कम नहीं किया। इसकी वजह से राजस्थान में अन्य राज्यों से ज्यादा कीमतों पर पेट्रोल-डीजल मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सबसे महंगी बिजली राजस्थान में मिलती है। भाजपा सरकार आएगी तो बिजली के दाम कम करेगी। उन्होंने कहा कि जब वसुंधरा सरकार ने राजस्थान में अपना कार्यकाल पूरा किया तो 5.04 प्रतिशत महंगाई दर थी, जो गहलोत सरकार में 25 प्रतिशत से ज्यादा हो गई।

बेरोजगारी पर भी हमलावर :
युवाओं को साधने के लिए शाह ने राजस्थान में बेरोजगारी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने सत्ता में आने से पहले कांग्रेस के रोजगार देने और बेरोजगारों को भत्ता देने के वादों पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार ने युवाओं को बर्बाद करने का काम किया। उन्होंने युवाओं के सामने सवाल उठाए कि बेरोजगारी भत्ता मिलता है क्या? क्या अगले चुनाव में इसका हिसाब मांगेंगे? 20 लाख रोजगार देने का वादा किया था, गहलोत जरा दस प्रतिशत का हिसाब दिखा दें।

कर्नाटक में महसूस किए गए भूकंप के 3 झटके

बेंगलुरु, 10 सितंबर (एजेंसियां)। जिले के पड़ोसी जिले रामनगर में शनिवार की सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे दहशत में आए लोग अपने घरों से बाहर निकल गए। स्थानीय जिला अधिकारियों के अनुसार, सुबह करीब साढ़े पांच बजे तीन झटके महसूस किए गए। जिले भर के लोगों, विशेष रूप से बारिश से प्रभावित रामनगर तालुक में लोगों ने झटके महसूस किए। भूंकप का बेज्जराहल्लीकट्टे, पदारहल्ली गांवों में प्रभाव अधिक रहा है। भूकंप के बाद जिला अधिकारी गांवों में पहुंचे और स्थिति का जायजा ले रहे हैं। भारी बारिश के कारण जिन लोगों के मवेशी, फसलें चली गई थीं, वे भूकंप के झटके से चिंतित हैं। भूकंप के झटके को लेकर अभी आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

सोनाली फोगाट मौत मामले में कार्रवाई

दोनों आरोपियों को 13 दिन की न्यायिक हिरासत

पणजी, 10 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा नेता सोनाली फोगाट की मौत मामले में आरोपी सुधीर सांगवान और सुखविंद्र को 13 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मासूपा अदालत ने यह आदेश दिया। मामले की जांच में सामने आया था कि भाजपा नेता सोनाली फोगाट की मौत ड्रग्स के कारण हुई थी। भाजपा नेता को जबरन ड्रग देने के मामले में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। बता दें कि 23 अगस्त को उनकी मौत की पुष्टि हुई थी।

जबरन ड्रग्स देने का वीडियो आया था सामने

गोवा पुलिस के आईजी ओमवीर सिंह बिश्नोई ने इस मामले में जांच के बाद बताया था कि सोनाली को जबरन सिंथेटिक ड्रग्स दी गई थी। उन्हें ड्रग्स देने की घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हुआ था। इस सीसीटीवी फुटेज के

आधार पर यह देखा गया कि आरोपी सुधीर सांगवान और उसका सहयोगी सुखविंदर सिंह सोनाली के साथ एक क्लब में पार्टी कर रहे थे।

इसमें दिख रहा है कि उनमें से एक ने पीड़िता को जबरदस्ती एक पदार्थ का सेवन कराया। पूछताछ में सुखविंदर और सुधीर ने कबूल किया कि उन्होंने जानबूझकर लिक्विड में मिलाकर सोनाली को कुछ पिलाया। ओवरडोज से सोनाली की तबीयत बिगड़ गई थी। इसके आधार पर सोनाली के पीए सुधीर सांगवान और सुखविंदर सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया था। आईजीपी ने कहा था कि आरोपियों की स्वीकारोक्ति के अनुसार नशा करने की घटना उत्तरी गोवा के अंजुना में कर्लीज रेस्तरां में हुई थी।

सुधीर और सुखविंद्र की रिमांड बढ़ाई गई थी

इससे पहले भाजपा नेता सोनाली फोगाट की मौत मामले में आरोपी सुधीर सांगवान और सुखविंद्र को दो दिन के रिमांड के बाद गुरुवार को मासूपा अदालत में पेश किया गया था। जिसके बाद अदालत के आदेश पर गोवा पुलिस ने दोबारा से दोनों आरोपियों को दो दिन के रिमांड पर लिया था। अभी तक की जांच में सामने आया है कि भाजपा नेता सोनाली फोगाट को सुधीर सांगवान और सुखविंद्र ने ही ड्रग दी थी।

मूसेवाला हत्याकांड का आरोपी दीपक मुंडी गिरफ्तार

पंजाब पुलिस और दिल्ली पुलिस को मिली सफलता

चंडीगढ़, 10 सितंबर (एजेंसियां)। सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में पुलिस के हाथ बड़ी सफलता लगी है। पंजाब पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों और दिल्ली पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान में मूसेवाला मर्डर केस के फरार आरोपी दीपक उर्फ मुंडी को उसके दो सहयोगियों कपिल पंडित और राजिंदर के साथ गिरफ्तार कर लिया है। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने यह जानकारी दी। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि दीपक मुंडी, कपिल पंडित और राजिंदर को एजीटीएफ टीम ने पश्चिम बंगाल-नेपाल सीमा पर एक खुफिया ऑपरेशन में गिरफ्तार किया गया। दीपक बोलेरो मॉड्यूल में शूटर था, वहीं कपिल पंडित और राजिंदर ने हथियार और ठिकाने सहित रसद सहायता प्रदान की। मूसेवाला हत्याकांड में बोलेरो और कोरोला मॉड्यूल का इस्तेमाल किया गया था। दीपक मुंडी बोलेरो मॉड्यूल का हिस्सा था। इसका नेतृत्व हरियाणा का शार्प शूटर प्रियव्रत फौजी कर रहा था। उनके साथ अंकित सिरसा और कशिश भी थे।

राज्यसभा जाएंगे पूर्व सीएम बिप्लव देब

बीजेपी ने उपचुनाव में मानिक साहा की सीट से बनाया प्रत्याशी

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देब को बीजेपी ने राज्यसभा के होने वाले उपचुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है। बिप्लब ने इस साल मई में त्रिपुरा के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। बिप्लब कुमार देब के अचानक इस्तीफे की खबर ने राष्ट्रीय राजनीति में हलचल पैदा कर दी थी। इसके बाद बीजेपी ने माणिक साहा को राज्य का मुख्यमंत्री नियुक्त किया।

त्रिपुरा की एकमात्र राज्यसभा सीट के लिए उपचुनाव 22 सितंबर को होना है। इस सीट से अप्रैल 2022 में माणिक साहा सदस्य चुने गए थे। उनका कार्यकाल अप्रैल 2028 में पूरा होना था। लेकिन 15 मई को माणिक साहा के सीएम बनने के बाद सीट खाली हो गई। साहा साल 2016 में कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए थे। 2020 में बीजेपी ने उन्हें पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष भी बनाया था। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की ओर से जारी सूची में कहा गया है कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने त्रिपुरा में आगामी होने वाले राज्यसभा उपचुनाव के लिए बिप्लव देब के नाम पर अपनी स्वकृति दी है। बिप्लब कुमार देब की छवि त्रिपुरा में बड़े बीजेपी नेता के तौर पर रही है। इस्तीफा देने से पहले बिप्लब कुमार देव ने दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। माना गया था कि पार्टी नेतृत्व के इशारे पर ही बिप्लब कुमार देव ने अपने पद से इस्तीफा दिया है।

बीजेपी आलाकमान ने शुक्रवार को ही बिप्लब कुमार देब को हरियाणा का प्रभारी बनाने का ऐलान भी किया था। उनके साथ कई और नेताओं को भी जिम्मा दिया गया। बीजेपी में हुए इस बड़े और अहम बदलावों को इन राज्यों में होने वाले आगामी विधान सभा चुनावों के साथ-साथ 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव के मद्देनजर काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कभी थे सतना के सांसद के निजी सचिव

बिप्लव देब 16 साल तक राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के कार्यकर्ता रह चुके हैं। वो मप्र के सतना से भाजपा के सांसद गणेश सिंह के निजी सचिव भी रहे। 2014 में बनारस में लोकसभा चुनाव की पीएम मोदी की कैंपेनिंग को मैनेज करने का काम भी बिप्लब देब ने किया। मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद बिप्लब देब को दिल्ली से त्रिपुरा भेजा।

हरियाणा में गणेश प्रतिमा विसर्जन में 6 लोगों की डूबने से मौत

चंडीगढ़, 10 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में दो घटनाओं में गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पहली घटना में महेंद्रगढ़ जिले के झगडोली गांव में मूर्ति विसर्जन के लिए ले जा रहे 20 में से 9 लोग नहर में तेज धारा की चपेट में आ गए।

जबकि चार की मौत हो गई, अन्य को जिला प्रशासन ने बचा लिया और अस्पताल में भर्ती कराया। दूसरी घटना में सोनीपत जिले में दो लोग यमुना नदी में डूब गए। मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने एक ट्वीट में कहा, महेंद्रगढ़ और सोनीपत जिलों में गणपति विसर्जन के दौरान नहर में डूबने से कई लोगों की मौत की खबर दिल दहला देने वाली है। इस मुश्किल घड़ी में हम सभी मृतक परिवारों के साथ खड़े हैं। एनडीआरएफ की टीम ने कई लोगों को डूबने से बचाया है, मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

ब्रिटेन की गृहमंत्री के पिता की पुश्तैनी जमीन पर कब्जा

एसआईटी ने मामला दर्ज कर शुरू की जांच

पणजी, 10 सितंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन की गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन के पिता ने शिकायत की है कि उत्तरी गोवा में उनकी दो पुश्तैनी संपत्तियों पर एक अज्ञात व्यक्ति ने कब्जा कर लिया है, जिसके बाद राज्य पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री लिज ट्रस द्वारा भारतीय मूल की सांसद ब्रेवरमैन को इस सप्ताह की शुरुआत में ब्रिटेन की गृह मंत्री नियुक्त किया गया है। पुलिस अधीक्षक (एसआईटी) निधि वासन ने पत्रकारों को बताया कि ब्रेवरमैन के पिता क्रिस्टी फर्नांडीस ने शिकायत की है कि असगाओ में उनकी दो पुश्तैनी संपत्तियां सामूहिक रूप से 13,900 वर्ग मीटर में हैं। उन्होंने कहा कि शिकायत के आधार पर एसआईटी ने पहली सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की है गई है। मामले की जांच शुरू हो गई है। फर्नांडिस ने मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, राज्य के पुलिस महानिदेशक जसपाल सिंह और गोवा एनआरआई कमिश्नरेट को एक ई-मेल के जरिए शिकायत दर्ज कराई। संपर्क किए जाने पर गोवा के एनआरआई कमिश्नर नरेंद्र सवाईकर ने बताया कि उनके विभाग को पिछले सप्ताह ई-मेल प्राप्त हुआ था, जिसे राज्य के गृह विभाग को भेज दिया गया था।

गोवा सरकार ने इस साल की शुरुआत में जमीन हड़पने के मामले की जांच के लिए पुलिस, राजस्व और अभिलेखागार और पुरातत्व विभाग के अधिकारियों को शामिल करते हुए एसआईटी का गठन किया था। एसआईटी राज्य में ऐसे 100 से अधिक मामलों की जांच कर रही है और अभिलेखागार और पुरातत्व विभाग के दो अधिकारियों सहित 15 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है।

जैन मंदिर में बच्चे को खंभे से बांधकर पीटा

बच्चा चिल्लाता रहा... अंकलजी बचा लो पुजारी चोरी का आरोप लगाकर पीटता रहा

सागर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। एमपी में सागर के जैन मंदिर परिसर में बच्चे के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। मंदिर के पुजारी ने पहले तो उसे पीटा और फिर परिसर में एक खंभे से बांध दिया। इस दौरान बच्चा अंकलजी बचा लो...बचा लो... चिल्लाता रहा। इस घटना का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें पुजारी बच्चे को रस्सी से बांधते हुए नजर आ रहा है।

सागर में मोतीनगर थाना क्षेत्र के छोटा करीला जैन मंदिर का वीडियो सामने आने के बाद बच्चे के परिवार ने पुलिस से शिकायत की। इसके बाद आरोपी पुजारी राकेश जैन के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया। इधर, मंदिर के पुजारी का कहना है कि बच्चा पूजा की थाली से बादाम चुरा रहा था।

वीडियो में बच्चे को पुजारी और एक अन्य युवक पकड़े हुए नजर आ रहे हैं। वह रोते हुए अंकलजी बचा लो.. बचा लो... की गुहार लगा रहा है। राकेश जबरन उसे रस्सी से खंभे में बांध देता है। बच्चे के रोने की आवाज सुनकर आसपास के कुछ लोग उसे बचाने के लिए पहुंचे, लेकिन राकेश ने उन्हें भगा दिया।

मामले में राकेश जैन का कहना है कि दो बच्चे चोरी की नीयत से मंदिर परिसर में आए थे, जिनमें से एक भाग गया। दूसरे को पकड़ लिया। वो भी न भाग जाए, इसीलिए उसे बांधा था। उसने मंदिर की पूजा की थाली से बादाम भी उठाकर जेब में रखे थे।

बच्चे ने बताया- मैं दोस्त के साथ मंदिर के पास खड़ा था। पुजारी हमें पकड़कर भीतर ले गए। वे बोले- चोरी करने आए थे और मारना शुरू कर दिया। पहले चांटा, फिर मुक्का मारा। इसके बाद बाहर लाकर रस्सी से बांध दिया। मैं उन्हें छोड़ने के लिए कहता रहा, पर उन्होंने नहीं सुना।

तमिल पादरी का विवादित बयान

बोले-ईसा ही असली भगवान; वे इंसान की तरह दिखाई देते हैं, निराकार शक्ति जैसे नहीं

चेन्नई, 10 सितंबर (एजेंसियां)। तमिल पादरी जॉर्ज पोन्नैया का बयान विवादों में है। उन्होंने ईसा मसीह को असली भगवान बताते हुए हिंदू धर्म में पूजी जाने वाली निराकार शक्ति को ईश्वर मानने से इनकार किया है। पोन्नैया ने कहा कि भगवान खुद को असली इंसान के रूप में पेश करते हैं... शक्ति के रूप में नहीं... इसलिए हम व्यक्ति के तौर पर भगवान को देख पाते हैं।

दरअसल कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान तमिलनाडु के कन्याकुमारी में पादरी जॉर्ज से मिले थे। यहां उन्होंने पादरी से पूछा कि जीजस क्राइस्ट ईश्वर का एक रूप हैं न? इस पर पोन्नैया ने कहा- 'ईसा मसीह ही असली भगवान हैं।'

मोदी और शाह पर दिए बयान के बाद गिरफ्तार किया गया था

पोन्नैया इससे पहले भी कई

तस्वीर राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान की है।

विवादित बयान दे चुके हैं। पिछले साल जुलाई में पोन्नैया को मदुरई से गिरफ्तार किया गया था। 18 जुलाई को अरुमनाई में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कोरोनावायरस लॉकडाउन के समय में चर्चों के बंद होने और प्रार्थना सभाओं पर बैन को गलत बताया था। इसी बैठक में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिया था। पोन्नैया ने कहा था कि मैं लिखकर दे सकता हूं कि मोदी के आखिरी दिन दयनीय होंगे। मामला बढ़ने के बाद उन्होंने माफी मांगी थी।

भारत माता का भी अपमान किया था

मंदिर में प्रवेश से पहले चप्पल उतारने वाले एक नेता पर बयान देते हुए पादरी जॉर्ज ने कहा था कि हमारी संस्कृति में लोग चप्पलें पहनते हैं ताकि भारत माता की गंदगी हमें गंदा न कर दे। तमिलनाडु सरकार ने हमें चप्पलें दी हैं, यह भूमि खतरनाक है इससे हमें चर्मरोग हो सकता है।

भाजपा ने कहा- यह भारत जोड़ो नहीं, नफरत जोड़ा अभियान है

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि यह राहुल गांधी का नफरत जोड़ो अभियान है। आज उन्होंने जॉर्ज पोन्नैया जैसे इंसान को भारत जोड़ो यात्रा का पोस्टर बॉय बनाया है, जिसने हिंदुओं को धमकी दी, उन्हें चुनौती दी और भारत माता के बारे में आपत्तिजनक बातें कहीं। कांग्रेस का हिंदू-विरोधी होने का पुराना इतिहास है।

कांग्रेस ने कहा-ये भाजपा का शातिरपना है

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि ऑडियो में जो रिकॉर्ड किया गया है उससे इन बातों का कोई लेना-देना नहीं है। ये भाजपा का शातिरपना है, जिसकी हमें उम्मीद थी। भारत जोड़ो यात्रा के सफल लॉन्च से भाजपा परेशान हो गई है।

राहुल गांधी की तरह सड़क पर होंगी 'महुआ मोइत्रा'

भाजपा का टीएमसी नेता पर वार

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस की फायरब्रांड नेता महुआ मोइत्रा पर भाजपा ने हमला बोला है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने हाल ही में हुई टीएमसी की एक बैठक का हवाला देते हुए कहा कि कुछ दिनों में राहुल गांधी की तरह महुआ मोइत्रा भी सड़क पर होंगी। दरअसल, इस बैठक में टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने महुआ मोइत्रा को अपने निर्वाचन क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने की नसीहत दी थी।

अमित मालवीय ने ट्वीट किया, महुआ मोइत्रा, जिन्होंने मां काली को अपमानित किया, वामपंथी कबीले की पसंदीदा हैं, लेकिन अपनी ही पार्टी में अवांछित हैं। ममता बनर्जी ने उन्हें सार्वजनिक रूप से फटकार लगाई। इस तरह से वह राहुल गांधी की तरह जल्द ही सड़कों पर होंगी, हालांकि इसके पूरी तरह से अलग कारण होंगे।

अपने निर्वाचन क्षेत्र में समय बिताने की दी थी नसीहत

दरअसल, हाल ही में हुई एक बैठक में टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने महुआ मोइत्रा से कहा था कि वह अपने निर्वाचन क्षेत्र के बाहर पार्टी के संगठनात्मक मामलों में हस्तक्षेप न करें। ममता बनर्जी ने कहा, महुआ, कौन पद देता है और कौन नहीं, यह महत्वपूर्ण नहीं है। यह पार्टी का काम है। करीमपुर आपका क्षेत्र नहीं है। यह अबू ताहिर का क्षेत्र है। इस क्षेत्र को वह देखेंगे। आप अपने लोकसभा क्षेत्र पर ध्यान दें।

मां काली विवाद का दिया था हवाला

पिछले दिनों महुआ मोइत्रा ने मां काली को लेकर विवादित बयान दिया था, जिसके बाद जबरदस्त हंगामा हुआ।

हालांकि, इसके बाद पार्टी ने महुआ के बयान से खुद को अलग कर लिया था। वहीं अभी हाल ही में हुई पार्टी की एक बैठक में ममता बनर्जी ने महुआ मोइत्रा को कड़ी फटकार लगाई थी, जिसके बाद महुआ ने एक लंबा फेसबुक पोस्ट लिखा था और कहा था कि मेरे नेता ने मुझसे अपने लोकसभा क्षेत्र में समय देने को कहा है, इसलिए मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि करीमपुर के किसी भी विकास कार्य के लिए अबू ताहिर से संपर्क करें।

रोचक खबरें

भालू बन गया जेंटलमैन! पालतू जानवरों की तरह मानने लगा आदेश

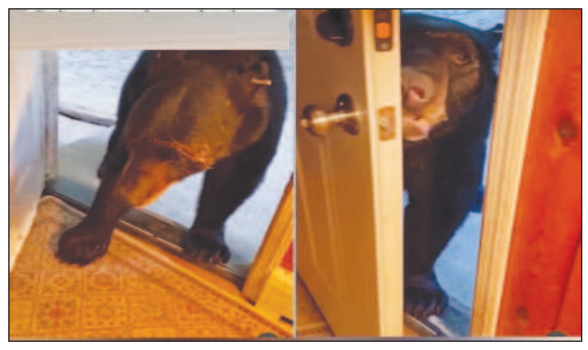

सोशल मीडिया अतरंगी घटनाओं और तस्वीरों की अलबेली दुनिया है. जहाँ आप वो सब कुछ देख सकते हैं जिसकी न कभी कल्पना की थी न उम्मीद. अब उस भालू को ही ले लीजिये जिससे किसी की बात मानने की उम्मीद शायद ही कभी की गई होगी. लेकिन पालतू जानवरों की तरह वो भी अनुशासित नजर आए तो लोग हैरानी से बच देखते ही रह गए।

इंस्टाग्राम पर शेयर एक वीडियो में जंगली भालू मुंह से दरवाजा खींचता नजर आया. वीडियो का ऑडियो ऑन करते ही समझ में आया कि ये भालू तो कमांड फॉलो कर रहा है एक महिला उसे क्लोज़ डोर का आदेश दे रही थी जिसे सुनने के बाद भालू ने झट से दरवाजा बंद किया और चलता बना. जंगली भालू को कुत्ते की तरह कमांड मानते देख लोग अचरज में पड़ गए. जेंटलमैन भालू को 4 लाख से ज्यादा लाइक्स मिले हैं।

जेंटलमैन बनते ही छा गया भालू

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं जेंटलमैन भालू को देख आप भी हैरानी से भर जाएंगे. जंगली और खुंखार भालू को जेंटलमैन कहा जा रहा है इसमें सब कुछ छिपा हुआ है. उम्मीद से उलट एक भालू लोगों को नुकसान पहुंचाने की बजाय घर का दरवाजा बंद कर चला गया. वार करने पर सुनाई देगा की एक महिला भालू को प्लीज़ क्लोज़ डोर यानी दरवाजा बंद करो का आदेश दे रही है. कुछ सेकंड भालू को कमांड को समझने में लगे लेकिन समझ में आते ही उसने मुंह से दरवाजे का हैंडल पकड़ा और दरवाजे को खींचकर बंद कर दिया. जिसके बाद दरवाजा बंद करने का आदेश दे रही महिला ने उसे गुड बॉय कहकर अभिवादन भी किया. यानी भालू न सिर्फ समझदार हो गए हैं बल्कि अनुशासित भी होने लगे हैं।

मर्दों को धोखा देने में एक्सपर्ट है ये महिला

1000 को बना चुकी है शिकार! शादीशुदा भी करना चाहते हैं अफेयर हाल ही में एक विदेशी वेबसाइट ने अपने सर्वे में पाया कि सितंबर के महीने में लोग अपने पार्टनर्स को सबसे ज्यादा धोखा देते हैं. मगर धोखा देना महीने पर नहीं, इंसान पर निर्भर करता है. अगर वो अपने पार्टनर को चीट करना चाहता है तो वो महीने का इंतजार नहीं करेगा. इन दिनों एक महिला काफी चर्चा में है जिसका दावा है कि वो मर्दों को विवश कर देती है जिससे वो अपने पार्टनर को धोखा दे देते हैं. उसने बताया कि इसी वजह से उसे सितंबर का महीना पसंद है।

द सन वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार ग्वेनेथ ली खुद को सीरियल किलर की तरह सीरियल चीटर बताती हैं। उनका दावा है कि वो 1000 पुरुषों के साथ संबंध बना चुकी हैं. वो पुरुषों को मजबूर कर देती हैं कि वो अपने पार्टनर को धोखा देकर उनके नजीदक आएं. उन्होंने कहा कि सितंबर का महीना बेवफाई करने के लिए सबसे अच्छा माना जाता है, इसलिए उन्हें भी ये महीना बहुत पसंद है।

शादीशुदा मर्द भी करना चाहते हैं अफेयर

50 साल की ग्वेनेथ ने कहा कि उन्होंने कई शादीशुदा मर्दों के साथ भी संबंध बनाए हैं, साथ में अलग-अलग व्यवसाय के लोगों के साथ भी उनका अफेयर रहा है. फिल्म प्रोड्यूसर, फाइनैंस से जुड़े लोग, आदि जैसे कई लोगों के साथ उनका अफेयर अभी चल रहा है. वो मैरेड हैं मगर दूसरी महिला के साथ अफेयर चाहती हैं।

सितंबर के महीने में सबसे ज्यादा लोग करते हैं अफेयर

लंदन से लेकर कैलिफोर्निया तक ग्वेनेथ के अफेयर हैं. उन्होंने द सन से वेबसाइट इलिसिट एनकाउंटर्स के एक सर्वे को लेकर ये टिप्पणी की. आपको बता दें कि इस स्टडी में पाया गया कि 32 प्रतिशत महिलाएं और 34 प्रतिशत मर्द गर्मियों के बाद सितंबर के महीने से अपने पार्टनर को धोखा देने की शुरुआत करते हैं. इस महीने में अन्य महीनों के मुकाबले 22 प्रतिशत ज्यादा चीटिंग के मामले शुरू होते हैं. ग्वेनेथ ने कहा कि वो तलाकशुदा हैं, उनकी पहले शादी हो चुकी थी. मगर अब वो किसी लंबे रिश्ते को नहीं चाहती हैं.

मां की पीठ पर तैरता दिखा बत्तख तो आनंद महिन्द्रा ने कहा-'बिना टिकट यात्री'

जानवर हो या इंसान जन्म के साथ उन्हें माँ के साथ सीख और शिक्षा की बेहद जरूरत होती है. इंसानों में जहाँ माँ ऊँगली पकड़कर बच्चों को चलना सिखाती है तो वही जानवर ऊँगली तो नहीं पकड़ सकते लेकिन अपने साथ साथ उन्हें खुद को फॉलो कर आगे बढ़ने की ट्रेनिंग देना नहीं भूलते.

बच्चे भी मां की हर सीख को बखूबी समझते हैं और कुछ ही समय में पारंगत हो कर स्वतंत्र हो जाते हैं. सोशल मीडिया पर बच्चों के साथ बतख मां का ऐसा ही वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वो अपने साथ उन सभी को तैरना सीखा रही हैं।

महिन्द्रा ग्रुप के चेयरपर्सन आनंद महिन्द्रा ने अपने ट्विटर अकाउंट पर मां के साथ पानी में तैरते बत्तखों का एक वीडियो शेयर किया. जिसपर कैप्शन दिया- भारत में, इसे टीटी कहा जाएगा. टिकट रहित यात्री. लोगों को ये वीडियो बेहद पसंद आया इसे 60 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं. आनंद महिन्द्रा सोशल मीडिया पर बेहद एक्टिव रहते हैं और एक से एक वीडियो शेयर कर उससे जुड़ी सीख और बेहतरीन फैक्ट्स को उजागर करना नहीं भूलते।

सु वि चा र
अतिदान में दरिद्रता और अति लोभ से तिरस्कार होता है, अति नाश का कारण है, इसलिए अति से सर्वदा दूर रहें।

केंद्रीय मंत्री ने चेर्लापल्ली रेलवे स्टेशन के सैटेलाइट टर्मिनल कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केन्द्रीय उत्तर पूर्वी क्षेत्र के संस्कृति, पर्यटन और विकास मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शनिवार को चेर्लापल्ली रेलवे स्टेशन पर सैटेलाइट टर्मिनल कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया। उनके साथ महाप्रबंधक (प्रभारी), दमरे अरुण कुमार जैन और दमरे के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी नीरज अग्रवाल, जे. के. जैन, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद मंडल ए. के. गुप्ता आदि उपस्थित रहे। केन्द्रीय मंत्री ने चेर्लापल्ली रेलवे स्टेशन पर सैटेलाइट टर्मिनल के विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कोच रखरखाव सुविधाओं और अन्य ढांचागत कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि चेर्लापल्ली रेलवे स्टेशन जुड़वां शहरों में चौथा प्रमुख यात्री टर्मिनल बन जाएगा। नए टर्मिनल को हवाई अड्डों के समान आधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकास कार्य दिसंबर, 2023 तक पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने चरणबद्ध तरीके से परियोजना शुरू करने के लिए रेलवे की सराहना की और कहा कि सैटेलाइट टर्मिनल भारत के जुड़वां शहरों में रेल यात्रियों को बढ़ी हुई परिवहन सुविधा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यह सार्वजनिक और निजी परिवहन दोनों की गतिशीलता के लिए भी सुविधाजनक है क्योंकि यह बाहरी रिंग रोड से सीधे जुड़ा हुआ है। उन्होंने पर्यावरण के अनुकूल दृष्टिकोण जैसे पेड़ों का स्थानान्तरण, वनीकरण, वर्षा जल संचयन आदि के साथ परियोजना शुरू करने के लिए रेलवे की सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास 600 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से किया जा रहा है। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक (प्रभारी) ने मंत्री को परियोजना विवरण के बारे में जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान श्री जी. किशन रेड्डी ने मीडिया कर्मियों और ट्रेड यूनियन प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से भी बातचीत की और उनके द्वारा बरती जाने वाली सुरक्षा सावधानियों के बारे में जानकारी ली।

17 सितंबर को बड़े पैमाने पर मुक्ति दिवस आयोजित करने की व्यवस्था : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज यहां कहा कि 17 सितंबर को तेलंगाना मुक्ति दिवस को 1 साल के लिए बड़े पैमाने पर कार्यक्रम आयोजित करने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने स्वतंत्रता संग्राम के गैर मान्यता प्राप्त नायकों की पहचान की है और राष्ट्र के लिए उनकी सेवाओं को याद करने का फैसला किया है। इसी सिलसिले में किशन रेड्डी ने आज शहर के बेगम बाजार का दौरा किया और स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जेल जाने वाले उस्मानिया विश्वविद्यालय में वंदे मातरम का नारा लगाने वाले महान सेनानी रामचंद्र राव के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। श्री रेड्डी ने अफसोस जताया कि तत्कालीन निजाम शासन के खिलाफ लड़ने वाले गुण गुमनाम नायकों को स्वतंत्र भारत में मान्यता और सम्मान नहीं दिया गया था जिसने 75 साल पहले आजादी हासिल की थी। इसलिए केंद्र सरकार के तत्वाधान में गुमनाम नायकों के बलिदान को याद किया जाएगा उनकी जयंती और पुण्यतिथि को बड़े पैमाने पर मनाया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल ने तत्कालीन निजाम को भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण करा दिया था और 1948 में हैदराबाद में राष्ट्रीय तिरंगा फहराया था। इस साल 17 सितंबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हैदराबाद में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे।

गर्ल्स हॉस्टल में डांस करने को लेकर कुलपति विवाद में

छात्र संघ ने किया प्रदर्शन, पुतला फूंका

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विश्वविद्यालय के कुलपति डी. रविंदर गुप्ता शुक्रवार को गणेश प्रतिमा विसर्जन के बाद गर्ल्स हॉस्टल में छात्राओं के साथ डांस करने के बाद विवादों में आ गए।

गुप्ता का गर्ल्स हॉस्टल में डांस करते हुए एक वीडियो शनिवार को सोशल मीडिया प्लेफॉर्म पर वायरल हो गया। पता चला है कि गुप्ता दो अन्य लोगों के साथ नियमों का उल्लंघन कर हॉस्टल गयो थे। आरोप है कि गुप्ता ने अपने साथ नाच रही लड़कियों पर नोटों की बौछार कर दी। घटना के बाद, छात्र संघ संगठनों ने छात्रावास के सामने विरोध प्रदर्शन किया और मांग की कि राज्य सरकार उन्हें अगली जांच तक तुरंत वापस बुलाए। गुप्ता के रवैये की निंदा करते हुए नारेबाजी करते हुए नाराज छात्रों ने उनका पुतला फूंका और अपना विरोध दर्ज कराया। कई छात्रों के माता-पिता ने भी गुप्ता पर उनके साथ डांस करने पर अपना गुस्सा जाहिर किया।

कृषि के लिए केंद्र के पास कोई विजन नहीं : हरीश राव

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने टूटे चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के लिए केंद्र सरकार की खिंचाई की और कहा कि देश को चलाने के लिए केंद्र की कोई कृषि नीति नहीं है।

शनिवार को संगारेड्डी जिले में नवगठित पाटनचेरु मार्केट कमेटी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के बाद एक कार्यक्रम में बोलते हुए, हरीश राव ने कहा कि कुछ महीने पहले, केंद्र सरकार ने तेलंगाना के किसानों से धान की खेती नहीं करने के लिए कहा था क्योंकि देश में चावल का प्रचुर भंडार है। जो अगले चार साल तक की मांग को पूरा किया जा सकता है। अचानक से उसने टूटे चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है और खाद्यान्न में गिरावट के कारण गैर-बासमती चावल के निर्यात पर 20 प्रतिशत शुल्क लगाया है। हरीश राव ने आरोप लगाया कि यह स्पष्ट रूप से इंगित करता है कि कृषि क्षेत्र के प्रति केंद्र सरकार की कोई दृष्टि नहीं है। मंत्री ने कहा कि विभिन्न कारणों से दुनिया भर में चावल की भारी मांग थी और कृषि क्षेत्र के प्रति खराब दृष्टिकोण के कारण केंद्र सरकार अवसर का उपयोग करने में असमर्थ है। हरीश राव ने मांग की कि केंद्र को लोगों को स्पष्टीकरण देना चाहिए कि टूटे चावल के निर्यात पर प्रतिबंध क्यों लगाया गया है और केंद्रीय मंत्रियों ने तेलंगाना के किसानों पर धान की खेती न करने का दबाव क्यों डाला है।

यह कहते हुए कि तेलंगाना, जो कभी गरीबी और सूखे के लिए जाना जाता था, अब भारत के चावल के कटोरे के रूप में उभरा है, मंत्री ने कहा कि धान की खेती का क्षेत्र काफी बढ़ गया है और तेलंगाना में 65 लाख एकड़ से अधिक में धान की खेती की जा रही है। हरीश राव ने कहा कि केंद्र को सबसे अधिक मात्रा में धान के उत्पादन के लिए तेलंगाना के महत्व को पहचानना चाहिए और तेलंगाना के किसानों द्वारा उत्पादित धान की खरीद पर सभी प्रतिबंधों को हटाना चाहिए।

अलवाल के श्रीलक्ष्मी गणपति के लड्डू की निलामी 44,9999 रुपये में की गयी।

भगमती ट्रेन के इंजन में लगी आग

पेद्दापल्ली, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पेद्दापल्ली मंडल के गौरेड्डीपेट के पास शनिवार सुबह भागमती सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन के इंजन में आग लग गई। हालांकि घटना के सही कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण आग की लपटें उठीं। जब सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन मैसूर से दरभंगा की ओर जा रही थी, तब इंजन से घना धुआं और आग की लपटें निकलीं। रेलवे अधिकारी ट्रेन को पेद्दापल्ली रेलवे स्टेशन ले आए और आग की लपटों को शांत किया। इंजन ठीक करने के बाद ट्रेन को आगे बढ़ने दिया गया। घटना में किसी के हताहत न होने के कारण रेलवे अधिकारियों और यात्रियों की सांसें थम गईं।

मछुआरा समुदाय के विकास के लिए तेलंगाना सरकार का हरसंभव प्रयास : तलसानी

मंत्री ने बेगमबाजार में किया मछली बाजार के नवनिर्मित भवन का शुभारंभ

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पशुसंवर्धन व मत्स्यपालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि राज्य सरकार तेलंगाना में मछुआरे समुदाय के विकास के लिए अथक प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री केसीआर इस समुदाय को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाओं का संचालन कर रहे हैं। मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने शनिवार को 50 वर्षों से बेगम बाजार में आम जनता और व्यापारिक समुदाय के लिए बड़ी समस्या रही मछली बाजार के नवनिर्मित भवन का शुभारंभ किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि स्वच्छ वातावरण के अलावा ग्राहकों को एक ही जगह पर विभिन्न प्रकार की मछलियां मिल सकेंगी। वातावरण में मछलियों पर धूल और मिट्टी मक्खियां आदि नहीं आएंगी। सरकार मछुआरा समुदाय के विकास के लिए बहुत तेजी से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जीएचएमसी सीमा के तहत मल्लापुर और कुक्कटपल्ली में दो मछली भवनों का निर्माण कर रही है। इनके बनाने में करीब 50 करोड़ की लागत आ रही है यहां से थोक मछली का निर्यात किया जा सकेगा। इस अवसर पर जीएचएमसी की डिप्टी मेयर मोटे श्रीलता शोभन रेड्डी ने भी अपने विचार व्यक्त किया। इस अवसर पर स्थानीय टीआरएस नेता नंदकिशोर व्यास बिलाल, पूजा व्यास बिलाल के अलावा पार्षद शंकर यादव, गोसमहल निर्वाचन क्षेत्र के नेता टीआरएस नेता प्रेमसिंह राठौर, एम. आनंद कुमार गौड़, आरवी महेंद्र, टीआरएस महिला नेता प्रिया गुप्ता, जामबाग डिवीजन टीआरएस अध्यक्ष एम. श्रीनिवास गौड़, महासचिव जी. नंदू कुमार आदि उपस्थित रहे।

महाराज श्री अग्रसेनजी की 5146वीं जयन्ती का भव्य शुभारंभ

श्री अग्र भागवत कथा का विशाल आयोजन आज से

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महाराज श्री अग्रसेनजी की 26 सितंबर को सम्पन्न होने वाली 5146वीं जयन्ती के सम्बन्ध में अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा जयन्ती सम्बन्ध कार्यक्रमों की शुरूआत नगर में आज प्रारम्भ हुई। इस संदर्भ में नगरद्वय में विभिन्न स्थानों पर स्थित महाराजाश्री अग्रसेन जी की पांच प्रतिमाओं पर माल्यार्पण पूजा-अर्चना एक साथ सम्पन्न हुई। श्री अग्रसेन भवन, सिकन्दराबाद में समाज अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल और उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप कुमार पंसारी की उपस्थिति में एक स्थान पर विजय अग्रवाल, उमेश अग्रवाल (दोनों कार्यक्रम संयोजक), दुर्गा प्रसाद बंसल, सुमित बंसल, सन्तोष टाटिया, सत्यप्रकाश बंसल, अशोक सिंघल, शशि सिंघल, किरण अग्रवाल, हरिओम गर्ग, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, विकास कैशान, केसरीनन्दन कन्दोई, अशोक आर. डाणी, राजेन्द्र गुप्ता, शिल्पा कैशान, बिकी सर्राफ, संदीप गोयनका, डॉ. स्वाति गोयल, सरला शाह उपस्थित रहे।

इसी तरह प्रदीप अग्रवाल, योगेश अग्रवाल के समायोजन में श्री जगदीश मन्दिर, लोअर टैंकबंड में सम्पन्न कार्यक्रम में अग्रवाल समाज, तेलंगाना के उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप कुमार पंसारी तथा स्थानीय पार्षद रचनाश्री की उपस्थिति में भाजपा नेता वेंकटेश, महेन्द्र बाबू, राजकुमार सरायवाला, सन्तवन्ती सरायवाला, प्रदीप अग्रवाल, अनिल गर्ग, योगेश अग्रवाल, विजय कुंछल, विजय जिन्दल, विजय अग्रवाल, महेश कनोडिया, पवन टिबरेवाल, सरला अग्रवाल, पुजा गुप्ता, दीपा गर्ग, सुमन सर्राफ, निरोशा, आशा कनोडिया, आरती अग्रवाल, शशि अग्रवाल, किरण अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, अनिश केडिया, हिमन्शु अग्रवाल, अनमोल अग्रवाल, हशवी अग्रवाल उपस्थित रहे। शेष गोपाल-अचल गुप्ता के समायोजन में अग्रवाल शिक्षा समिति में सम्पन्न हुए। कार्यक्रम में समाज के मानदमंत्री कपूर चन्द गुप्ता, पंकज मित्तल, धीरज गुप्ता, विजय कुमार, राजेन्द्र पौद्दार, महावीर लाल पित्ती, सुनिल अग्रवाल, अशोक बंसल, मुकेश अग्रवाल, कमल गर्ग, राजकुमार गुप्ता उपस्थित रहे।

मनीष अग्रवाल-नितिन अग्रवाल के समायोजन में निम्स अस्पताल पंजागुट्टा में स्थित महाराज श्री पूजा अवसर पर समाज अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल, संयुक्त सचिव सतीश कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राकेश जालान व मुकुन्दलाल, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, मनिष अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, राजेन्द्र जालान, नितिन अग्रवाल, राजेश जालिया, अनिल गोयल, राकेश जालान, अंजनी कुमार अग्रवाल, सतीश कुमार अग्रवाल, विनोद कुमार अग्रवाल, श्याम सुन्दर अग्रवाल, मनोज मित्तल उपस्थित रहे। मुकुन्दलाल अग्रवाल व सी.ए. पंकज अडुकिया के समायोजन में बंजारा हिल्स स्थित महाराजाश्री की विशाल प्रतिमा पर माल्यार्पण व पूजा अर्चना समाज के संयुक्त सचिव सतीश कुमार अग्रवाल व कोषाध्यक्ष राकेश जालान, महेश कुमार अग्रवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, मुभालाल अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल, विनोद अग्रवाल माया अग्रवाल, ओमप्रकश अग्रवाल, जगदीश अग्रवाल, रतन गुप्ता, नवल किशोर अग्रवाल, विनोद टिकमानी, अजय अग्रवाल, श्याम सुन्दर अग्रवाल, के.पी. अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, गीता अग्रवाल, आशा अग्रवाल, लाडली मोहन धानुका, राजेश जैलिया, अनिल गोयल उपस्थित रहे।

इसी क्रम में समाज की ओर से अत्तापुर स्थित बिरजानन्द क्रिकेट ग्राउंड में एक अंतर्राज्य क्रिकेट कप का आयोजन हुआ। उक्त ओ.पी. जालान स्मृति क्रिकेट कप में चैन्नई और हैदराबाद के अग्रयुवा ने हिस्सा लिया। चैन्नई की ओर से माहिम अग्रवाल, कुनाल तोदी, अर्पित बंसल, अभिषेक गुप्ता, निखिल अग्रवाल, तरूण अग्रवाल, हितेश बंसल, अक्शह गोयल, पुनित गुप्ता, शिवम सर्राफ, विशाल गोयल, मोहित अग्रवाल, आशिश गोयल, गिरीश अग्रवाल, अनुराग अग्रवाल व तेलंगाना की ओर से तिरशाक गुप्ता, केशव अग्रवाल, विघ्नेश अग्रवाल, ईशान अग्रवाल, कुश अग्रवाल, चेतन अग्रवाल, यश गुप्ता, अतिश अग्रवाल, प्रणव अग्रवाल, तपीश अग्रवाल, निखिल मित्तल, निशान्त दिवान, नकूल अग्रवाल खिलाडी के मैच खेला गया। मैदान पर समाज अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप कुमार पंसारी, मानद मंत्री कपूर चन्द गुप्ता, संयुक्त मंत्री सतीश कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राकेश जालान, प्रायोजक जालान परिवार के सदस्य के साथी समाज की केन्द्रीय समिति सदस्य, शाखाओं के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा महाराजा श्री अग्रसेन जी की जयन्ती के उपलक्ष्य में नगरद्वय में पहालीबार श्री अग्र भागवत कथा का आयोजन विशाल स्तर पर हो रहा है। इसमें शमशाबाद स्थित अतिथि कन्वेशन में मध्याह्न 3 बजे से प्रारम्भ होने वाली उक्त साढे चार घंटे की भागवत कथा में प्रख्यात कथा वाचक उज्ज्वल अग्रवाल (गर्ग) कलकता की विश्व विख्यात झांकियां और अनुभवी म्युजिशिन टिम के साथ भजनों के बिच महाराज श्री अग्रसेनजी के संम्बन्धित कथा वाचन करेंगे। समाज के अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष व जयंती के प्रधान संयोजक डॉ. दिलीप कुमार पंसारी, मानद मंत्री कपूरचन्द गुप्ता, संयुक्त मंत्री सतीश कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राकेश जालान और जयन्ती तथा उक्त भागवत कथा समिति संसोजकों ने नगरद्वय के समस्त अग्रबन्धुओं से उपस्थित होकर लाभ लेने का अनुरोध किया।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

टी. नोटिस नं.सी_एसजी_36 396 दि.8.9.2022
PUB/0791

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडलीय सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता, सिकंदराबाद डिवीजन, दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-प्रोक्युरमेंट के माध्यम से दि.30.09.2022 के दोप.15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। टेंडर डेट-8.9.2022

क्रम सं. 1 टेंडर नं. सी_एसजी_36_39 6 दि.8.9.2022 कार्य विवरण: 1 एससी डिवीजन (एडीएसटीइ /बीपीए,केएमटी,वीकेबी,एससी,केजेडजे तथा डीएसटीइ/केजेडजे) के 6 सब डिवीजनों में रिलायएबल एलसी गेट, ब्लाक, डेटालाग्गर एवं इसी कम्युनिकेशन सहित 6 क्वैड केबल की सुरक्षा में बढोतरी करने हेतु लो इंसुलेशन डिफेक्ट्स का रेक्टीफिकेशन या सुधार करना। 2. एससी डिवीजन के 11 स्थानों(पीडीपीएल,एमसीआय,आरडीएम,एसकेजेडआर, पीआरएलआय, यूडीजीआर, बीआयडीआर,वीकेबी,एमएबीडी,केएमटी,बीडीसीआर) में पार्सल मेनेजमेंट सिस्टम फेज-III के कार्यान्वयन तथा अंतिम माइल कनेक्टीवीटी के लिए दूरसंचार व्यवस्था करना। अनुमानित मूल्य(रु.) 51,12,%51.55, पूधरा(रु.) 1,02,300/-निविदा पुस्तिका मूल्य(रु.) शून्य।

अधिक जानकारी हेतु कृपया वेबसाइट: www.ireps.gov.in देखें।
आयआरएसजीसीसी-2022 नुसार, सभी निविदादाताओं को ई-निविदा प्रपत्र नि:शुल्क जारी किए जायेंगे। (संदर्भ: आयआरजीसीसी 2022 अंश-I, खंड-3)
वरिष्ठ मंडलीय सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता,सिकंदराबाद

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (http://ireps.gov.in माध्यम से)
PUB/0792

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मुख्य बिजली अभियंता(निर्माण), दमरे, सिकंदराबाद निम्नांकित कार्यों के लिए सिंगल पैकेट सिस्टम आफ टेंडरिंग के तहत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं.1 एनआयटी नं. 04-2022-2023-इ-जीएस-सीएन-बीजेडए, कार्य विवरण: इलेक्ट्रिकल कंस्ट्रक्शन /बीजेडए: सिकंदराबाद डिवीजन: 8 संख्या के अतिरिक्त मौजूदा पावर लाइन क्रासिंग्स(11केवीएचटी सं.4 तथा एलटी सं.4) की प्रयोगात्मक रूप से स्थानांतरण या शिफ्टिंग /मोडिफिकेशंस या संशोधन करना एवं इसके साथ भद्राचलम रोड-सत्तुपल्ली सेक्शन के मध्य विभिन्न आरओबी /आरयुबी/एप्रोच रोड स्थानों पर (11 केवी के 6 स्पैन्स, एलटी ओवरहेड लाइन्स के 10 स्पैन्स एवं 2 संख्या के डीटीआर) का स्थानांतरण करना तथा अतिरिक्त बिजली व्यवस्था करना। अनुमानित मूल्य(रु.) 52,08,805.52, पूधरा (रु.) 1,04,200/-, निविदा दस्तावेज मूल्य:(रु) शून्य, पूरा करने की अवधि: 12(बारह) महिने, बंद करने की तिथि: 30.09.2022 के 15.00 बजे।

बोली दस्तावेज व अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइट:http://ireps.gov.in पर लागिन करें।
पूधरा का भुगतान केवल आरइपीएस आनलाइन पर उपलब्ध नेट बैंकिंग/पेमेंट गेटवे सुविधाओं द्वारा ही किया जाना चाहिए।
निविदादाता द्वारा अपने प्रस्तावों को, आनलाइन रूप में निविदा प्रस्तुति अवधि अर्थात निविदा बंद करने की तिथि से पहले पंद्रह दिनों के दौरान प्रस्तुत किया जा सकता है।
निविदादाता द्वारा शुध्दिपत्रों(केवल आनलाइन द्वारा जारी) को निविदा प्रस्तुति की अवधि की शुरू होने की तिथि तक ही अवलोकन किया जा सकता है।
कार्यकारी बिजली अभियंता, (निर्माण), विजयवाडा

टी. नोटिस नं.एन-एसजी-36-2022-23-टी1-17 से 20 दि.7-9-2022
PUB/0794

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडलीय सिग्नल एंड टेलिकाम अभियंता, नांदेड डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, नांदेड द्वारा निम्नांकित कार्यों के लिए ई-टेंडरिंग के माध्यम से दि.29-09-2022 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

क्रम सं.1 टेंडर नं. एन-एसजी-36-2022-23-टी1-17, कार्य विवरण: नांदेड डिवीजन के बारसिटकली, जुल्का व बोल्डा स्टेशनों पर ट्रैक मशीन साइडिंग प्रावधान सहित सिग्नलिंग कार्य। अनुमानित मूल्य(रु.) 75,75,012/- बोली सुरक्षा राशि(रु.) 1,51,500/-, पूरा करने की अवधि-12 महिने, निविदा प्रपत्र का मूल्य(रु.) शून्य।

क्रम सं.2 टेंडर नं. एन-एसजी-36-2022-23-टी2-18 कार्य विवरण: नांदेड डिवीजन के धानोरा, हदगांव रोड व हिमायत नगर स्टेशनों पर ट्रैक मशीन साइडिंग प्रावधान से जुडा सिग्नलिंग कार्य। अनुमानित मूल्य)(रु.) %3,52,389/-, बोली सुरक्षा राशि(रु.)1,4%,100/-, पूरा करने की अवधि:12 महिने, निविदा प्रपत्र का मूल्य(रु.) शून्य।

क्रम सं.3 टेंडर नं. एन-एसजी-36-2022-23-टी3-19 कार्य विवरण: नांदेड डिवीजन के हिंगोली बसमत व कोसाई स्टेशनों पर ट्रैक मशीन साइडिंग प्रावधान से जुडा सिग्नलिंग कार्य। अनुमानित मूल्य)(रु.) 75,98,303/-, बोली सुरक्षा राशि(रु.)1,52,000/-, पूरा करने की अवधि:12 महिने, निविदा प्रपत्र का मूल्य(रु.) शून्य।

क्रम सं.4 टेंडर नं. एन-एसजी-36-2022-23-टी4-20 कार्य विवरण: नांदेड डिवीजन के भोकर व मालटेकडी स्टेशनों पर ट्रैक मशीन साइडिंग प्रावधान से जुडा सिग्नलिंग कार्य। अनुमानित मूल्य)(रु.) 75,07,003/-, बोली सुरक्षा राशि(रु.)1,50,200/-, पूरा करने की अवधि:12 महिने, निविदा प्रपत्र का मूल्य(रु.) शून्य।

उपरोक्त निविदा दि.29.09.2022 के 15.00 बजे बंद होगी।, अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट:www.ireps.gov.in देखें।
वरिष्ठ मंडलीय सिग्नल एंड टेलिकाम अभियंता, नांदेड

निविदा सूचना सं. एनइडी/इ-21 से 22/2022-23 दि.7-9-2022
PUB/0795
निम्न ई-निविदाओं E-Tenders@www.ireps.gov.in के लिए प्रस्ताव आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1 एनइडी/ई-21/2022-23 कार्य विवरण: सेलु, किनवट व परतुर-आरपीएफ के लिए लाक अप तथा बैरक आवास सहित कार्यालयीन आवास हेतु प्रस्तावित सुविधाएं एवं जिसमें फर्नीचर, शौचालयों आदि तथा 25 बेड बैरक्स से जुडा औरंगाबाद कंस्ट्रक्शन-बिजली व्यवस्था। अनुमानित मूल्य(रु.) 29,75,046/-, बोली सुरक्षा राशि(रु.) 59,500/-, प्रस्ताव की वैधता: 60 दिन, पूरा करने की अवधि: 6 महिने।

क्रम सं.2 एनइडी/इ-22/2022-23 कार्य विवरण: 12 स्टेशनों (बोल्डा, बसमत, हिंगोली, जाउल्का,बारसिटकली, भोकर,हदगांव रोड, हिमायत नगर, कोसाई, धनोरा, मालटेकडी व तरुर) पर ट्रैक मशीन साइडिंग्स कार्य का प्रावधान-बिजली व्यवस्था। अनुमानित मूल्य(रु.) 75,75,830/-, बोली सुरक्षा राशि(रु.) 1,51,500/-, प्रस्ताव की वैधता: 60 दिन, पूरा करने की अवधि: 6 महिने।

निविदा बंद करने की तिथि व समय: 6-10-2022 के 15.00 बजे
1प्रस्तावों को निर्धारित प्रारूप में वेबसाइट: www.ireps.gov.in द्वारा प्रस्तुत किया जाना चाहिए।
यह सलाह दी जाती है कि, कृपया जांच करें, यदि इस आफर की प्रस्तुति के पहले आनलाइन पर शुध्दिपत्र तो जारी नहीं किया गया है।
निविदा दस्तावेज, योग्यता मानदंड, विशेष शर्तों आदि हेतु कृपया हमारे वेबसाइट: www.ireps.gov.in देखें।
मंडलीय रेल प्रबंधक, (ईले.), नांदेड
A1073

निविदा शर्तों/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग के लिए कृपया http://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

CLASSIFIEDS

HOUSE FOR SALE
Independent House 200 Sq. yards, North West Road, Old Building At Attapur Tejaswi Nagar Sale 1.6 Crores Nego-tiable. Cell: 9063001256

CHANGE OF NAME
I, Sunita Mahadev Avarade, wedded spouse, Sr.No.6948441P, Rank: NK, Name: Mahadev Avarade, R/o. Molwad (V&P), Belgaum Dist, Karnataka, changed my name & DOB from Sunita Avarade (10-4-1985) to Sunita Mahadev Avarade, (30-7-1984) for records.

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन के प्रतिवाल करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

ममता बनर्जी ने की नीतीश कुमार के साथ आने की बात तो चढ़ गया सुशील मोदी का पारा

पटना, 10 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार 2024 लोकसभा चुनाव को लेकर विपक्षी एकता पर सबको एकजुट करने की बात कर रहे हैं। इसी को लेकर नीतीश कुमार पिछले दिनों से तमाम विपक्षी दलों के नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। वहीं ममता बनर्जी ने एक जनसभा के दौरान नीतीश कुमार के साथ आने की बात कही। जिसको लेकर भाजपा नेता सुशील मोदी भड़क गए।

बीजेपी नेता सुशील मोदी ने कहा कि पहले ममता बनर्जी 2024 को लेकर कांग्रेस को लेकर तो क्लियर हों। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार दिल्ली गए थे तो वो अरविंद केजरीवाल और कांग्रेस के नेताओं को एक साथ बैठाकर बातचीत नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि हर आदमी दावेदारी कर रहा है।

सभी विपक्षी एक हो जाएं, तब भी नरेंद्र मोदी का मुकाबला नहीं कर सकतेः सुशील मोदी

सुशील मोदी ने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी अपनी यात्रा निकाल रहे हैं। अरविंद केजरीवाल एक अलग यात्रा निकाल रहे हैं। नीतीश कुमार अपने राजनीतिक पर्यटन पर निकले हैं। उन्होंने कहा चिंता मत करिए चुनाव नजदीक है। सभी विपक्षी मिल भी जाएंगे, तब भी नरेंद्र मोदी का मुकाबला नहीं कर पाएंगे। वहीं शनिवार को विपक्षी दलों को एक साथ लाने की नीतीश कुमार की कोशिशों के बीच उत्तर प्रदेश से एक तस्वीर सामने आई है, जिसमें नीतीश कुमार और अखिलेश यादव नजर आ रहे हैं। दोनों की तस्वीर वाले पोस्टर में लिखा है, 'यूपी+बिहार= गयी मोदी सरकार।' बता दें कि इस पोस्टर पर सपा नेता आईपी सिंह का नाम लिखा है।

बिहार में जंगलराज नहीं जनताराज चल रहाः नीतीश कुमार

नीतीश कुमार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौरे को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा कि वे कोशिश में लगे रहते हैं कि दो धर्मों में कुछ झगड़ा करा दो। उन्होंने कहा था कि हम बापू को मानने वाले लोग हैं। उन्होंने सवाल किया कि कहां जंगलराज आया है? जंगलराज नहीं, जनताराज चल रहा है।

पिछले दिनों नीतीश ने दिल्ली में कई नेताओं से की थी मुलाकात

बता दें, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अभी हाल ही में 2014 लोकसभा चुनाव को लेकर ममता बनर्जी से बातचीत की थी। इस दौरान उन्होंने कहा था कि 2024 में चुनाव से पहले विभिन्न जगहों पर लोग एकसाथ होंगे, तो अच्छा रहेगा। सब एकजुट होंगे, तो फेस तय हो जाएगा, लेकिन मैं पीएम फेस नहीं हूं। कुछ महीनों में जो होना है, वो हो जाएगा। इससे पहले नीतीश कुमार ने दिल्ली का दौरा किया था, जहां उन्होंने राहुल गांधी, शरद पवार, अरविंद केजरीवाल, शरद यादव समेत कई विपक्षी नेताओं से मुलाकात की थी।

बिहार के 20 जिलों में मौसम विभाग का अलर्ट

पटना में हुई झमाझम बारिश, वज्रपात की आशंका को लेकर भी सावधानी की चेतावनी

पटना, 10 सितंबर (एजेंसियां)। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के लिए अलर्ट जारी किया है। बिहार में अगले 48 घंटे मॉनसून के एक्टिव रहने की उम्मीद है। राजधानी पटना सहित 20 जिलों में मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है। हालांकि इस दौरान गर्मी और उमस लोगों को परेशान करती रहेगी। विभाग ने इस दौरान वज्रपात की आशंका भी जताई है। मौसम विभाग में 20 जिलों के लिए अलर्ट जारी किया है। इनमें पटना, पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज, वैशाली, लखीसराय, जहानाबाद, बक्सर, नालंदा, गया, औरंगाबाद, अरवल, भोजपुर, शिवहर, समस्तीपुर, बेगूसराय, अरवल और दरभंगा शामिल हैं। इन जिलों में मध्यम दर्जे की बारिश की संभावना है। पटना में सुबह से धूप खिली हुई थी। गर्मी और उमस लोगों को परेशान कर रही थी। दोपहर के बाद अचानक झमाझम बारिश शुरू हो गई।

शिवपाल बोले- सपा से बहुत धोखा खा चुका हूं

अब कभी समझौता नहीं करना है, नेता जी के खिलाफ चुनाव नहीं लड़ूंगा

प्रयागराज, 10 सितंबर (एजेंसियां)। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के मुखिया शिवपाल सिंह यादव रविवार को प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने झूंसी में पार्टी कार्यालय का उद्घाटन किया। शनिवार को जगराम चौराहे पर स्थित पूर्व मंत्री लल्लन राय के आवास पर पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा, "मैं समाजवादी पार्टी से बहुत धोखा खा चुका हूं। एक बार नहीं बल्कि, कई बार सपा से मुझे धोखा मिला है। इसलिए अब सपा में जाने के लिए मैं कोई भी समझौता करूंगा।"

इस दौरान शिवपाल सिंह यादव के खिलाफ बीजेपी एमएलसी सुरेंद्र चौधरी के समर्थकों ने नारेबाजी की। जवाब में शिवपाल समर्थकों ने भी बीजेपी एमएलसी और सरकार के खिलाफ की नारेबाजी की। पुलिस ने दोनों समर्थकों के लोगों का बीच बचाव करके शांत कराया।

"चुनाव नजदीक आने पर तय करूंगा गठबंधन"

2024 में वह किसके साथ गठबंधन करेंगे। इसके जवाब में

शिवपाल ने कहा, अभी हम पूरे प्रदेश में प्रगतिशील समाजवादी पार्टी को मजबूत कर रहे हैं। किसके साथ गठबंधन करना है, चुनाव नजदीक आने पर तय करूंगा। भाजपा से गठबंधन करने के सवाल पर उन्होंने इन्कार नहीं किया बल्कि, यह कहकर बच निकले कि समय आने पर बता दूंगा कि वह किसके साथ गठबंधन करेंगे।

शिवपाल बोले-यूपी में हावी है नौकरशाही

शिवपाल ने प्रदेश के अफसरों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, यूपी में इस समय नौकरशाही हावी है। मंत्री तक की बात को अफसर नहीं सुन रहे हैं। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा पर उन्होंने कहा, अच्छी बात है कि कांग्रेस इस अभियान को शुरू की है। खुद के चुनाव लड़ने पर उन्होंने कहा, यदि मैनपुरी से नेता जी (मुलायम सिंह यादव) चुनाव लड़ते हैं, तो हम वहां से नहीं लड़ेंगे। यदि वह मना करेंगे, तो हम विचार करेंगे।

"एमएलसी की दबंगई की शिकायत सीएम से करूंगा"

शिवपाल यादव ने कहा, हमारे पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री लल्लन राय की जमीन और सड़क पर प्रयागराज के बीजेपी के एमएलसी कब्जा कर रहे हैं। अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या का करीब होने के नाते एमएलसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब इसकी शिकायत मैं खुद मुख्यमंत्री से मिलकर करूंगा।

मुर्दों के खातों में भेज दी करोड़ों की किसान सम्मान निधि

7352 मृत हुए 'लाभान्वित'

अयोध्या, 10 सितंबर (एजेंसियां)। किसान सम्मान निधि को लेकर जिले में एक बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। आंकड़ों के मुताबिक करीब 7352 मृत किसान पीएम सम्मान निधि ले रहे हैं। एक दिसंबर 2018 से शुरू हुई इस योजना में अब तक 11 बार दो-दो हजार रुपये कुल 16 करोड़ 17 लाख 44 हजार रुपये इन किसानों के खाते में जा चुके हैं। लगातार हो चल रहे सत्यापन में इसका खुलासा होने के बाद कृषि विभाग अब मुर्दों को दी गई राशि की वसूली करने की तैयारी में है। जिले में कुल 375818 किसान हैं। सम्मान निधि में फर्जीवाड़े की शिकायतों के बाद अब तक हुए सत्यापन के बाद जो तस्वीर सामने आई वो चौंकाने वाली है। इस सत्यापन के अनुसार करीब 7352 ऐसे किसान हैं जिनकी एक या दो किश्त के बाद मौत हो गई। इसके बाद भी उनके खाते में

किसान सम्मान राशि भेजी जा रही है। आंकड़ों के मुताबिक सदर तहसील में 870, रुदौली में 1861, बीकापुर में 1725, मिल्कीपुर में 1361 व सोहावल में 1535 किसान मृत हो चुके हैं। कृषि विभाग द्वारा कराए गए भूलेख सत्यापन में यह आंकड़ा सामने आया है। हालांकि अभी तक केवल 74.14 फीसदी 278782 किसानों का ही सत्यापन का कार्य हुआ है। अभी भी 97036 किसानों का सत्यापन बाकी है। ऐसे में शत प्रतिशत सत्यापन की रिपोर्ट सामने आने पर और भी चौंकाने वाले आंकड़े सामने आ सकते हैं। इस योजना का लाभ भूमिहीन किसान भी उठा रहे हैं। जबकि नियम के मुताबिक भूमिहीन इस योजना के लिए पात्र ही नहीं हैं। आंकड़े के मुताबिक जिले में कुल 8350 भूमिहीन किसान चिह्नित किए गए हैं। जो पात्र न होते हुए भी योजना का लाभ उठा रहे हैं। जानकारी के अनुसार तहसील सदर में 2427, रुदौली में 1095, बीकापुर में 3817, मिल्कीपुर में 687 व सोहावल में 324 किसान हैं ऐसे हैं जो भूमिहीन होने के बावजूद किसान सम्मान निधि की राशि डकार रहे हैं।

सोनभद्र और ललितपुर में खुलेंगे एकलव्य विद्यालय करोड़ों का बजट पास

लखनऊ, 10 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र और ललितपुर जिले में एकलव्य विद्यालय संचालित होंगे। यह निर्णय शुक्रवार को यहां समाज कल्याण विभाग की बैठक में हुआ। उत्तर प्रदेश के समाज कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार असीम अरुण ने संयुक्त सचिव, केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय डॉ. नवलजीत कपूर, प्रमुख सचिव समाज कल्याण डॉ. हरिओम, मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी, जनजाति निदेशालय प्रकाश सिंह, उप निदेशक जनजाति निदेशालय डॉ. प्रियंका वर्मा एवं शोध अधिकारी देवेन्द्र सिंह के साथ शुक्रवार को बापू भवन में प्रदेश सरकार के जनजाति निदेशालय द्वारा चलाई जा रही विभिन्न विद्यालयों एवं योजनाओं की समीक्षा बैठक की। बैठक में जनजाति कार्य मंत्रालय, केंद्र सरकार द्वारा वित्त पोषित चार एकलव्य विद्यालयों लखीमपुर खीरी, बहराइच, सोनभद्र एवं ललितपुर के संचालन के संबंध में समीक्षा की गई।

लेवाना होटल अग्निकांड की जांच रिपोर्ट पेश

प्रमुख सचिव को जांच कमेटी ने देर रात सौंपी, एलडीए समेत छह विभाग के अधिकारी दोषी

लखनऊ, 10 सितंबर (एजेंसियां)। लखनऊ के लेवाना सुइट्स होटल अग्निकांड की जांच रिपोर्ट शुक्रवार देर रात प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद को सौंप दी गई। सूत्रों के मुताबिक लखनऊ मंडलायुक्त और पुलिस कमिश्नर की रिपोर्ट में अग्निकांड के पीछे लखनऊ डेवलपमेंट अथॉरिटी यानी एलडीए और फायर विभाग समेत छह विभागों को जिम्मेदार ठहराया गया है। जिनके अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की गई है।

लेवाना होटल जैसे कांड भविष्य में न हो

सूत्रों के मुताबिक मंडालायुक्त रोशन जैकब और पुलिस कमिश्नर एसबी शिरडकर ने शुक्रवार रात को रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया। जिसमें दोषी कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही। वहीं भविष्य में ऐसी घटनाएं न हो इसके लिए सुझाव दिए हैं। चर्चा है कि उन्होंने रिपोर्ट सौंपने से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मुलाकात की थी।

शासन रिपोर्ट के आधार पर दोषियों पर करेगा कार्रवाई

सूत्रों के मुताबिक जांच में अग्निकांड के लिए जिम्मेदार अफसरों और कर्मचारियों का जिक्र है। जिसमें एलडीए, फायर, नगर निगम, आबकारी, बिजली विभाग और जिला प्रशासन के कर्मचारियों का जिक्र है। रिपोर्ट में यह भी सलाह दी गई है कि उन सभी होटल और बिल्डिंग पर कार्रवाई होनी चाहिए जो मानक के विपरीत और बिना नक्शा पास किए हुए बनी हैं।

जिम्मेदार विभागों की यह रही लापरवाही

सूत्रों के मुताबिक रिपोर्ट में उन सभी विभागों का जिक्र किया गया है, जिनका लेवाना होटल के निर्माण और चलने में कहीं न कहीं भूमिका था। इन विभागों की कहां पर चूक हुई और कौन जिम्मेदार है, रिपोर्ट में इसका जिक्र किया गया है। हम बताते हैं कि किन विभाग से कहां पर चूक हुई।

एलडीए की सबसे बड़ी लापरवाही आई सामने

लेवाना होटल जिस जमीन पर बना उसका नक्शा आवासीय परिसर के लिए पास हुआ था। जोन छह के अधिकारी आंख बंद कर बैठे रहे और बिना नक्शा पास हुए चार मंजिल होटल तैयार हो गया।

जांच में सामने आया है कि फायर विभाग ने मौके पर जाकर जांच के नाम पर सिर्फ खाना पूर्ति की। फायर के मानक न पूरे होते हुए एनओसी दे दी। साथ ही कोई पेंच न फंसे इसके चलते नोटिस दिए, लेकिन उसके बाद कोई कार्रवाई नहीं की। जबकि वहां पर फायर एनओसी का सबसे जरूरी मानक फायर एक्जिट की व्यवस्था ही नहीं थी।

जिला प्रशासन की मॉनीटरिंग में रही कमी

लेवाना होटल का सराय एक्ट में रजिस्ट्रेशन नहीं था और न ही उसने कोई आवेदन तक नहीं किया था। शहर में इतना बड़ा होटल अवैध रूप से चल रहा था और जिला प्रशासन के अधिकारियों की इसकी खबर तक नहीं थी। उनकी मानीटरिंग बाड़ी क्या कर रही थी।

सीएम योगी ने दिवंगत विधायक के परिजनों से मिलकर दी सांत्वना

बोले- उनके सपनों को करेंगे पूरा

लखीमपुर खीरी, 10 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दिवंगत विधायक अरविंद गिरि को श्रद्धांजलि देने गोला पहुंचे हैं। सीएम ने अरविंद गिरि के आवास पर उनके परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना दी। इस दौरान किसी भी विधायक को घर के अंदर प्रवेश की अनुमति नहीं मिली।

दिवंगत विधायक के परिजनों ने बताया कि सीएम ने कहा कि विधायक के जो सपने अधूरे रह गए हैं उनको पूरा करेंगे और आश्वस्त किया है कि पूरे परिवार के साथ पार्टी खड़ी है। बता दें कि जिस दिन अरविंद गिरि का निधन हुआ था उसी दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधायक के छोटे भाई राजेश गिरि को फोन कर सांत्वना दी थी और शीघ्र गोला आने की बात कही थी। मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर पब्लिक इंटर कॉलेज स्थित स्व. राजेंद्र गिरि स्टेडियम में उतरा। सीएम अरविंद गिरि के परिजनों से मुलाकात करने के बाद शिव मंदिर भी जाएंगे।

बता दें कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर शुक्रवार को डीएम समेत पूरा प्रशासनिक अमला गोला में मौजूद रहकर तैयारियों में जुटा रहा। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर जिला प्रशासन की तरफ से पूरी तैयारी की हैं।

यूपी में तेज हुई बीजेपी और सपा की सियासी जंग

अखिलेश-बृजेश पाठक के बीच वार-पलटवार

लखनऊ, 10 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी में बीजेपी और समाजवादी पार्टी के बीच सियासी जंग तेज हो गई है। 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटे नेता एक-दूसरे पर जमकर हमला बोल रहे हैं। इसी क्रम में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने जहां वादाखिलाफी को भाजपा का वास्तविक चरित्र बताया तो वहीं डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सपा को भ्रष्टाचार की पोषक पार्टी।

अखिलेश यादव ने कहा कि वादाखिलाफी भाजपा का वास्तविक चरित्र है। जनता को धोखे में रखने के लिए नए-नए वादों और जुमलों की हेराफेरी में उसे महारत है। पवित्र मां गंगा और यमुना नदी से भी भाजपा धोखा करती है। सन 2027 से पहले जनता भाजपा को वर्ष 2024 में ही निपटा देगी। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार ने सबसे बड़ा छल तो नौजवानों के साथ किया। दो करोड़ नौकरी देने का वादा किया पर एक लाख को भी नौकरी नहीं दी। उद्योगधंधे फाइलों में चल रहे है। वहीं एक ट्वीट में उन्होंने कहा कि भाजपा कह रही है कि वह भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान छेड़ेगी। तब तो उनका घर खाली हो जाएगा। फिर सरकारों को गिराने बनाने का पैसा कहां से आएगा। कठपुतलियों को सोने के तार से कैसा खींचा जाएगा। भ से भाजपा भ से भ्रष्टाचार। वहीं उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने भ्रष्टाचार को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को घेरा। डिप्टी सीएम ने कहा कि सपा सरकार भ्रष्टाचार की पोषक रही है। उन्होंने कहा कि सपा शासनकाल में भ्रष्टाचार और माफिया सबसे ज्यादा पले-बढ़े। भ्रष्टाचार से आजिज आकर जनता ने सपा को हराया है। भाजपा सरकार सपा के भ्रष्टाचार पर बुल्डोजर चला रही है। इससे अखिलेश यादव को दर्द हो रहा है। भ्रष्टाचार की जब भी बात होती है तो सपा का चेहरा सबके सामने होता है। डिप्टी सीएम ने कहा कि सीएजी की रिपोर्ट में भी खुलासा हुआ था कि अखिलेश सरकार में 97 हजार करोड़ रुपये का बंदरबांट किया गया था।

बाहुबली रमाकांत यादव फर्रुखाबाद जेल शिफ्ट

पिछले दिनों जेल में ही मिलने पहुंचे थे अखिलेश यादव

फर्रुखाबाद, 10 सितंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी विधायक रमाकांत यादव को फर्रुखाबाद जेल में शिफ्ट किया है। कानून व्यवस्था का हवाला देते हुए जेल के अधिकारियों ने डीएम से गुहार लगाई थी। जिसके बाद डीएम ने शासन ने अनुमति मांगी थी। राज्य सरकार द्वारा हरी झंडी मिलते ही सपा विधायक का ट्रांसफर कर दिया गया। इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता व्यवस्था की गई थी। इससे पहले विधायक रामाकांत यादव आजमगढ़ की जेल में बंद थे। रमाकांत यादव समाजवादी पार्टी के फूलपुर पवई क्षेत्र से सपा के विधायक हैं। वह बीते कई माहीने से जेल में बंध हैं। रमाकांत यादव फरवरी 2022 में अहरौला थाने के माहुल कस्बे में जहरीली शराब पीने से हुई आठ लोगों की मौत के मामले में दोषी गए थे। 25 जुलाई को विधायक रामाकांत यादव ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया था जिसेक बाद उन्हें जेल भेज दिया गया था। डीएम विशाल भारद्वाज ने बताया कि कानून व्यवस्था को ध्यान में रखकर रमाकांत का ट्रांसफर किया गया है।

बीजेपी से सेटिंग है ?

मायावती बोलीं- सपा मुख्य विपक्ष, अखिलेश ने सरकार को वॉकओवर दे रखा है

लखनऊ, 10 सितंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को बसपा सुप्रीमो मायावती पर बड़ा हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि मायावती वही करती हैं तो बीजेपी उन्हें करने के लिए कहती है। वह भाजपा को फायदा पहुंचाने वाली ऐसी नेता हो गई हैं जो अपनी ही बनाई जेल में कैद हैं और उनका जेलर दिल्ली में बैठा है। शनिवार को बसपा अध्यक्ष मायावती ने अखिलेश को इसका जवाब दिया। एक के बाद एक तीन ट्वीट कर उन्होंने सपा और भाजपा के बीच अंदरुनी सांठगांठ का आरोप लगाया और कहा कि उसके मुख्य विपक्षी पार्टी होने के चलते ही यूपी में भाजपा को वॉकओवर मिला हुआ है।

मायावती ने लिखा-' समाजवादी पार्टी यूपी में अपना जनाधार खोती जा रही है जिसके लिए उसके अपने कृत्य ही मुख्य कारण हैं। परिवार, पार्टी व इनके गठबंधन में आपसी झगड़े, खींचतान तथा आपराधिक तत्वों से इनकी खुली सांठगांठ व जेल मिलान आदि की खबरें मीडिया में आम चर्चाओं में हैं तो फिर लोगों में निराशा क्यों न

हो?' जाहिर है मायावती ने इस ट्वीट में पिछले दिनों अखिलेश यादव के आजमगढ़ जाकर जेल में बंद बाहुबली रमाकांत यादव से मुलाकात पर सवाल उठाया है।

अपने अगले ट्वीट में मायावती ने लिखा- 'साथ ही, सपा की भाजपा के साथ अन्दरुनी मिलीभगत किसी से छिपी नहीं है और यही खास वजह है कि सपा के मुख्य विपक्षी पार्टी होने पर बीजेपी सरकार को यहां वॉकओवर मिला हुआ है। सरकार को अपनी मनमानी करने की छूट है। इससे आम जनता और खासकर मुस्लिम समाज का जीवन त्रस्त और उनमें काफी बेचैनी है।'

बता दें कि मायावती ने मदरसा सर्वे को लेकर शुक्रवार को भी यूपी में मुस्लिम समाज की स्थिति का मुद्दा उठाया था। उन्होंने एक ट्वीट में लिखा था कि मदरसों पर बीजेपी की टेढ़ी नज़र है। मायावती लगातार बसपा को मुस्लिमों की सच्ची हितैषी पार्टी बता रही हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के तुरंत बाद उन्होंने एक बयान में कहा था कि मुस्लिम समाज के सपा के पक्ष में ध्रुवीकरण के चलते ही यूपी में बीजेपी की जीत हुई है।

हमसफर एक्सप्रेस की दो बोगी पटरी से उतरी

कटिहार से दिल्ली जा रही थी ट्रेन, हादसे से मची अफरातफरी, कोई हताहत नहीं

बगहा, 10 सितंबर (एजेंसियां)। बगहा के रामनगर में चंपारण हमसफर एक्सप्रेस ट्रेन शनिवार को अचानक बेपटरी हो गई। ट्रेन की तीन बोगियां पटरी से उतर गई। इसके बाद यात्रियों में अफरातफरी मच गई। हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। लेकिन ट्रेन के पटरी से उतरने के बाद कई ट्रेनों का परिचालन बाधित हो गया। गाड़ी संख्या 15706 कटिहार से दिल्ली जा रही थी।

दरअसल, ट्रेन जैसे ही हरीनगर स्टेशन पर पहुंची, रुकने के दौरान यह हादसा हुआ। यात्रियों का कहना है कि यदि ट्रेन की गति तेज होती तो कोई बड़ी घटना घट सकती थी। इस घटना के बाद सप्तक्रांति सुपरफास्ट समेत कई ट्रेनें अलग अलग स्टेशनों पर खड़ी हैं। नरकटियागंज गोरखपुर रेलखंड पर ट्रेनों का परिचालन ठप हो गया। हरीनगर स्टेशन पर पहले से ही एक नंबर प्लेटफॉर्म पर पैसेंजर ट्रेन खड़ी थी। हमसफर एक्सप्रेस का गोरखपुर के बाद नरकटियागंज स्टॉपेज है। इस वजह से प्लेटफॉर्म नंबर 3 से हमसफर एक्सप्रेस को निकाला जा रहा था। इसी दौरान यह घटना हुई। इधर घटना के बाद रेल प्रशासन पूरे मामले की जांच करने में जुटा है और ट्रेन के पटरी से उतरने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

युवक की हत्या का खुलासा

जीजा ने शराब पिलाकर साले को किया नशे में धुत, फिर जिंदा नहर में फेंक दिया

मैनपुरी, 10 सितंबर (एजेंसियां)। मैनपुरी के गांव हुसैनपुर में बहन के घर रहने वाले युवक अमित की हत्या अवैध संबंध के चलते की गई थी। अगस्त माह में युवक का शव कन्नौज जनपद से बरामद हुआ था। शनिवार को एसपी ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि मृतक के जीजा सहित हत्याकांड में शामिल सभी तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। कन्नौज के थाना विशुनगढ़ क्षेत्र के गांव ग्यासपुर निवासी 22 वर्षीय अमित उर्फ

अंकित काफी समय से अपने बहनोई धीरज सविता निवासी गांव हुसैनपुर (थाना किशनी) के यहां रहता था। अगस्त में वह लापता हो गया। 14 अगस्त को बहनोई धीरज ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस जांच कर रही थी। इस बीच अमित का शव 18 अगस्त को कन्नौज के इंदरगढ़ थाना क्षेत्र स्थित नहर में बरामद हुआ था। एसपी कमलेश दीक्षित ने बताया कि अमित की हत्या सोची समझी साजिश के तहत अवैध संबंध के चलते की गई थी। एसपी ने बताया कि गांव निवासी एक महिला के साथ अमित के अवैध संबंध थे। परिवार को बदनामी से बचाने के लिए हत्या की साजिश रची गई थी।

बहनोई धीरज, लालू और गांव निवासी रवि ने 14 अगस्त को अमित को दावत खिलाते समय अधिक शराब पिलाई, जब वह नशे में धुत हो गया तो ऊसराहार और सौरिख जाने वाली सड़क पर मिर्जापुर नहर में फेंक दिया था। एसपी ने बताया कि आरोपियों ने अपने जुर्म का इकबाल किया है।

प्रधान के पति और उसके साथियों ने पुलिस पर की फायरिंग

एटा, 10 सितंबर (एजेंसियां)। एटा के थाना सकीट क्षेत्र में शुक्रवार की रात गांव करमचंद पुर की महिला प्रधान के पति और उसके साथियों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। जमीन विवाद की सूचना पर पीआरवी के सिपाही गांव पहुंचे थे, तभी हमलावरों ने उन पर फायरिंग कर दी। सिपाहियों ने गड्ढे में छिपकर अपनी जान बचाई। घटना की सूचना मिलते ही थाने की फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके से कारतूस के खोखे और शराब की खाली बोतलें बरामद की हैं। गांव करमचंद्र पुर निवासी विजय सिंह ने प्रधान पति सहित पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को ग्राम प्रधान के पति सुधीर कुमार ने लेखपाल से चकरोड की पैमाईश कराई है। उस वक्त विजय सिंह और उसके परिवार के लोग घर पर नहीं थे। जब शाम को वे लोग घर आए तो पता चला कि उनके खेत में चकरोड डाला जा रहा है।

ओवैसी ने की देश में खिचड़ी सरकार की मांग

बोले-बहुत देख लिए ताकतवर प्रधानमंत्री

अहमदाबाद, 10 सितंबर (एजेंसियां)। ऑल इंडिया इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने आज अहमदाबाद में केंद्र सरकार, भाजपा, नीतीश कुमार और ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने केंद्र व पीएम मोदी पर तंज करते हुए कहा कि देश ने ताकतवार पीएम बहुत देख लिए, अब कमजोर पीएम और खिचड़ी सरकार चाहिए।

इस साल होने वाले गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी पार्टी की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे ओवैसी ने कहा कि देश को कमजोर प्रधानमंत्री और खिचड़ी सरकार की जरूरत है। उन्होंने आप और भाजपा को एक जैसा बताने के साथ हाल ही में गठबंधन पलट करने पर बिहार के सीएम नीतीश कुमार व बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को भी पूर्व में एनडीए का सहयोग करने पर घेरा।

अहमदाबाद में पत्रकारों से चर्चा में ओवैसी ने कहा- 'मेरा मानना है कि देश को कमजोर पीएम चाहिए, क्योंकि ताकतवर तो देख लिए। अब कमजोर लोगों की मदद के लिए कमजोर पीएम चाहिए। ताकतवर ताकतवर की मदद कर रहा है। वह कमजोर को तो देख ही नहीं रहा। मैं चाहता हूं देश में खिचड़ी सरकार बने क्योंकि गुजरात, हैदराबाद और उत्तर प्रदेश की खिचड़ी अलग अलग तरह की होती है।

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने जदयू प्रमुख व बिहार के सीएम नीतीश कुमार को लेकर कहा कि बीजेपी में रहते हुए वे सीएम बने। गोधरा कांड के दौरान वे भाजपा के साथ थे। उन्होंने 2015 में एनडीए छोड़ दिया। 2017 में वापस एनडीए में चले गए और नरेंद्र मोदी को जीत दिलाने के लिए 2019 का चुनाव लड़ा। वह अब उन्हें फिर छोड़ दिया। इसी तरह ओवैसी ने टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के लिए कहा कि पहले वह एनडीए में थीं और तब उन्होंने आरएसएस की प्रशंसा की थी। अरविंद केजरीवाल की अगुआई वाली आप के लिए कहा कि आम आदमी पार्टी और भाजपा में कोई फर्क नहीं है। चुनाव के वक्त ये सब होता है। जनता समझदार है। ये लोग वादे कर रहे हैं पर जनता अपना फैसला सुनाएगी। बता दें, गुजरात में इस बार कांग्रेस और भाजपा के अलावा आप और एआईएमआईएम भी चुनाव मैदान में उतरेगी। इससे मुकाबला रोचक हो सकता है।

ओवैसी ने यह भी कहा कि जब हम अल्पसंख्यक समुदायों के विकास और उनके लिए न्याय की बात करते हैं, तो हमारे खिलाफ बकवास की जाती है। यह एक तरह से पाखंड है कि आज जो लोग धर्मनिरपेक्षता के विशेषज्ञ हैं, वे तय करेंगे कि कौन धर्मनिरपेक्ष है और कौन साम्प्रदायिक? देश उन्हें देख रहा है।

गुजरात एटीएस, डीआरआई ने कोलकाता बंदरगाह पर 200 करोड़ की हेरोइन पकड़ी

गांधीनगर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) और राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने संयुक्त अभियान में कोलकाता से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में करीब 200 करोड़ रुपये कीमत की 39.5 किलोग्राम हेरोइन जब्त की है।

पुलिस महानिदेशक आशीष भाटिया ने मीडियाकर्मियों को बताया कि एटीएस टीम को एक विशेष सूचना मिली थी कि फरवरी में आयातित एक कबाड़ की खेप कोलकाता में समुद्री बंदरगाह के डॉक पर पड़ी है और यह ड्रग्स ले जाती है।

डीजीपी ने कहा कि सूचना के आधार पर डीआरआई जामनगर की टीम के साथ एटीएस की टीम को कोलकाता भेजा गया, जहां निरीक्षण के दौरान उसे सफेद निशान वाले करीब 12 गियर बॉक्स मिले।

खोले जाने पर बक्से में हेरोइन के 72 पैकेट मिले, जिनका कुल वजन 39.5 किलोग्राम था। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 197.82 करोड़ रुपये आंकी गई है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह में	सिंह...	04-24 बजे
चंद्र-	मीन में	कन्या	06-31 बजे
मंगल	वृष में	तुला .	08-36 बजे
बुध-	कन्या में	वृश्चिक	10-46 बजे
गुरु-	मीन में	धनु---	13-00 बजे
शुक्र-	सिंह में	मकर-	15-06 बजे
शनि-	मकर में	कुंभ -	16-57 बजे
राहु-	मेष में	मीन...	18-34 बजे
केतु-	तुला में	मेष--	20-10 बजे
		वृष--	21-55 बजे
		मिथुन..	23-56 बजे
		कर्क...	01-59 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतुशरद,दिशाशूल- पश्चिम -पान खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा - **13-15** तक उपरान्त, द्वितीया
मास - आश्विन कृष्ण पक्ष ,रविवार, **11 Sep**
नक्षत्र - पूर्वभाद्रपद - **08 -01** - तक उपरान्त, ऊ.भाद्रपद
योग - शूल - **11- 58** - तक उप- गण्ड
करण- कौलव **-13 -15** - तक,उप- तैतिल
विशेष:- द्वितीया श्राद्ध
व्रत -त्योहार - दुज का श्राद्ध

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:49 से 18:21 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र बेगम बाजार हैद्रा.

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	06:07 - 07:37	अशुभ	शुभ.	18:21 - 19:49	शुभ
चंचल	07:37 - 09:09	शुभ	अमृत.	19:49 - 21:17	शुभ
लाभ	09:09 - 10:41	शुभ	चंचल.	21:17 - 22:45	शुभ
अमृत	10:41 - 12:13	शुभ	रोग.	22:45 - 00:13	अशुभ
काल	12:13 - 13:45	अशुभ	काल.	00:13 - 01:41	अशुभ
शुभ	13:45 - 15:17	शुभ	लाभ.	01:41 - 03:09	शुभ
रोग	15:17 - 16:49	अशुभ	उत्पात	03:09 - 28:37	अशुभ
उत्पात	16:49 - 18:18	अशुभ	शुभ	04:37 - 30:07	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): आज आपके मुख्य शब्द आराम और राहत रहेंगे |आप पिछले कुछ दिनों से बहुत मेहनत कर रहे हैं और अब इस मेहनत का आनंद लेने की बारी है ,बहुत बड़ी पार्टी ना रखें |छुट्टी का दिन शांति से बिताएं | अपने किसी विशेष प्रियजन से बात कर लेने से आपको बहुत संतुष्टि मिलेगी |

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज के दिन आप अपने आसपास सभी को अपनी सोच और किसी भी स्थिति को सही समझने की योग्यता से प्रभावित करेंगे | अपने कार्यस्थल की किसी बड़ी समस्या या किसी दोस्त की परेशानी का बहुत रचनात्मक सा हल निकलकर छा जायेंगे |आपके लिए रोमांचक समय है |

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): आज आप साझेदारी के अंतर्गत घर और ऑफिस दोनों ही में बहुत अच्छा काम करेंगे |यदि अकेले काम करेंगे तो अस्पष्ट और असंभव सी लगने वाली मुसीबतों में फंस सकते हैं | टीम के रूप में काम करने पर ये बाधाएं परेशान नही करेंगी | आपसी सहयोग से आज आप किसी भी प्रयास में सफलता हासिल कर पायेंगे |

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): अगर आप अपना समय और ऊर्जा गरीब और कम सुविधा प्राप्त बच्चों को शिक्षा देने में लगायेंगे तो आपको बहुत ख़ुशी मिलेगी |अपना कुछ सामन किसी जरूरतमंद को दे दें |आपकी वित्तीय स्थिति अच्छी है ,आप पैसे से भी किसी की मदद कर सकते हैं | आप नए लोगों से जल्दी ही परिचय भी कर लेते हैं

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): भाग्य आपकी वित्तीय स्थिति पर मुस्कुरा रहा है और अधिक कमाई के कारण आप के खर्चे भी बढ़ गए हैं|अब समय आ गया है की आप अपने खर्च पर नियंत्रण रखें |अब फिजूलखर्ची से बचना होगा | आपके परिजन या किसी करीबी के साथ ऐसा कुछ होगा कि आपके भीतर भी उससे अशांति आएगी |

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आप आज किसी मनोरंजक व्यक्ति के साथ सम्बन्ध स्थापित करेंगे | उसके साथ मजेदार बातचीत से समय अच्छा गुजरेगा | इस आदमी से सीखने और प्रेरणा लेने की कोशिश करें | इससे आपको और लोगों की मन स्थिति समझने में भी मदद मिलेगी | परिवार की यात्रा में अगर अपनी मनपसंद जगह जाना है।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): आज का दिन आपकी वित्तीय स्थिति एवं करियर में तरक्की का दिन है ,लेकिन इन सबके लालच में अपने परिवार की उपेक्षा ना करें |दरअसल आज आप अपने भीतर आध्यात्मिकता का भी अनुभव करेंगे |इन दोनों शक्तियों के बीच उलझा हुआ अनुभव भी करेंगे लेकिन अंतत दोनों में संतुलन बना पाने में कामयाब होंगे|

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अधिक सोच विचार ना करें कि अप्रत्याशित घटनाएँ क्यों हो रही हैं या बहुत देर क्यों हो रही है ये आपके भले के लिए भी हो सकता है जिसके फायदे अभी आपको दिखाई नही दे रहे हैं |अपनी बेहतरीन परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया प्रयोग करें |इससे आपको भी अपने रोजमर्रा के नियमित कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी |

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आपकी निजी और व्यवसायिक जिन्दगी के बीच एक असंतुलन है |इसे दूर करने का एक ही तरीका है कि आप अपने प्रतिदिन के काम की योजना बनाएं,जो हर दिन की जरुरत के हिसाब से अलग हो |चिंता ना करें,आपके परिजन हाल फिलहाल आपके उनके प्रति कम ध्यान के बावजूद आपके समर्पण को पहचान पाएंगे |

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें,इससे जो निष्कर्ष निकलेगा उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी |अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते | इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ |इधर –उधर की हांकना आपकी आदत नही है।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आज आपके सब कामों और विचारों में एकाग्रता और शांति रहेगी |आप किसी विवाद से प्रभावित नही होंगे ,दरअसल कार्यस्थल पर भी ऐसी स्थिति बन सकती है कि आपको शान्तिदूत बनना पड़े |घर के सुधार का कोई कार्यक्रम बना सकते हैं या अपने घर की समस्याओं को सुलझाने या संबंधों को बेहतर बनाने के लिए काम कर सकते हैं |

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त दिनचर्या बिता रहे हैं |अब सारी चीजों को व्यवस्थित करने का समय है | आज आपको तुलनात्मक रूप से थोड़ी राहत मिलेगी,लेकिन आपको इस समय का उपयोग अपनी सब चीजों को व्यवस्थित करने में लगाना चाहिए | नही तो सब कुछ और अधिक उलझता जाएगा।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान 19 लोगों की मौत

शिंदे-उद्धव गुट के समर्थकों में भी हुई मारपीट

मुंबई, 10 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में 10 दिनों तक चले गणेश उत्सव का शुक्रवार को समापन हो गया। इसके बाद शुक्रवार से ही शुरू हुई विसर्जन प्रक्रिया में अब तक 19 लोगों की जान जा चुकी है। शनिवार को महाराष्ट्र पुलिस के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य के अलग-अलग हिस्सों में हुई विभिन्न घटनाओं में 19 लोगों की मौत हो गई, वहीं इनमें से 14 लोगों की मौत मूर्ति विसर्जन के दौरान डूबने से हुई। इसके साथ ही चार लोगों की मौत सड़क दुर्घटना में हुई। वहीं, विसर्जन के दौरान हो रही गणेश आरती में पेड़ गिर जाने के कारण एक महिला की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने यह भी बताया कि इस दौरान कई जगहों पर कानून व्यवस्था बिगड़ने की स्थिति भी देखी गई। गौरतलब है कि राज्य में गणेश उत्सव 31 अगस्त से शुरू हुआ था।

डूबने से हुई 14 लोगों की मौत

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि गणेश प्रतिमा विसर्जन के मौके पर वर्धा जिले के सवांगी में तीन लोगों की मौत और एक अन्य व्यक्ति की मौत देवली में डूबने से हो गई। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि यवतमाल जिले में भी मूर्ति विसर्जन के लिए गए दो व्यक्ति तालाब में डूब गए। इसके अलावा, अहमदनगर जिले के सुपा और बेलवंडी में अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की डूबने से मौत हो गई। उन्होंने कहा कि उत्तरी महाराष्ट्र के जलगांव जिले में दो अन्य लोगों की मौत हो गई। उन्होंने यह भी बताया कि पुणे के ग्रामीण हिस्सों में भी तीन लोगों की मौत डूबने से हो गई, इसमें धुले, सतारा और सोलापुर शहर शामिल हैं।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि गणेश प्रतिमा विसर्जन के मौके पर डूबने के साथ ही सड़क दुर्घटनाओं में भी कुछ लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र के नागपुर शहर के सक्करदरा इलाके में गणेश विसर्जन के दौरान सड़क दुर्घटना हो गई। इस घटना में चार लोगों की मौत हो गयी। वहीं, महाराष्ट्र के ठाणे में बारिश के बीच कोलबाद इलाके में एक गणेश पंडाल पर पेड़ गिर गया।

पाकिस्तान में बाढ़ से हाहाकार

12 लाख गर्भवती महिलाओं की आफत में जान जीडीपी को भी 2 प्रतिशत के नुकसान की आशंका

इस्लामाबाद, 10 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान इन दिनों सबसे बड़े संकट से जूझ रहा है। पहले से ही आर्थिक संकट इस मुल्क को घेरे हुए था, ऊपर से बाढ़ ने मुसीबतें और बढ़ा दी हैं। देश का एक तिहाई जलमग्न हो चुका है। चारों तरफ पानी ही पानी है और लोग जान बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। अब विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट ने इस देश को और डरा दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में उन बच्चों के जान को खतरा बताया गया है, जिन्होंने बाढ़ के समय जन्म लिया है। दरअसल, बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोगों को राहत शिविरों में रखा गया है, लेकिन वहां पर्याप्त चिकित्सीय व्यवस्थाएं न होने के कारण उनकी जान पर भी बन आई है। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के सिंध प्रांत में तो स्वास्थ्य सिस्टम पूरी तरह से धाराशायी हो चुका है।

12 लाख गर्भवती महिलाएं कैंपों में

बाढ़ के कारण पाकिस्तान में 33 मिलियन से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। इस बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि सबसे बड़ी चिंता 12 लाख गर्भवती महिलाओं को लेकर है, जो इन दिनों अस्थाई कैंपों में रह रही हैं। पाकिस्तान में विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधि डॉ. पलिता गुणरत्ना महिपाल ने बताया कि बाढ़ के कारण करीब 10 प्रतिशत स्वास्थ्य संस्थान तहस-नहस हो चुके हैं।

70 हजार महिलाएं बिना सहायता बच्चों को देंगी जन्म

जानकारी के मुताबिक, अगले महीने तक पाकिस्तान में करीब 70 हजार महिलाओं को बिना चिकित्सीय सहायता के बच्चों को जन्म देना होगा। ये महिलाएं इन दिनों कैंपों में हैं और इन तक स्वास्थ्य सहायता पहुंचना काफी मुश्किल है। ऊपर से इन

कैंपों में सांपों, मच्छरों से लेकर कई तरह का खतरा है।

जीडीपी विकास दर को दो प्रतिशत का नुकसान

पाकिस्तान में जल प्रलय जैसे हालातों के बीच यहां कि जीडीपी विकास दर को भी तगड़ा झटका लग सकता है। रिपोर्ट्स की मानें तो जीडीपी विकास दर पांच प्रतिशत से घटकर तीन प्रतिशत पर आ सकती है। दो प्रतिशत के नुकसान का कारण बाढ़, रूस-यूक्रेन युद्ध और आईएमएफ फंड की देरी से मंजूरी बताया गया है।

30 बिलियन डॉलर के नुकसान की आशंका

रिपोर्ट्स के मुताबिक, बाढ़ के कारण पाकिस्तान को 30 बिलियन डॉलर के नुकसान की आशंका है। दरअसल, बाढ़ के कारण 33 मिलियन से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। इस बीच, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने बताया कि बाढ़ के कारण मरने वालों की संख्या 1,396 पहुंच गई है। जबकि, घायलों की कुल संख्या 12,700 से अधिक है।

भाजपा नेता का कांग्रेस पर तंज

कहा-'भारत नहीं नफरत जोड़ो अभियान' चला रहे राहुल गांधी

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा पर भारतीय जनता पार्टी हमलावर है। आए दिन इस यात्रा को लेकर भाजपा नेताओं के बयान सामने आ रहे हैं। अब भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने भारत जोड़ो यात्रा पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने इसे नफरत जोड़ो अभियान करार दिया है।

राहुल गांधी और कांग्रेस पर तंज कसते हुए भाजपा नेता ने कहा, आज कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा का पोस्टर ब्वॉय जॉर्ज पोन्नैया को बनाया है। यह वही व्यक्ति है, जो हिंदुओं को धमकाता है और भारत माता के खिलाफ अपमानजनक शब्द कहता है। शहजाद पूनावाला ने कहा, कांग्रेस पार्टी का हिंदू विरोधी होने का लंबा इतिहास है। राहुल गांधी नफरत जोड़ो अभियान में लगे हुए हैं।

कौन हैं जॉर्ज पोन्नैया

जॉर्ज पोन्नैया पादरी हैं और कई विवादित बयानों के कारण सुर्खियों में रह चुके हैं। पिछले साल जुलाई में जॉर्ज पोन्नैया को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के खिलाफ विवादित टिप्पणी देने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। बता दें, यात्रा के दौरान जॉर्ज पोन्नैया का राहुल गांधी के साथ एक वीडियो वायरल हुआ है। इसमें वह यीशु को असली भगवान बता रहे हैं।

राहुल की टी-शर्ट को लेकर भी खड़े हुए थे सवाल

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा था। पार्टी ने दावा किया था कि 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान उन्होंने जो टी-शर्ट पहनी हुई थी, उसकी कीमत 41,000 रुपये से ज्यादा थी। इस पर कांग्रेस ने पलटवार भी किया। कांग्रेस ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा में उमड़े जनसैलाब से भाजपा घबरा गई है।

भाजपा ने अपने ट्विटर हैंडल से 'भारत देखो' ट्वीट किया और दो तस्वीरें पोस्ट कीं। एक तस्वीर में राहुल गांधी दिख रहे हैं जबकि दूसरी में उनके द्वारा पहनी गई शर्ट की कीमत दिखाई गई है। इसमें दावा किया गया है कि बरबेरी टी-शर्ट की कीमत 41,257 रुपये है। दिल्ली भाजपा के उपाध्यक्ष सुनील यादव ने तंज कसते हुए ट्वीट में लिखा, कांग्रेस के शहजादे को इस 42 हजार रूपये वाली टी-शर्ट में शायद पैदल चलते समय गर्मी कम लगती होगी या फिर महंगाई इतनी है कि बेचारे से ज्यादा महंगी नहीं खरीदी गई है।

पाकिस्तान ने जिस तनोट मंदिर पर दागे थे 3000 गोले, अब उसी पर खर्च होंगे 17 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान राजस्थान के जैसलमेर में स्थित 'तनोट मंदिर' की एक अपनी ही कथा है। इस मंदिर पर पाकिस्तान की तरफ से हजारों गोले गिराए गए थे, मगर उनमें से एक गोला भी नहीं फट सका। इसे 'तनोट माता' का चमत्कार माना गया। अब उस मंदिर को दुनिया देखेगी। तनोट मंदिर कॉम्पलेक्स परियोजना के लिए भारत सरकार द्वारा 17 करोड़ 67 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र का दौरा कर तनोट मंदिर सीमा विकास परियोजना का शिलान्यास किया है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह अपने दो दिवसीय दौरे पर राजस्थान पहुंचे थे। उन्होंने भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे एवं जैसलमेर से 120 किलोमीटर दूर तनोट मंदिर परिसर में 10 सितंबर को सीमा पर्यटन विकास कार्य का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। तनोट मंदिर कॉम्पलेक्स परियोजना, सीमा पर्यटन विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू की गई है। इस परियोजना के तहत मंदिर परिसर में एक प्रतीक्षालय, रंगभूमि, इंटरप्रटेशन केंद्र, बच्चों के लिए कक्ष एवं पर्यटन को बढ़ावा देने के लिय अन्य जरुरी सुविधाओं को विकसित किया जाएगा।

पर्यटन मंत्रालय की इस परियोजना से तनोट एवं भारत-पाकिस्तान से लगे जैसलमेर के सीमावर्ती क्षेत्रों का विकास होगा। सीमा क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में तनोट राय माता मंदिर परिसर में पाकिस्तान द्वारा जबरदस्त बमबारी की गई थी, लेकिन तनोट माता के चमत्कार से कोई भी गोला नहीं फटा था। वर्ष 1965 से सीमा सुरक्षा बल 'बीएसएफ' इस मंदिर की पूजा, अर्चना एवं व्यवस्था का कार्यभार संभाल रहा है। सीमा सुरक्षा बल, इस मंदिर को एक ट्रस्ट के माध्यम से संचालित करती है। प्रतिदिन सुबह-शाम माता की आरती एवं भजन संध्या का आयोजन किया जाता है। इसमें हजारों की तादाद में देश के विभिन्न प्रांतों से आए श्रद्धालु हिस्सा लेते हैं।

1971 के भारत-पाकिस्तान लोंगेवाला युद्ध के दौरान सीमा सुरक्षा बल के बहादुर जवानों की लोंगेवाला पोस्ट पर अहम एवं निर्णायक भूमिका रही थी।

सीएम सोरेन के बाद भाई बसंत की विधायकी खतरे में

चुनाव आयोग ने गवर्नर को भेजी अपनी राय; सबकी निगाहें राजभवन पर

रांची, 10 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बाद उनके भाई और दुमका से विधायक बसंत सोरेन की विधायकी का मामला भी राजभवन पहुंच गया है। सूत्रों की माने तो ईसीआई ने झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस को बसंत सोरेन की अयोग्यता के संबंध में को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के 9A के तहत अपनी राय भेज दी है। अब राज्यपाल को चुनाव आयोग की राय पर फैसला लेना है।

इससे पहले 25 अगस्त को ही निर्वाचन आयोग ने हेमंत सोरेन की सदस्यता पर अपना फैसला झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस को भेज दिया था, जिस पर 17 दिन बाद भी राज्यपाल की ओर से कोई निर्णय नहीं लिया गया है। बसंत सोरेन के मामले में 29 अगस्त को आयोग में सुनवाई हुई थी। इस दौरान बसंत के अधिवक्ता ने आयोग से कहा कि उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द करने से जुड़े इस मामले में सुनवाई उचित नहीं है। यह राज्यपाल के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता।

इस दौरान भाजपा के अधिवक्ता ने बताया था कि बसंत जिस माइनिंग कंपनी से जुड़े हैं, वह राज्य में खनन का काम करती है। ऐसे में यह संविधान के अनुच्छेद 191 (1) के तहत राज्यपाल के अधिकार क्षेत्र में है। बीजेपी ने उनके खिलाफ चुनाव आयोग से शिकायत की थी। बीजेपी का आरोप है कि बसंत सोरेन ने चुनाव के समय दिए गए शपथ पत्र में खनिज लीज लेने से जुड़े तथ्य छिपाए थे। बीजेपी की इस शिकायत के बाद गवर्नर ने यह मामला चुनाव

आयोग को भेज दिया था। प्रदेश में विपक्षी दल बीजेपी ने आरोप लगाया था कि बसंत सोरेन चंद्र स्टोन वर्क्स में पार्टनर हैं। साथ ही ग्रैंड माइनिंग कंपनी में भी साझेदार हैं। इस बाबत भाजपा ने राज्यपाल से शिकायत की थी । साथ ही निर्वाचन आयोग से परामर्श लेकर अयोग्य ठहराने की कार्रवाई अमल में लाने का आग्रह किया था।

इलेक्शन कमीशन ने भेजा था बसंत सोरेन को नोटिस

राज्यपाल की ओर से परामर्श मांगने पर आयोग ने बसंत को नोटिस भेजा था। इस मामले में सोरेन को आयोग के समक्ष अपना पक्ष रखने के लिए 5 मई 2022 को नोटिस दिया गया था तब बसंत सोरेन ने 138 पन्नों में अपना जवाब चुनाव आयोग को सौंपा था। अपने जवाब में उन्होंने दावा किया था कि उनके खिलाफ ऑफिस ऑफ प्रॉफिट का कोई मामला नहीं बनता है।

सीएम की सदस्यता मामले पर अभी तक संशय बरकरार

वहीं सीएम सोरेन से जुड़े ऑफिस ऑफ प्रॉफिट मामले को लेकर भी अभी संशय बरकरार है। इस संबंध में इलेक्शन कमीशन ने 25 अगस्त को अपना मंतव्य राजभवन भेज दिया है। उस पर गवर्नर ने फैसला नहीं सुनाया है। झारखंड में सियासी उठापटक के चलते हेमंत सोरेन को यूपीए गठबंधन के विधायकों को टूट से बचाने के लिए रायपुर ले जाना पड़ा था। फिर उन्होंने बहुमत दिखाने के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर विश्वास मत हासिल किया।

अगर दोनों भाइयों की सदस्यता गई तो फिर क्या होगा

अगर इलेक्शन कमीशन की अनुशंसा में सीएम हेमंत सोरेन और बसंत सोरेन की विधानसभा निरस्त रद्द करने की सिफारिश की है और उस पर राज्यपाल फैसला लेते हैं तो फिर सरकार पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। बहुमत के लिए 41 विधायकों की जरूरत पड़ती है, जबकि पांच दिन पहले सोरेन सरकार को विश्वास मत में 48 विधायकों का समर्थन मिला था। दोनों भाइयों की सदस्यता जाती है तो भी 46 विधायक रहेंगे। वहीं विपक्ष के पास 29 विधायक हैं।

शिबू सोरेन के सबसे छोटे बेटे हैं बसंत

बसंत सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा सुप्रीमो शिबू सोरेन के तीसरे और सबसे छोटे बेटे हैं। वह 2020 में दुमका आरक्षित सीट से विधायक चुने गए थे। दरअसल 2019 में हुए विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बरहेट और दुमका दोनों विधानसभा सीट से चुनाव जीते थे। बाद में उन्होंने दुमका सीट से इस्तीफा दे दिया।

साहित्य के पुरोधा : भगवतीचरण वर्मा

अतुल कुमार

हिंदी को जन प्रिय बनाने का महत्वपूर्ण काम उस समय के साहित्यकारों ने अधिक किया । तब रेडियो , टीवी ,फिल्म और प्रचार का अन्य कोई माध्यम नहीं था । उस दौर के कथाकारों ,उपन्यासकारों और लेखकों ने इस काम को किया । उनकी कृतियों को पढ कई लोगों ने हिंदी सीखी । वे जानते थे कि इन कृतियों को जन साधारण तक ले जाना कोई आसान काम नहीं है । अतः उस पर शुरु से ध्यान दे उसके कथ्य को इतना प्रभावी बनाते कि वह कालजयी होते । हिंदी के लेखको के पास तब आज जैसी कोई यांत्रिक सुविधाएं नहीं थीं फिर भी उनकी कलम चलती तो तल्लीन भाव से उसे लिखने में ऐसे जुट जाते कि एक ही उपन्यास के तीन चार खंड लिख देते । साहित्य के प्रति उनकी यह साधना और समर्पण का रूप है । “ भूले बिसरे चित्र “ को लेखक ने लिखना शुरु किया तब इसे एक खंड में पूरा करना चाहते थे लेकिन वह पांच खंडों में लिखा गया । उपन्यास के शीर्षक की भांति इसके महान लेखक भगवतीचरण वर्मा को हम भूलते जा रहे हैं ।उनका कहीं उल्लेख ,चर्चा और बात नहीं होती ।जबकि उनकी गणना देश के सर्वश्रेष्ठ साहित्यकारों में होती है । उनके योगदान पर कोई गोष्ठी या पेपर प्रेसेंटशन की खबर भी पढने को नहीं मिलती । इस उदासीनता के बाद हिंदी के प्रचार प्रसार की डपोर शंखी बातें होती हैं । उन साहित्यकारों को भुला ,जो हिंदी के बहुमूल्य गहने हैं कैसे कोई हिंदी को बढाने की बात कर सकते हैं ! यह कोई पचने वाली बात नही लगती ।

भगवतीचरण वर्मा की तमाम रचनाएं युगीन विसंगतियों पर मार्मिक प्रहार करते हुए नव युग के सृजन की दिशा में आगे बढने के लिये प्रोत्साहित करती हैं उनकी कविता जन साधारण की भाषा में लिखा गया प्रभावी वकतव्य है। आधुनिक उपन्यासकारों में उनका विशेष स्थान है ।साहित्य के विद्वानों के अनुसार अपने दौर में उन्होंने ऐसे विषयों पर कलम चलायी जिन पर लिखना उस समय बहुत साहस का काम माना जाता । हिंदी पत्रकारिता के सिरमौर गणेश शंकर विद्यार्थी के साथ प्रसिद्ध अखबार “ प्रताप “ का संपादन किया कहानी ,संस्मरण , नाटक , आलोचना , बाल साहित्य ‘ गीती नाट्य और कविता लिखी । कला की जीवंतता से पाठक मंत्र मुग्ध हो जाते । उनकी लिखी कहानियों में सादगी ,स्पष्टता , और सहजता की अभिव्यक्ति होती । सामाजिक परिवेशों और पारिवारिक प्रसंगों को कथानक के रूप में लिया पात्रों के चरित्र चित्रण में मनोविज्ञानिक नज़रिये को अपना कर सजीव तथा चुटीला बनाया । “ दो बांके “ “ प्रात्यश्चित “ “ काश मैं कह सकता “ “ कायरता “ और “वसीयत” आदि उनकी प्रसिद्ध कहानियां हैं ।

सभी वादों को ठोक बजा देखने के बाद जब यह भरोसा हुआ कि किसी भी “वाद “ से उनका रिश्ता नहीं बैठ सकता उसे छोड झूमते ,गाते और हंसते हुए आगे बढे और ऐसे बढे कि ज़माना उनके लेखन का मुरीद बना ।इसका सबसे बेहतरीन उदाहरण उनकी लिखी “ चित्रलेखा “ जो 1934 में प्रकाशित हुई है इसकी लोकप्रियता आज भी है एक सूचनानुसार इसकी छह लाख सेअधिक प्रतियां बिकी पाठक इसे खोज खोज पढते । कई भारतीय भाषाओं में इसका अनुवाद हुआ । इसकी बेशुमार लोकप्रियता को देख सन 1936 में फिल्म बनी ।दूसरी बार सन 1964 में इसका रिमेक हुआ जिसमेंअशोक कुमार ,मीना कुमारी और प्रदीप कुमार जैसे मशहूर कलाकारों ने अभिनय किया । फिल्म के गाने अब भी श्रोताओं को भाते हैं , याद के तौर पर कुछ गानों को बताता चलूं “ संसार से भागे फिरते हो भगवान को तुम क्या पाओगे “ सखी रे मेरा मन उलझे तन डोले “ “ए री जाने न दूंगी “ तथा “ मन रे तू काहे न धीर धरे ओ निर्मोही मोह न जाने किनका मोह करे” इन गीतों को प्रसिद्ध गीतकार साहिर लुधियानवी ने लिखा और तर्ज़ें संगीत निर्देशक रौशन ने बनायीं ।यह गीत अब भी मंत्र मुग्ध करते हैं प्रसंग उन दिनों का है जब लोग आपसी रिश्ते रखने के लिये चिट्ठी लिखा करते थे ।लोग भगवती चरण वर्मा को चिट्ठी लिखते और पते के रूप में लिखा करते “ चित्रलेखा “ के लेखक न कोई मोहल्ला ,न शहर ,और न कोई प्रदेश और वह समय से उनके पास पहुंच जाती । ऐसे एक दो नहीं सैकडों पत्र आते ।लखनऊ में अपना घर बनवाया तो उसका नाम भी “ चित्रलेखा “ रखा ।लेकिन आज किसी से उनके बारे में पूछिये तो वह बगलें झांकने लगेगा ।सोचिये हम कैसे समय में जी रहे हैं ? इलाहाबाद में त्रिवेणी के रूप में निराला ,पंत और महादेवी की भांति लखनऊ में भी त्रिवेणी बनी जिसमें भगवतीचरण वर्मा ,यशपाल और अमृतलाल नागर थे । तीनों के भाषा ,शिल्प और कथ्य अलग अलग थे पर उठते बैठते साथ थे । भगवती चरण वर्मा प्रेमचंद के प्रशंसक थे साफ कहते वह न होते तो हम नहीं होते ।धनाभाव के चलते सुबह नोट बुक खरीद उसमें जितने पन्ने होते उतनी कविताएं एक ही दिन में लिख कर प्रकाशक से पैसे लेने पहुंच जाते ! प्रकाशक उनकी इस प्रतिभा से प्रभावित होते और पूछते यह कैसे किया ? तब कहते दाल रोटी सब करवाती है ।बाद में उनके पास कार आयी सारी सुविधाएं भी फिर भी वह अधिकतर पैदल ही घूमते सरल इतने कि लोग उनसे ही उनके घर का पता पूछते कुछ नहीं कहते और हाथ के इशारे से साथ चलने को कहते ।

भगवतीचरण वर्मा बहुमुखी प्रतिभा के रचनाकार थे ।” पतन “ उनका पहला उपन्यास है । इसके बाद काव्य संग्रह “ मधुकण “ (सन 1932) में लिखा मानवतावादी विचार दर्शन उनके लेखन की विशेषता रही । पैसे के बढते प्रभाव का आकलन कर लिखा कि “यह मनुष्य को पथभ्रष्ट कर उससे उसकी संवेदनाओं को छीन लेगा “ यही हुआ और हो रहा है इमोशनलेस सोसायटी की ओर बढते हुए उनका कहा सच सामने है । उनकी लिखी कहानियों का समूचे भारतीय कथा साहित्य में खास मुकाम है । इन कहानियों में कल्पना लोक के सपने नहीं बल्कि अपने आसपास की जीवित सच्चाइयों को उठाया ।

अपने बारे में वह कहते “ हम दीवानों की क्या हस्ती ,आज यहां कल वहां चले मस्ती का आलम साथ चला हम धूल उडाते जहां चले ‘ इलाहाबाद से बी ए एल एल बी कर वकालत भी की बाद में आकाशवाणी और संपादन के कम में जुटे ।

उनके लिखे प्रमुख उपन्यास हैं “ सीधी सच्ची बातें “ “ प्रश्न और मरीचिका “ “ सबहिं नचावत राम गोसाइं “ टेढे मेढे रास्ते “ “ सामर्थ्य और सीमा “ तथा “ आखरी दांव “ इत्यादि । नाटक “ रुपया तुम्हें खा गया “ आलोचना “ साहित्य के सिद्धांत और रूप “ लिखा कि मनुष्य में ममत्व प्रधान होता है ।प्रत्येक मनुष्य सुख चाहता है । व्यक्तियों के सुख के केंद्र अलग होते हैं कुछ सुख को धन में देखते हैं कुछ त्याग में पर सुख हर व्यक्ति चाहता है ।

कोई भी व्यक्ति संसार में इच्छानुसार वह काम नहीं करता जिसमें दुख मिले । यही मनुष्य की मनोवृत्ती है।30 अगस्त 1903 को उनका जन्म उन्नाव उत्तरप्रदेश में हुआ ।” कल सहसा यह संदेश मिला “ कविता में लिखा कि “पुलकित सपनों का क्रय करने / मैं आया अपने प्राणों से लेकर अपनी कोमलताओं को / मैं टकराया पाषाणों से //

बचपन से ही उन्होंने कलम को अपना हमसफर बनाया और इतने विराट साहित्य सृजक बने कि उनके बारे में उपमाएं छोटी पडती हैं ।साहित्यिक साधना के लिये कई प्रतिष्ठित पुरस्कार और सम्मान मिले ।

इंसानियत को सदा अपने लेखन का विषय बना उसको मज़बूत करने के पथ पर बढते रहे । तब यह कोई आसान काम नहीं था। लिखा भी “ पशुता से तिल तिल हार रहा हूं / मानवता का दांव अरे /निर्दय व्यंगों में बदल रहे /मेरे यह पल अनुराग भरे “ फिर लिखा “ देखो सोचो ,समझो ,सुनो, गुनो ओ जानो /इसको उसको संभव हो निज को पहचानो / लेकिन अपना चेहरा जैसा है रहने दो /जीवन की धारा में अपने को बहने दो //और “ कुदरत को नापसंद है सख्ती ज़बान में /इसलिये नहीं दी है हड्डी ज़बान में // इत्यादि काव्य पंक्तियां यह बताती हैं कि वह कितने दूर द्रष्टा साहित्यकार थे ।बतौर कवि उनके रेडियो रूपक “ महाकाल “ “ कर्ण “ और “द्रौपदी “ को “ त्रिपथगा “ शीर्षक से प्रकाशित किया गया । उनके दौर में आधुनिक हिंदी गद्य का विकास तेज़ी से हुआ जिसके वह पुरोधा लेखक थे ।कहीं से विचार और दर्शन उधार नहीं लिया उससे ऊपर उठ कर देखा । उनका निधन 5 अक्तूबर 1981 को हुआ ।अपने पीछे जिस यशस्वी साहित्य को छोडा वह भारतीय वांगमय की अमूल्य निधि है ।

काव्य कुंज

सुकून, अकेले में

अजय-मिश्रा

सुकून की खोज में,
सीढ़ियाँ ही चढ़ते रहे,
घोंसले की तलाश में,
क़दम ही बढ़ाते रहे,
दूसरों को देखते हुये,
उनसे होड़ में दौड़ते हुये,
बहुमंज़िली इमारतों में,
सबसे ऊपर ही रहने लगे
गन्दगी, शोर से फ़ासला रखते हुये,
धरा से भी दूरियाँ बढ़ाते हुये,
प्रकृति को दूर से निहारते हुये,
गमलों में पौधे, सब्ज़ियाँ उगाते हुये,
छोटे पालतू पशुओं से खेलते हुये,
मनुष्यों से दूरियाँ बढ़ाते हुये,
मशीनों में समय बिताते हुये,
कम्प्यूटर से मनोरंजन करते हुये,
‘एलेक्सा’ से वार्तालाप में,
आधुनिक प्रगति की राह में,
मानव, मनुष्य ही को भूलने लगे
मुस्कुराने लगे हैं हम, आज अकेले ही,
विपदा में होते हैं हम, आज अकेले ही,
सुकून से रहने लगे हैं हम, आज अकेले ही
आये थे, और जायेगें भी, हम, यहाँ से अकेले ही

मैं हिंदी हूं

प्रतिमा सिंह
हैदराबाद

हिंदुस्तान की बेटी हूं ,
सब प्यार से हिंदी कहते हैं,
संस्कृत मेरी जननी है,
जिनसे ही संस्कृति बनती है ।
पंजाबी, बंगाली, सिंधी, मराठी,
मैथिली, मणिपुरी
सबकी अपनी बोली है
पर सारी मेरी बहने हैं ।
देवलोक से आती हूं देवनागरी कहलाती हूं ,
सरल सुगम और सुंदर हूं, सबके मन को भाती हूं
बैर नहीं है मुझे किसी से सब को अपना कर चलती हूं
स्कूल, कॉलेज,
यूनिवर्सिटी को तो पहले ही से अपना बनायी थी
पर कोरोना काल में अद्भुत संयम थी दिखलायी,
बिना किसी कड़वाहट के अंग्रेजी से हाथ मिलाई थी ।
स्टीम, इम्यूनिटी,
ऑक्सीजन लेकर अपनी जान बचाई हूं,
हैंड वॉश, सैनिटाइजर,
मास्क को अपना हमदर्द बनाई हूं ।
तब जाकर बची हूं सेल्फ
कोरोनटाइन और आइसोलेशन से,
स्वस्थ एवम तंदुरुस्त होकर
फिर दोगुने जोश से छा गई हूं ।
14 सितंबर 1949 को
आधिकारिक रूप से चुनी गई हूं ,
हर वर्ष इसी दिन याद सभी को आती हूं ।
जैसी बोली जाती हूं वैसे ही लिखी जाती हूं,
सूरदास की ममता हूं और कबीरा की साखी,
तुलसी की सोपान हूं और मीरा की प्रेयसी ।
सबके माथे की बिंदी हूं मैं, हिंदी मेरा नाम है
हिंदुस्तान की बेटी हूं । सबके दिल में रहती हूं ।

कश्ती ऐ जिन्दगी

चंद्रप्रकाश शर्मा
हैदराबाद

मैं हर रोज कश्ती ऐ जिन्दगी
बांधता हूं किनारे पर
ना जाने कौन छोड़ा जाता है
किसके इशारे पर
ढूंढता फिरता हूं उसको
जिंदगी चलती है जिसके इशारे पर
मैं हर रोज कश्ती ऐ जिंदगी.....
यह दिल कभी मानता ही नहीं
रोज मनाता हूं उसे मैं
कुछ दम जब मैं
सांस लेता हूं उसके लिए
यह फ़िर खींच लाता है मुझे
दुनिया के किनारे पर
मैं हर रोज कश्ती ऐ जिन्दगी .....
अब मैंने सारी सीमाएं
तोड़ दी अपनी दीवारें तोड़ दी
तन मन से धारा से जुड़कर
बाहर भीतर एक होकर
सारी आशाएं छोड़कर
मैं हर रोज कश्ती ऐ जिन्दगी
जमीन और फलक
हर जगह देखा मैंने
मिला नहीं वह मुझे
किसी भी किनारे पर
हर रोज तमन्नाओं का
शिकार हुआ जाता हूं
चैन और करार नहीं मिलता
जमीन के किसी मुहाने पर
मैं हर रोज कश्ती ऐ जिन्दगी
जी चाहता है चला जाऊं
उसके द रो दीवार पर
आंख नम कर लूं
सर खम कर लूं
उसकी चौखट पर उसे मनाने को
मैं हर रोज कश्ती ऐ जिन्दगी

मानसिक स्वास्थ्य के सिद्धांत

-डॉ. माध्वी बोरसे!
रावतभाटा कोटा

हमेशा कुछ न कुछ नया सिखिए,
स्वास्थ्य और शारिर का पूर्ण
रूप से ध्यान रखिये,
सकारात्मक लोगो के
साथ ज्यादा वक्त बीताइए,
दसरो की सहायता
जितनी हो सके करते चले जाइए।
शांत रहे, सिमरन या
प्राणायाम ज़रुर किजिये,
ज़रुरत पढ़ने पर अपनों से मदद भी लिजिये,
ज़्यादा से ज़्यदा हसिये, खिलखिलाईये और मुस्कुराये,
लोगो की कमी को नज़र अंदाज़ करते चले जाइए।
सभी की अच्छी आदतो को अपनाइए,
सबको अच्छे कामों के लिए प्रोत्सहित किजिये,
और स्वयं भी अच्छे काम करते चले जाइए,
शारीरिक गतिविधियां,
खेलकूद को भी अपने दिनचरिया का हिस्सा बनाइए।
अपने आस पास के वातवरन को स्वच्छ रखिए,
इंसानियत को स्वयं के अंदर संपूर्ण रूप से जगाइए,
सबसे प्रेम किजिये और स्वयं को भी प्रेम देते चले जाइए,
सचाई, अच्छाई, बहादुरी, निडरता को अपने जीवन में लाइए।

चायना

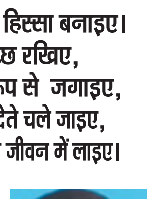

टी तारासिंह
हैदराबाद

देशों का देश चायना जनसंख्या में सबसे ज्यादा हैं
साइनस ओर टेक्नोलॉजी में भी अवल है विश्व में
इस देश का कोई भी नहीं करे मुकाबला खाने में
यहाँ भूखमरी है बेरोजगारी है
अपराध अंबर छुता है
जमीन के चार पैर के
प्राणी जानवरों का शिकार करके
बड़े चाव से चटकारे लेकर खाते चयनिस
बस थल के टेबल कुर्सी को मर्यादा में रहकर छोड़ देते
जल के समुद्र के हर प्राणि को मसाला लगाकर खाते
बस जहाजों पनडुब्बियों को आवागमन के लिए छोड़ते
थल जल के प्राणी नहीं बचे उनके शिकंजे से
हवा में उडने वाले पक्षियों का भी स्वाद लेते
बस हवाई जहाज़ों ओर मिसालों को छोड़ देते
वो मजबूरी में खाते या पेट भरने के लिए खाते या
किसी को तकलीफ देकर सताकर हिंसा करके खाते
उनके यहाँ सही सिस्टम नहीं राशन के बाटने का
संयुक्त राष्ट्र भी चिंता व्यक्त की उनके खाने की ।।

इंतज़ार मत करो

वाईवी रत्नम

वक्त की नियति है चलना
खामोश निर्झर सा बहना
उसके खिलाफ होड मत लेना
और खुद को मत छलते रहना ।
अरे उसे मालूम है भली भाँति
हर शख्स को बेनकाब करना
चौराह में अपनों के बीच ।
कहते हो तुम जिए हो अपनों के लिए
एक बार नज़र डालो गौर से
कौन है तेरे पीछे तेरी थकान और
अश्रुपूर्ण तेरी साया के सिवा ।
जनाब दिन बदल गया रात में
कारवां तो निकल गया
बस एक ही तू अकेला सन्नाटे में ।
वक्त चीख-चीखकर कहा रहा
अब इंतज़ार किस महफिल का
मेरी मानो बचे जिंदगी के कुछ पल
आनंद से जी लेना महज़ तेरे लिए ।

गौ माता

सविता राज,
मुजफ्फरपुर बिहार

गौ माता में बसे सारे भगवान,
हमेशा करो इनका सम्मान,
दूध मिले इनसे जो,
वो होता अमृत समान,
घी, मिठाई ,दही ,
पनीर,छांछ,लस्सी,
ये सब दूध से ही बनते,
पूजा में उपयोग होता,
कच्चा दूध गौ माता का,
गोबर भी पूजा में होता सदुपयोगी,
रोग भी कई दूर होते,
गौ माता के सानिध्य से,
यूं ही नहीं मिला गौ को ,
माता का दर्जा,
ये है साक्षात ईश्वर का स्वरूप।

जन-मन की भाषा है हिन्दी

रमेश गायकवाड
रागा, हैदराबाद

जन- मन की भाषा है हिन्दी
हिंदुस्तान की भाषा है हिन्दी
निरंतर प्रवाहित सरिता
ज्ञान अपार उजागर
विज्ञान की रसधार
उन्नति का है सार
जन-जन की भाषा है हिन्दी
मन- मन की भाषा है हिन्दी
ममता का अनुराग
कोमल कुसुम स्वाद
मधुर धुन का तान संस्कृति का गुणगान
जन-जन की भाषा है हिन्दी
हिंदुस्तान की नींव है हिन्दी
हम सबका एक स्त्रोत सबके दिलों में प्रतिष्ठित
सौभाग्य की बोली है सबसे प्यारी निराली है
जन-जन की भाषा है हिन्दी
हर-पल की भाषा है हिन्दी
सब धर्मो में सुशोभिनी ओजस्वी वाणी है हिन्दी
भारतवर्ष की रीढ़ है विश्व प्रगति में मूल है
जन जन की भाषा है हिन्दी
विभिन्नता में एकता का सार है हिन्दी।।

समय कभी अपनी गति नहीं बदलता...

ओमकार सर्डिवाल

समय कभी अपनी गति नहीं बदलता,
वह तो जीवन अपना अपना होता।
कभी जीवन की गति तीव्र हो जाती,
तो कभी जीवन की गति धीमी हो जाती।।
कहते हैं आईना कभी झूठ नहीं रहता,
एक बार तो उसने मुखड़ा तू निहारता।
काया कैसे ढलती यह असर किसका होता
समय की छवि को तू अपने मुखड़े पर निहारता।।
कहते हैं कि बेटी की उम्र जल्दी बढ़ जाती,
कब अपनी, कब पराई हो गई यह बताती।
बढ़ता समय साफ-साफ यह कह देता
देख तू बच्चों की ओर तुम्हें कुछ करने को कहता।।
मां बाप की उम्र से संकेत वह देता,
गुजरता समय हमें यह बताता।
जो वह न कर पाए अपने समय में,
वह तुम्हें करने का आदेश देता।।
समय जीवन में हर रंग हमें बताता,
कुछ पल सुख के तो कुछ, दुख के वह देता।।
कुछ पल ठैराव के समय ऐसे हमे देता,
मुड़ के देख अपनी ही बनाई पगडंडी को कहता।।
समय से बड़ा गुरु कोई न होता,
समय से अच्छा पाठ किसी किताब में नहीं रहता।
ना हम इसके साथ चल सकते, ना इसे छोड़ सकते,
मात्र हम इसमें अपने पंत को खेल सकते।।

सब उसके हाथ है

गजानन पाण्डेय

ये दुख हमें खुद से मिलाये
ईश्वर के करीब लाये
हमें एहसास कराये
कि हम कुछ नहीं है
सब उसके हाथ है ।
हमारे हर कर्म का,
वही तो पहरेदार है
जो जैसा करेगा
वैसा फल पायेगा
उसके न्याय से,
कोई न बच पायेगा ।

सच्चा साथी

पी एन त्रिपाठी

धन बल कद की रहित दृष्टि से
समकक्ष तराजू जो तौले
हर संकट पर खरा जो उतरे
वही आपका सच्चा साथी ।।
शतकों में कोई एक ही होता
सच्चे मन का सच साथी
बिना रुके जो साथ निभाये
कृष्ण सुदामा सा साथी
वही आपका सच्चा साथी ।।
सौ सख से वह एक ही अच्छा
होता है जो मन मंदिर से सच्चा
खडा साथ होता जो संकट पर
वही आपका सच्चा साथी ।।
जो हर स्थिति में साथ मुड़ा हो
जो कभी न छुप कर दूर हुआ हो
खुलकर जग में साथ रहा हो
वही आपका सच्चा साथी
वही आपका सच्चा साथी ।।

मानव का अहंकार टूटेगा

लवली आनंद,
बिहार

डगमग डगमग धरती डोलेगा,
अम्बर अपनी कपाट खोलेगा,
होगी धरा तब जलमग्न सी,
होगी पवन तब नर्तकी सी,
रुद्र रूप देखेगा मानव,
पूर्ण छति देखेगा मानव,
गंगा,जमुना भूचाल लायेगी
जोग भयंकर जलप्रपात बनायेगी,
नदियो का भयंकर रूप देख,
गंगा समेटे लेगी अपनी धारा,
और जटा में समा जाएंगी,
तब होगी शिव तांडव सी धरती,
फिर उगले गी अंगारे धरती,
बरसे गा नीलगगन से अग्नि,
अब होगी सूर्योदय प्रचंड सी,
होगी पूर्णमासी अंधकार सी,
त्राही - त्राही जनलोग डरेगा, प्रकीर्ति का ह्रास किया
उसकी सजा भुगतेगा, थर्रा सी गई है पवन भी
कांप गए है इंद्रा भी,
भीषण हुंकार उठेगा, मानव का अहंकार टूटेगा।

जाना था तो...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

यूँ तो हर शाम दिल को तड़पा जाती है
मानों जिंदगी दूर की आवाज़ हुई जाती है
रहने दो कोरा मन,बेवजह अश्क़ बहाए क्यों
जाना था तो आए क्यों
झूठे ख़्वाब दिखाए क्यों
जवाब भी देते नहीं, इतना सताते हैं
चिराग़ आजकल घरों को ही जला देते हैं
खामखा रूठा पगला, नाज उठाए क्यों
जाना था तो आए क्यों
झूठे ख़्वाब दिखाए क्यों
बहुत रूठी हुई होगी प्रिय तू मुझ से
तभी मीलों फासला बना लिया मुझ से
मायूसी की चादर में लिपटे आए क्यों
जाना था तो आए क्यों
झूठे ख्वाब दिखाए क्यों
जमाने से कुछ ख़फ़ा से है आजकल
या जमाना ही ख़फ़ा हमसे आजकल
पलकों को पनिया दे,..गीत सुनाए क्यों
जाना ही था तो आए क्यों
झूठे ख़्वाब दिखाए क्यों।।

गूंगा समाज

डॉ टी महादेव राव

अक्षरों का अस्तित्व
शब्दों का सामर्थ्य
वाक्यों की विशाल अभिव्यक्ति
कैद कर ली गई
ताकि रहे आघात बिन
तानाशाही जीवन तन
प्रजातंत्र के मैमने की
कितनी बार चढ़े बलि
कुछ शब्द मर गए कई अक्षर तर गए
वाक्यों का विन्यास दीमक कुतर गए
मूक हैं सारे जन बस कुछ करते हैं भजन कीर्तन
ताकि उनका अस्तित्व चमके खुशहाली उनके आंगन बरसे
लोकतंत्र में लोग हों भले ही
क्षुधित बाधित तंत्र मगर पूर्णतया संसाधित
अक्षर शब्द वाक्यों की देखें आओ समाधि
ताकि सभ्यता के मृतप्राय
होने से पहले परम सनातन सत्य के
हो जाए अंतिम दर्शन।

नेताजी सुभाष का भारत

डॉ. विजेंद्र जैन

करता प्रणाम जिसको संसार देश है यह
झुक-कर के मिलना इससे दमदार
देश है यह दिलदार देश है यह।
तकलीफ में सभी की रहता है साथ
हरदम, करता नहीं कभी भी इंकार देश
है यह दमदार देश है यह । दिलदार देश है यह
संसार जिससे सीखें, है विश्व का गुरु जो,
हर मुल्क जिसका माने, आभार देश है यह।
दमदार देश है यह, दिलदार देश है यह ताकत जो है,
छुपी है, नरमी की संस्कृति है, भ्रम पालना नहीं,
कि लाचार देश है यह दमदार देश है यह, दिलदार देश है यह।
करता प्रणाम जिसको, संसार देश है यह झुक-करके मिलना
इससे दमदार देश है यह दमदार देश है यह, दिलदार देश है यह।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

व्हेल की उल्टी की कीमत 2 करोड़ रुपए किलो

साइंस भी नहीं सुलझा पाया इसके बनने का रहस्य इसे क्यों कहते हैं तैरता हुआ सोना?

ब्लू व्हेल

उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स यानी ने 5 सितंबर को लखनऊ में 4 किलो व्हेल की उल्टी बरामद की। इसकी कीमत करीब 10 करोड़ रुपए बताई जा रही है। पिछले 15 महीनों में देश के अलग-अलग जगहों की पुलिस ने करीब 30 किलो व्हेल की उल्टी बरामद की है। जाहिर है आपके जेहन में सवाल होगा कि आखिर व्हेल की उल्टी होती क्या है, जो इतनी महंगी बिक रही है? यह कैसे बनती है? इसकी कीमत करोड़ों में क्यों है? एम्बरग्रीस यानी व्हेल की उल्टी की पूरी इनसाइड स्टोरी समझते हैं।

व्हेल की उल्टी या एम्बरग्रीस फ्रेंच शब्द एम्बर और ग्रीस से मिलकर बना है, जिसका मतलब होता है ग्रे एम्बर। इसे व्हेल की उल्टी कहा जाता है। यह कठोर मोम की तरह होती है, जो स्पर्म व्हेल के पाचन तंत्र में मौजूद आंतों में बनती है। एम्बरग्रीस अक्सर समुद्र में तैरते हुए पाया जाता है। कई बार यह समुद्र तटों पर लहरों के साथ बहकर भी आता है। इसके साथ ही ये मरी हुई व्हेल के पेट में भी पाया जा सकता है। इसे समुद्र का खजाना या फ्लोटिंग गोल्ड भी कहते हैं। यह चीन, जापान, अफ्रीका और अमेरिका के समुद्र तटों और बहामास जैसे ट्रॉपिकल आइलैंड्स पर सबसे ज्यादा मिलता है। व्हेल की उल्टी जब व्हेल के शरीर से निकलती है, तो इसका रंग आमतौर पर हल्का पीला होता है। ये गाढ़े फैट जैसी होती है। कुछ समय बाद इसका रंग गहरा लाल हो जाता है। कई बार ये काली और सलेटी रंग की भी होती है। जब एम्बरग्रीस ताजा होता है, तो इससे मल जैसी गंध निकलती है, लेकिन जैसे-जैसे वक्त बीतता है इससे मीठी और मिट्टी जैसी सुगंध आने लगती है, जो लंबे वक्त तक बरकरार रहती है। व्हेल की उल्टी का इस्तेमाल कई सौ सालों से हो रहा है, लेकिन ये पहली बार कब और कैसे बनी ये अब भी एक रहस्य है।

व्हेल की उल्टी बनने के प्रोसेस को प्रकृति की सबसे अजीबोगरीब घटनाओं में से एक माना जाता है। साइंस को पक्के तौर पर अब भी नहीं पता है कि आखिर यह बनती कैसे है।

फ्लोटिंग गोल्डः अ नैचुरल एंड (अननैचुरल) हिस्ट्री ऑफ एम्बरग्रीस नामक किताब लिखने वाले क्रिस्टोफर केंप का कहना है कि इसे व्हेल की उल्टी कहना सही नहीं है। केंप का कहना है कि कभी-कभी, मांस का टुकड़ा व्हेल के पेट से होते हुए जब उसकी आंतों में पहुंचता है, तो एक जटिल प्रोसेस के जरिए व्हेल की उल्टी बनती है। जिसे बाद में व्हेल बाहर निकाल देती है। 1783 में जर्मन फिजिशियन फ्रांज श्वेइगर ने इसे 'कठोर व्हेल का गोबर' कहा था। व्हेल की उल्टी बहुत दुर्लभ होती है, क्योंकि यह केवल 1% से 5% स्पर्म व्हेल में ही बनती है। एक थ्योरी ये भी है कि जब व्हेल बहुत ज्यादा मात्रा में समुद्री जीव को खा लेती है, तो मांस के बड़े टुकड़े को पचाने के लिए ही व्हेल की आंतों में एम्बरग्रीस या व्हेल की उल्टी जैसा पदार्थ बनता है। इस थ्योरी के अनुसार, एम्बरग्रीस स्पर्म व्हेल की आंतों की पित्त नली में बनता है। सबसे पहले जापानियों ने पता लगाया था कि एम्बरग्रीस स्पर्म व्हेल से पैदा होता है। उससे पहले माना जाता था कि ये समुद्र के पास रहने वाली मधुमक्खियों से या रेजिन नामक जीवाश्म पेड़ से बनता है, जिसके तने से एम्बर बनता है। शुरू में माना गया था कि ये पदार्थ कठोर समुद्री झाग या समुद्री पक्षी का मल है। 18वीं सदी में बड़े पैमाने पर व्हेल के शिकार से पता चला कि ये स्पर्म व्हेल की आंतों से आता है।

एम्बरग्रीस व्हेल के शरीर से आमतौर पर दो तरीकों से निकलता है- उल्टी के रूप में मुंह से या मलद्वार से मल के रूप में। मल के रूप में निकलने वाले एम्बरग्रीस का रंग मल जैसा होता है। इससे मल की गंध आती है। हालांकि साइंस अब भी इसे लेकर एकमत नहीं है। कोई कहता है कि व्हेल वजन को बाहर निकालती है। इसीलिए इसे व्हेल की उल्टी निकनेम मिला है। कुछ का मानना है कि व्हेल के अंदर के पदार्थ इतने बड़े हो जाते हैं कि वे उसके मलाशय को फाड़ देते हैं।

इंटरनेशल मार्केट में व्हेल की उल्टी की कीमत 2 करोड़ रुपए किलो तक है। पिछले साल मुंबई पुलिस ने कहा था कि 1 किलो व्हेल की उल्टी की कीमत 1 करोड़ रुपए है। लखनऊ में बरामद 4.12 किलो व्हेल की उल्टी की कीमत एसटीएफ ने 10 करोड़ रुपए बताई है, यानी करीब 2.30 करोड़ रुपए प्रति किलो। कुल मिलाकर व्हेल की उल्टी की कीमत उसकी शुद्धता और क्वॉलिटी से तय होती है।

आखिर इतनी कीमती क्यों है व्हेल की उल्टी?

एम्बरग्रीस से निकाले गए अल्कोहल का इस्तेमाल परफ्यूम बनाने में किया जाता है, जिससे उसकी खुशबू लंबे समय तक बरकरार रहती है। एकदम सफेद व्हेल की उल्टी वाली वैराइटी की डिमांड परफ्यूम इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा होती है।

इसी वजह से दुबई में व्हेल की उल्टी की काफी डिमांड है, जहां परफ्यूम का बड़ा मार्केट है। कुछ देशों में इसका इस्तेमाल दवाइयां बनाने में भी होता है। माना जाता है कि प्राचीन मिस्र में व्हेल की उल्टी का इस्तेमाल धूप या अगरबत्ती बनाने में भी होता था। मिस्र में आज भी सिगरेट में फ्लेवर के लिए व्हेल की उल्टी का इस्तेमाल होता है। 16वीं सदी में ब्रिटेन के राजा चार्ल्स द्वितीय व्हेल की उल्टी के साथ अंडे खाने के बहुत शौकीन थे। 18वीं सदी में व्हेल की उल्टी का इस्तेमाल टर्किश कॉफी और यूरोप में चॉकलेट का फ्लेवर बढ़ाने में भी होता था। ब्लैक प्लेग महामारी के दौर में कुछ यूरोपीय लोगों का मानना था कि व्हेल की उल्टी का टुकड़ा साथ में रखने से वे प्लेग से बच सकते हैं। कुछ कल्चर में माना जाता है कि व्हेल की उल्टी यौन उत्तेजक के रूप में भी इस्तेमाल हो सकती है। अतीत में कुछ देशों में इसका इस्तेमाल खाने में स्वाद बढ़ाने, शराब और तंबाकू में किया जाता था। अब भी कुछ जगहों पर इसका इस्तेमाल पाइप तंबाकू और नेचुरल सिगरेट तंबाकू में होता है। एम्बरग्रीस ग्रे, भूरे और काले रंग का भी होता है, लेकिन इनकी डिमांड कम है, क्योंकि इनमें एंब्रेन यानी अल्कोहल की मात्रा सबसे कम होती है।

एम्बरग्रीस की ब्रिकी पर क्यों है रोक?

दुर्लभ होने की वजह से व्हेल की उल्टी का इस्तेमाल भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और कई यूरोपीय देशों समेत करीब 40 देशों में बैन है। भारत में वाइल्डलाइफ (प्रोटेक्शन) एक्ट 1972 के तहत व्हेल की उल्टी को रखने या इसकी ब्रिकी पर रोक है। क्योंकि स्पर्म व्हेल की घटती आबादी की वजह से ये एक भारत में एक प्रोटेक्टेड स्पीशीज है। इसी वजह से व्हेल की उल्टी समेत स्पर्म व्हेल के किसी भी बाइ-प्रोडेक्ट को रखने या उसका व्यापार करने पर प्रतिबंध है। नवंबर 2020 में थाईलैंड के एक मछुआरे को 100 किलो की व्हेल की उल्टी मिली थी, जिसे दुनिया की सबसे बड़ी व्हेल की उल्टी माना जाता है। इसकी कीमत करीब 22 करोड़ रुपए थी। मार्च 2021 में थाईलैंड की एक महिला को भी एक बड़े व्हेल की उल्टी का टुकड़ा मिला था, जिसकी कीमत करीब 17 करोड़ रुपए थी।

कभी ब्रिटिश साम्राज्य में सूरज ही नहीं डूबता था

3.5 करोड़ वर्ग किमी पर कब्जा था, अब उसके 1% से भी कम में सिमटा

ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ-II की मौत के बाद ब्रिटिश साम्राज्य फिर से सुर्खियों में है। 70 साल पहले जब एलिजाबेथ-II क्वीन बनीं थीं, तब ब्रिटेन दुनिया के सबसे बड़े साम्राज्यों में शुमार था, लेकिन एलिजाबेथ के सामने ही इसका पतन शुरू हुआ और तकरीबन खत्म भी हो गया। आखिर कैसे दुनिया के नक्शे से सिमटता गया ब्रिटिश साम्राज्य, महारानी एलिजाबेथ-II के सामने ही कैसे करोड़ों किलोमीटर से दायरा लाखों में ही रह गया।

ब्रिटिश साम्राज्य दुनिया के इतिहास में सबसे बड़ा साम्राज्य रहा है। 16वीं सदी के बाद ब्रिटेन ने अपने देश के बाहर दुनिया में अपने पैर पसारने शुरू किए। 16वीं से 18वीं सदी के दौरान ब्रिटेन ने यूरोपीय ताकतों जैसे-फ्रांस, स्पेन और पुर्तगाल को पछाड़ते हुए दुनिया के सबसे ताकतवर साम्राज्य की नींव रखी।

19वीं सदी के दौरान एक समय ऐसा भी आया, जब ब्रिटिश साम्राज्य का दुनिया के करीब एक चौथाई हिस्से पर कब्जा था। उस समय ये कहावत थी कि ब्रिटिश साम्राज्य में सूरज कभी नहीं डूबता।

एक समय दुनिया के 26% इलाके और 25% आबादी पर था ब्रिटिश शासन। 19वीं और 20 सदी में ब्रिटिश साम्राज्य दुनिया का सबसे बड़ा साम्राज्य बन गया। इस दौरान ब्रिटेन ने दुनिया के करीब 80 देशों और आइलैंड पर शासन किया। 1913-1922 के दौरान ब्रिटिश साम्राज्य का कब्जा दुनिया की करीब 25% या 45 करोड़ आबादी पर था। ब्रिटिश साम्राज्य की विशालता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उस वक्त 3.5 करोड़ वर्ग किलोमीटर यानी दुनिया के करीब 26% इलाके इसके अधीन थे।

1952 में एलिजाबेथ के महारानी बनने पर करीब 55 देशों पर था ब्रिटिश राज। महारानी एलिजाबेथ-II 1952 में 26 साल की उम्र में ब्रिटेन की महारानी बनीं थीं। उस समय तक ब्रिटेन साम्राज्य का सूरज ढलने की शुरुआत हो चुकी थी, लेकिन तब भी करीब 55 देशों और आइलैंड पर ब्रिटेन का कब्जा था। इसके बाद ब्रिटिश साम्राज्य का तेजी से पतन हुआ। ऐसा माना जाता है कि 1997 में हॉन्ग कॉन्ग को चीन को सौंपने के साथ ही ब्रिटिश साम्राज्य का अंत हो गया।

फिलहाल ब्रिटिश साम्राज्य दुनिया के 14 आइलैंड तक ही सिमटकर रह गया है। इनमें से ज्यादातर आइलैंड वीरान हैं और इनकी कुल आबादी महज 2.72 लाख वर्ग किलोमीटर है। इनमें से कुछ आइलैंड तो 50 वर्ग किलोमीटर के ही हैं और कुछ की आबादी तो 100 से भी कम है। इनमें फॉकलैंड आइलैंड सबसे बड़ा है, जिसका क्षेत्रफल करीब 12 हजार वर्ग किलोमीटर है। एक देश के रूप में ब्रिटेन का खुद का एरिया अब 2.42 लाख वर्ग किलोमीटर है।

कॉमनवेल्थ 56 देशों में से भारत समेत 52 देशों पर रहा है ब्रिटिश शासन। 1931 में बना कॉमनवेल्थ या राष्ट्रमंडल उन देशों का समूह है, जिन पर कभी न कभी ब्रिटेन का शासन था। भारत समेत कुल 56 देश कॉमनवेल्थ के सदस्य हैं। इनमें से 52 देशों पर ब्रिटेन का शासन रहा है। हालांकि, कुछ ऐसे देश भी कॉमनवेल्थ के सदस्य हैं जिन पर ब्रिटेन का शासन कभी नहीं रहा है। कॉमनवेल्थ का हेडक्वॉर्टर लंदन में है। हर 4 साल में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स में यही कॉमनवेल्थ देश हिस्सा लेते हैं।

अफ्रीका, एशिया, अमेरिका, यूरोप और पैसिफिक के 56 देश कॉमनवेल्थ के सदस्य हैं। दुनिया के 42 सबसे छोटे देशों में से 32 कॉमनवेल्थ के सदस्य हैं, इनमें से प्रत्येक की आबादी 15 लाख या उससे कम है। 2.5 अरब लोग कॉमनवेल्थ देशों में रहते हैं, इनमें 60% से अधिक 29 या उससे कम उम्र के हैं। 14 ऐसे कॉमनवेल्थ देश हैं, जो आजाद हैं, लेकिन उनके हेड ऑफ स्टेट ब्रिटेन की रानी या राजा हैं। भारत समेत 36 देश गणतंत्र हैं यानी संप्रभु हैं, वहीं कॉमनवेल्थ 5 देशों में ब्रिटेन के राजा या रानी के बजाय उनके अपने राजा हैं।

मोदी ने सुधारी ऐतिहासिक भूल

बात साल 1960 की है। दूसरी लोकसभा का शीतकालीन सत्र चल रहा था। 2 दिसंबर 1960 को निचले सदन में एक प्रस्ताव रखा गया कि जापान के रेंकोजी मंदिर से नेताजी सुभाषचंद्र बोस की अस्थियों को भारत लाया जाए। नेताजी की अस्थियों के लिए दिल्ली के लालकिले का सामने एक भव्य स्मारक बनाने की भी बात थी उसमें। भारतीय संसद में और संसद के बाहर, पूरे देश में यह मुद्दा गरम था। मांग हो रही थी कि अगर सरकार मानती है कि रेंकोजी मंदिर में जो अस्थि-अवशेष नेताजी सुभाषचंद्र बोस के हैं, तो उन्हें भारत मंगवा लेना चाहिए।

संसद के इस प्रस्ताव के संबंध में उसी दिन 2 दिसंबर 1960 को नेहरूजी ने डॉ. बिधान चंद्र रॉय को एक पत्र लिखा। बिधान चंद्र रॉय तब पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री थे। नेहरूजी का वह पत्र गोपनीय था। उसमें नेहरूजी ने लिखा कि नेताजी की अस्थियों को भारत लाने की कोशिश भारत सरकार तभी करेगी, जब नेताजी का परिवार उसके लिए पहल करे। यह बात तो समझ में आती है। लेकिन, इसी पत्र में वह नेताजी के लिए लालकिले के सामने स्मारक का प्रस्ताव ठुकरा देते हैं। नेहरू लिखते हैं, 'मैं नहीं सोचता हूं कि उस तरह की चीज यानी नेताजी का स्मारक लालकिले के सामने बन सकता है'। नेहरूजी को ऐसा क्यों लगता था, यह तो उन्हें ही पता होगा, लेकिन उनका यह कहना कि वैसी चीज (नेताजी का स्मारक) लालकिले के सामने नहीं बन सकती, यह तो समझ से परे है।

नेहरूजी बिधान चंद्र रॉय को लिखी अपनी उसी चिट्ठी में लालकिले के सामने स्मारक न बनाने के अपने निर्णय के साथ-साथ एक अजीब सलाह भी देते हैं। सलाह यह कि यदि नेताजी के अस्थि-अवशेष भारत लाए जाते हैं, तो उन्हें कलकत्ते में ही रखना चाहिए। नेहरूजी को शायद यह याद नहीं रहा कि नेताजी का नारा था, 'दिल्ली चलो, न कि कलकत्ते चलो।' उनका यह नारा बांग्ला में नहीं, हिंदुस्तानी में था। लालकिले पर तिरंगा फहराने का सपना भी नेताजी और आजाद हिंद फौज का ही था, न कि किसी और नेता का।

नेहरूजी ने नेताजी के लिए लालकिले के सामने स्मारक न बनाने के पीछे तर्क दिया कि वह जगह देश के स्वाधीनता-संग्राम के सभी शहीदों के लिए एक स्मारक बनाने के लिए सुरक्षित रखी गई है। वह किसी रायचौधरी का हवाला देते हैं कि उन्होंने उस स्मारक पर काम करना शुरू भी कर दिया है। लालकिले के सामने नेहरूजी की शहीद स्मारक योजना का क्या हुआ, आजतक किसी को उसका कुछ पता नहीं। रायचौधरी कौन-सा शहीद स्मारक लालकिले के सामने बना रहे थे, उसका कोई सबूत हमें नहीं मिलता। हां, इस बात का सबूत जरूर मिलता है कि नेताजी का स्मारक न बनाने के लिए वह तर्क दिया गया था।

देश के लिए शहादत क्या होती है, देश के लिए त्याग क्या होता है, उसका सबसे बड़ा आदर्श नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने पेश किया था। नेताजी ने अपनी शहादत से पहले भारत की आजादी के लिए शहीद हुए आजाद हिंद फौज के वीर सपूतों की स्मृति में सिंगापुर में 8 जुलाई 1945 को आईएनए स्मारक की आधारशिला रखी। एक पराए देश में एक पराधीन देश के स्वाधीनता-सेनानियों के लिए एक भव्य स्मारक की योजना नेताजी की अटूट देशभक्ति और अपने साथी सैनिकों की देशभक्ति के प्रति श्रद्धा का ही सबूत है।

उस स्मारक पर जो प्रेरणा-मंत्र था, उसके तीन शब्द थे- इत्तिहाद, ऐतमाद और कुरबानी यानी एकता, विश्वास और बलिदान। कोई भी देश, कोई भी कौम इन्हीं बीज मंत्रों से तरक्की करता है। उस स्मारक को माउंटबेटन ने, जापान पर इंग्लैंड के कब्जे के बाद तुड़वा दिया था। बाद में उसी माउंटबेटन को स्वाधीन भारत को अपना पहला गवर्नर जनरल स्वीकार करना पड़ा। सिंगापुर का आईएनए स्मारक फिर से स्थापित हो गया।

लेकिन क्या तब की सरकार को अपने जांबाज सपूत के लिए दिल्ली में मुनासिब जगह पर एक स्मारक नहीं बनवाना चाहिए था? इंडिया गेट पर शहीद स्मारक की नई रूपरेखा और उसके केंद्र में नेताजी सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा निश्चित रूप से उस गलती को देर से ही सही, ठीक करने की कोशिश है।

देश की विरासत पर कोई अंतिम फैसला किसी सरकार का नहीं होता, अवाम का होता है। नेताजी इस देश के अवाम की सांसों में जिंदा हैं, जिंदा रहेंगे। लालकिले के सामने चाहे नेताजी का स्मारक न बना हो, लेकिन हर साल जब पंद्रह अगस्त के दिन वहां तिरंगा फहराया जाता है, तो देश का सबसे अमर अभिवादन सबकी जुबान पर होता है, जो नेताजी ने आजाद हिंद फौज के अपने साथियों की सहमति से चुना था- जय हिंद!

अब रूस लगा रहा पश्चिम पर पाबंदियां

जब रूस ने फरवरी में यूक्रेन पर हमला बोला, तब अमेरिका और उसके नैटो सहयोगियों ने उस पर कड़े प्रतिबंध लगाए। उन्होंने अपने यहां रूस के विदेशी मुद्रा भंडार को फ्रीज कर दिया। यानी रूस का जो पैसा उनके यहां के बैंकों और संस्थानों में रखा था, उसे निकालने पर रोक लगा दी गई। रूस को अंतरराष्ट्रीय पेमेंट सिस्टम स्विफ्ट से भी बाहर कर दिया गया। इन पाबंदियों का मकसद रूस से तेल, गैस, कृषि उत्पादों और पैलेडियम का निर्यात कम करना था।आर्थिक जानकारों ने कहा था कि इन पाबंदियों से रूस के जीडीपी में 15 फीसदी तक की गिरावट आएगी, जिससे वह तबाह हो जाएगा। लेकिन आज हालात बिल्कुल उलट हैं। अब तो रूस नैटो पर पाबंदियां लगा रहा है और उसने सदस्य देशों को गैस की सप्लाई घटा दी है। इससे यूरोपीय देशों को अप्रत्याशित ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ रहा है।

गैस और बिजली की कीमतों में बेतहाशा बढ़ोतरी के कारण यूरोपीय देश अपने नागरिकों को भारी सब्सिडी देने पर मजबूर हुए हैं। उनकी इकॉनमी गहरी मंदी में चली गई है। इससे सरकारी खर्च का हिसाब-किताब गड़बड़ा जाएगा। यूरोप और ब्रिटेन के लिए आने वाला वक्त बहुत मुश्किल रहने वाला है। यूक्रेन युद्ध की वजह से एलएनजी की बढ़ी कीमतों की मार जापान, चीन, भारत सहित इसका आयात करने वाले सभी देशों पर पड़ी है, जिससे मायूसी बढ़ रही है। हां, रूस के कंस्यूमर्स पर इन सबका असर नहीं पड़ा है।

इसमें कोई शक नहीं है कि पश्चिमी देशों की पाबंदियों से रूस की इकॉनमी को झटका लगा है, लेकिन यह कोई बड़ा झटका नहीं है। यह भी लग रहा है कि मंदी में जा चुके नैटो के सदस्य देशों की तुलना में रूस इससे कहीं कम प्रभावित होगा। पश्चिमी देशों ने रूस पर पाबंदी यह सोचकर लगाई थी कि इससे वह तेल और गैस का निर्यात नहीं कर पाएगा। लेकिन जल्द ही पता चल गया कि रूस के तेल और गैस पर यूरोप की निर्भरता इतनी अधिक है कि वह तुरंत इसकी सप्लाई नहीं रोक सकता। अब वह इस साल के अंत तक रूस से इनकी खरीदारी रोकने की बात कर रहा है। नैटो को इसका अंदाजा भी नहीं था कि दर्जनों देश यूक्रेन युद्ध को लेकर निष्पक्ष रवैया अपनाएंगे और वे रूस की आलोचना के लिए संयुक्त राष्ट्र में लाए गए प्रस्तावों पर उसका साथ नहीं देंगे। लेकिन यहां तो यूरोप भी रूस से तेल और गैस खरीदने पर मजबूर हुआ। इसलिए पश्चिमी देशों के लिए भारत जैसे देशों को लेकर सख्त रवैया अपनाना मुश्किल हो गया, जिन्होंने रूस से कम कीमत पर तेल खरीदने का फैसला किया। इस बाजार में कई ऐसी इकाइयां सक्रिय हैं, जो ईरान, नॉर्थ कोरिया और वेनेजुएला को अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने में अरसे से मदद करती आई हैं। यही इकाइयां अब रूस को बड़े पैमाने पर तेल बेचने में मदद कर रही हैं। इस बीच, प्रतिबंधों की वजह से ब्रेंट क्रूड की कीमत 80 डॉलर से बढ़कर 130 डॉलर तक पहुंचने के बाद अब गिरकर 95 डॉलर प्रति बैरल के करीब चल रही है।

तब से कई देशों की मुद्राओं की तुलना में डॉलर करीब 20 फीसदी मजबूत हुआ है। इसलिए तेल का आयात करने वाले देशों को इसकी कहीं अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है। इससे रूस को छोड़कर दुनिया भर के कंस्यूमर्स प्रभावित हुए हैं और उन देशों में मंदी की आहट सुनाई देने लगी है। जहां तक प्राकृतिक गैस की बात है, इसकी तेजी ने सबको हैरान कर रखा है। यूरोप की निर्भरता रूसी गैस पर काफी अधिक है। यूक्रेन युद्ध के बाद जब प्रतिबंध लगाए गए, तब इसके असर के बारे में बहुत सोचा नहीं गया। नैटो ने तब नॉर्डस्ट्रीम 2 पाइपलाइन का कंस्ट्रक्शन बंद करने का भी एलान किया। इस पाइपलाइन के जरिये बाल्टिक सागर होते हुए रूस से गैस जर्मनी पहुंचनी थी। लेकिन नॉर्डस्ट्रीम 1 से जो गैस आ रही थी, उस पर भी यूरोप की काफी निर्भरता थी। आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाने के बाद से रूस इस पाइपलाइन से गैस की सप्लाई कई बार रोक चुका है। पहले उसने सप्लाई मेनटेनेंस के नाम पर रोकी और बाद में भू-राजनीतिक वजहों से।

यानी अब रूस पश्चिमी देशों पर प्रतिबंध लगा रहा है और पाबंदियों की शुरुआती कहानी पूरी तरह पलट चुकी है। बड़ी बात यह है कि रूस के प्रतिबंधों से यूरोपीय देशों को कहीं अधिक नुकसान हो रहा है, जबकि नैटो की पाबंदियों से रूस को बहुत हानि नहीं हुई है।

श्रीराम ही नहीं, ये राजा भी रावण को कर चुका है पराजित

लंकापति रावण को सभी जानते हैं। वे एक बेहद शक्तिशाली राजा थे। उनका श्रीराम से युद्ध जगजाहिर है। भगवान श्रीराम ने उन्हें पूरी वानर सेना के साथ मिलकर परिजित किया था।

वह राजा जिसने रावण को बना लिया था बंदी

इस राजा का नाम कार्तवीर्य अर्जुन था। वे प्राचीन हैहय वंश के राजा थे। इनके बारे में महाभारत में भी पढ़ने को मिलता है। कार्तवीर्य अर्जुन प्राचीन माहिष्मति नगरी के राजा थे। यह जगह वर्तमान में मध्य प्रदेश के महेश्वर के नाम से जानी जाती है। कार्तवीर्य अर्जुन राजा कृतवीर्य के बेटे थे। उनका राज्य नर्मदा नदी के तट पर था। इसे उन्होंने कार्कोटक नाग से जीतकर बसाया था।

एक हजार भुजाओं का मिला था वरदान

कार्तवीर्य अर्जुन को लोग सहस्रबाहु अर्जुन भी कहकर पुकारते थे। मान्यताओं के अनुसार उनमें

एक सहस्र (एक हजार) भुजाओं इतनी ताकत थी। कुछ मान्यताओं के अनुसार उन्हें एक हजार हाथों का वरदान मिला था। वहीं कुछ का मानना है कि उनके पास एक हजार अक्षौहिणी सेनाएं थी। इसलिए उन्हें सहस्रार्जुन के नाम से जाना जाने लगा। वह दत्तात्रेय के बहुत बड़े भक्त थे।

युद्ध में हुई थी रावण की हार

राजा कार्तवीर्य अर्जुन एक प्रतापी राजा थे। उनके वंश के राजाओं ने माहिष्मती की स्थापना की थी। माहिष्मती को प्राचीन काल में अनूप महाजनपद कहा जाता था। वर्तमान में इसे मध्य प्रदेश में निमाड़ कहा जाता है। रामायण काल में इसका नाम माहिष्मती था। माहिष्मती एक बेहद शक्तिशाली साम्राज्य था। उनकी शक्ति का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि एक बार उन्होंने लंकाधिपति रावण को बंदी तक बना लिया था।

शिवजी के आदेश पर हुए थे आजाद

कहते हैं राजा कार्तवीर्य अर्जुन का रावण से युद्ध हुआ था। उन्होंने रावण को युद्ध में पराजित कर लिया था। फिर उन्हें अपना बंदी भी बना लिया था। हालांकि रावण भगवान शिव के भक्त थे। उन्हीं के आदेश पर पुल्तस्य ऋषि ने रावण को राजा कार्तवीर्य अर्जुन की कैद से मुक्त करवाया था। इस घटना का जिक्र शास्त्रों में भी पढ़ने को मिलता है।

हिंदू पौराणिक कथाओं की माने तो सहस्त्रबाहु नर्मदा नदी में स्त्रियों संग जल विहार कर रहे थे। ऐसे में उन्होंने अपनी हजार भुजाओं के बल से पूरी नर्मदा के जल का प्रवाह रोक लिया था। वहीं नर्मदा किनारे रावण का भी शिविर भ चल रहा था। नदी का पानी रुकने की वजह से शिविर में जल भराव होने लगा। रावण जब इसका कारण पता लगाने नर्मदा किनारे पहुंचे तो उनका सामना कार्तवीर्य अर्जुन से हुआ।

अब चुकी कार्तवीर्य अर्जुन को युद्ध में कभी ना हारने का वरदान प्राप्त था इसलिए रावण की हर हो गई। यह एक तरफा युद्ध था। कार्तवीर्य अर्जुन ने अपनी हजार भुजाओं से रावण को दबोच लिया था। फिर उसे अपनी राजधानी माहिष्मति ले जाकर कैदी बना लिया था।

रावण जिस क्षेत्र में बंधी बने थे वहाँ ओंकारेश्वर नाम का पवित्र स्थान भी है। यह 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह ज्योतिर्लिंग नर्मदा नदी के तट पर स्थापित है। ओंकारेश्वर को पहले मान्धाता नगरी के नाम से भी जाना जाता था। कहा जाता है कि इसकी स्थापना इक्ष्वाकु वंश के प्रतापी राजा मुचुकुन्द ने अपने पूर्वज मान्धाता के नाम पर की थी।

जीवन में इन बाधाओं का आना हो सकता है नाराज पितरों के संकेत

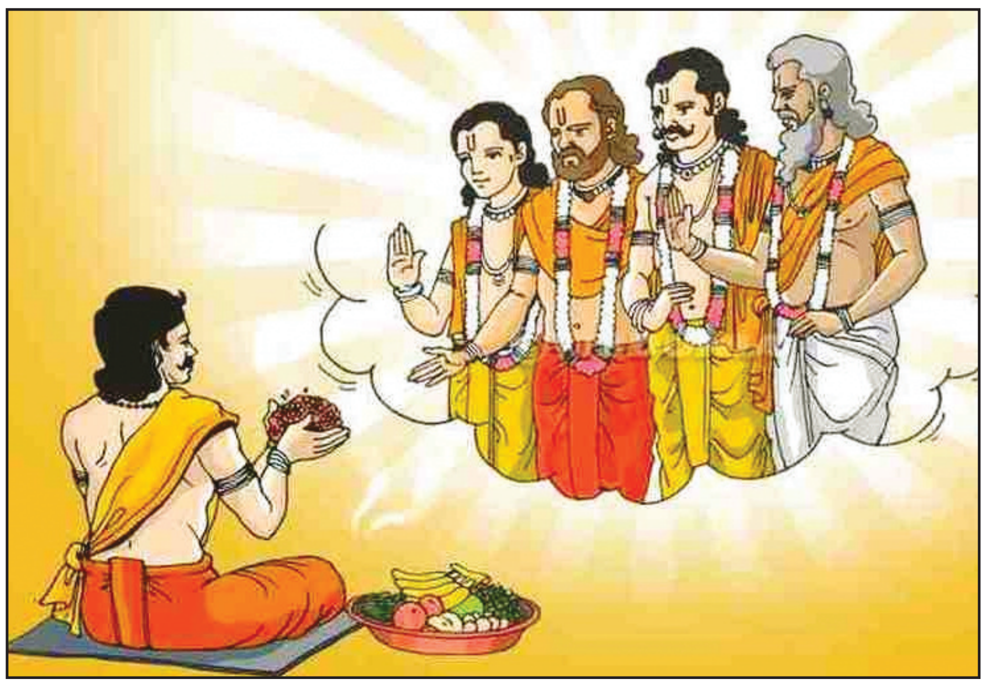

हिन्दू धर्म में पितृ पक्ष को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। इस साल पितृ पक्ष 10 सिंतबर 2022 से शुरू होकर 25 सितंबर 2022 तक रहेगा। मान्यता है कि इन 15 दिनों तक हमारे पूर्वज स्वर्गलोक से धरती पर आते हैं और अपने-अपने परिजनों के बीच रहते हैं। इसलिए पितृ पक्ष में श्राद्ध कर्म, पितरों के तर्पण और पिंडदान करना जरूरी होता है। इससे आपके पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और उनके प्रसन्न होने से आपके जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। लेकिन कई बार जाने-अनजाने की गई गलतियों के कारण आपके पूर्वज आपसे नाराज हो सकते हैं जो कि जीवन में समस्याओं का कारण बना सकता है। तो आइए जनते हैं पितरों के नाराज होने के संकेतों के बारे में...

पितरों के नाराज होने के संकेत-
ज्योतिष शास्त्र के अनुसार माना जाता है कि यदि अक्सर आपके घर में लड़ाई-झगड़ा होता रहता है, घर में किसी के विवाह में बार-बार अड़चनें आना, संतान सुख में बाधा और आर्थिक तंगी जैसे कष्टों का सामना करना पड़ रहा है तो इसे पितरों की नाराजगी के संकेत माना जाता है। ऐसे में अपने पितृ दोष से छुटकारा पाने और पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए कुछ उपाय किए जा सकते हैं।

पितृ दोष निवारण उपाय
ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पितृ दोष से मुक्ति पाने के लिए श्राद्ध पक्ष में विधिवत अपने पितरों का तर्पण और श्राद्ध कर्म करें।

गीता के सातवें अध्याय और हनुमान चालीसा के नियमित पाठ से भी पितृ शांत होते हैं।

पितृ पक्ष के अलावा महीने की अमावस्या, पूर्णिमा, तेरस और चतुर्दशी तिथि को अपने घर के हर कोने में घी और गुड़ की धूप दें।

गलत दिशा में रखी डाइनिंग टेबल से भी पड़ता है आपकी सेहत पर असर

वास्तु शास्त्र में दिशाओं का बहुत महत्व है। वास्तु के अनुसार घर के मुख्य द्वार से लेकर रसोई, पूजास्थल, बेडरूम, बाथरूम आदि का सही दिशा में होना शुभ माना गया है। वहीं डाइनिंग हॉल जहां घर के सभी लोग एक साथ बैठकर खाना खाते हैं उससे जुड़े वास्तु नियम भी बताए गए हैं। वास्तु के जानकारों के अनुसार यदि खाना खाते समय आपका मुख गलत दिशा में हो या घर में रखी डाइनिंग टेबल की दिशा सही न हो तो इसका नकारात्मक प्रभाव घरवालों की सेहत, मन और आर्थिक स्थिति पर भी पड़ता है। तो आइए जानते हैं डाइनिंग रूम से जुड़े वास्तु नियम...

इस दिशा में न रखें डाइनिंग टेबल

वास्तु शास्त्र के मुताबिक घर में डाइनिंग टेबल को दक्षिण या दक्षिण-पश्चिम दिशा में लगाना अशुभ माना गया है।

वहीं वास्तु शास्त्र के अनुसार डाइनिंग टेबल को कभी भी घर के प्रवेश द्वार और शौचालय के ठीक सामने नहीं रखना चाहिए। इसके अलावा घर में खुली रसोई के सामने भी डाइनिंग टेबल रखना अशुभ माना गया है क्योंकि यहां रखी डाइनिंग टेबल पर बैठकर खाना खाने से परिवार के लोगों में आपसी मनमुटाव और रोगों में वृद्धि हो सकती है।

डाइनिंग टेबल रखने की सही दिशा

वास्तु के अनुसार घर में डाइनिंग टेबल को रखने के लिए पूर्व, पश्चिम या दक्षिण-पूर्व दिशा को शुभ माना गया है।

इसके साथ ही ध्यान रखें कि कभी भी डाइनिंग रूम में हिंसक या नकारात्मक दृश्यों वाली तस्वीरें न लगाएं। जबकि डाइनिंग रूम में खेतों, प्राकृतिक नजारों, फल, सब्जियां और मां अन्नपूर्णा की तस्वीर लगाने से घर में अन्न की बरकत बनी रहती है।

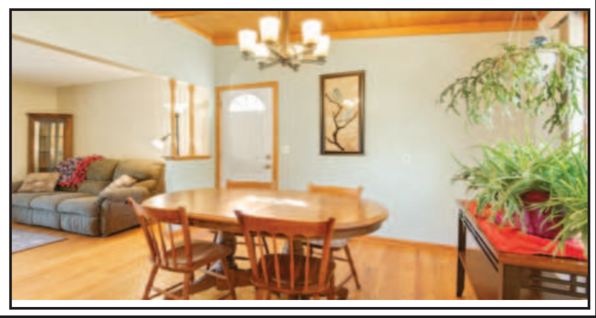

करियर में हासिल करनी है सफलता तो मदद कर सकते हैं ये फेंगशुई टिप्स

वास्तु शास्त्र में जिस तरह से दिशाओं का बड़ा महत्व होता है, उसी तरह चीनी वास्तु शास्त्र यानी फेंगशुई शास्त्र के उपाय भी बड़े लाभकारी माने जाते हैं। मान्यता है कि फेंगशुई की चीजों को अपने घर या दफ्तर में उचित जगह पर रखने से आपके आसपास पॉज़िटिविटी बनी रहती है और जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है। तो आज हम आपको अपने करियर में आने वाली बाधाओं को दूर कर तरक्की पाने के लिए फेंगशुई के कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं जो काफी मददगार साबित हो सकते हैं...

फेंगशुई शास्त्र के अनुसार अपने करियर में तरक्की के लिए घर के दरवाजे पर विंड चाइम लगाना बहुत शुभ माना गया है। मान्यता है कि इससे न केवल आपके रोजगार में बरकत होती है बल्कि यह धन लाभ को भी आकर्षित करते हैं।

इसके अलावा दफ्तर या दुकान में अपनी बैठने की जगह की पीछे दौड़ते हुए घोड़ों या पहाड़ की तस्वीर लगाने से भी आपके आसपास सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और आप बेहतर तरीके से काम कर पाते हैं।

अपने ऑफिस में काम करने वाली टेबल के ऊपर की छत से एक डायमंड क्रिस्टल लटकाकर रखना भी एक कारगर उपाय माना गया है। फेंगशुई के अनुसार मान्यता है कि इससे आपके काम पर नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव नहीं पड़ता।

इसके अलावा यदि आपको पैसों की समस्या से जूझना पड़ रहा है तो फेंगशुई के अनुसार अपने ऑफिस में बैंबू प्लांट यानी बांस का पौधा लगाना शुभ होता है।

घर तहस नहस कर देती हैं ऐसी महिलाएं

चाणक्य नीति की माने तो जिन महिलाओं की गर्दन चार उंगलियों से ज्यादा लंबी होती है वह बड़ी चालाक होती हैं। इनका दिमाग शातिर होता है। ये महिलाएं अक्सर अपने घर की बर्बादी की वजह बनती है। इसके विपरित छोटी गर्दन वाली महिलाएं शांत स्वभाव की होती है। ये दूसरों पर निर्भर रहती हैं। इनसे घर की तरक्की होती है।

चपटी हथेली वाली महिलाएं

चपटी हथेली वाली महिलाएं भाग्य के मामले में कमजोर होती हैं। इन्हें जीवन में सुख कम और दुख अधिक मिलते हैं। ये जीवन में धन की कमी का सामना भी करती हैं। पैसों के मामले में इनकी किस्मत हमेशा खराब रहती है। ये अपने आसपास मौजूद लोगों का लक भी खराब कर देती हैं।

पीली आंखों वाली महिलाएं

जिन महिलाओं की आंखें पीली रहती है वह अक्सर बीमार रहती हैं। उनकी बीमारी में बहुत खर्चा भी होता है। ये परिवार का बैंक बैलेंस खाली कर देती हैं। वहीं स्लेटी रंग की आंखों वाली महिलाएं घर परिवार के लिए बेस्ट मानी जाती हैं। इनसे घर में खुशियां आती है।

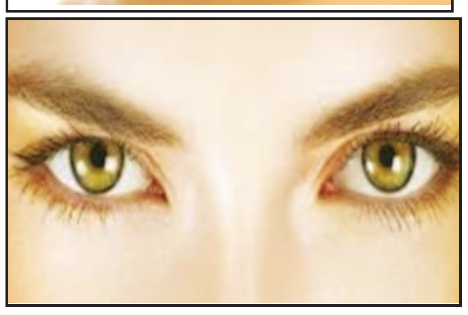

कान पर अधिक बाल वाली महिलाएं

जिन महिलाओं के कान पर अधिक बाल रहते हैं वह हमेशा दुख का कारण बनती है। इनकी वजह से परिवार में सुख की कमी आ जाती है। ये घर में एक के बाद एक कई दुख लाती हैं। इनसे घर में दरिद्रता भी आती है।

चौड़े दांत वाली महिलाएं

चाणक्य नीति की माने तो चौड़े दांत वाली महिलाओं का जीवन भी दुखों के साथ बीतता है। इनके ऊपर दुख के बादल हमेशा छाए रहते हैं। ये बहुत कम ही सुखी रह पाती हैं। इस कारण ये गुस्सैल और चिड़चिड़ी भी हो जाती है। ये घर परिवार के रिश्ते बिगाड़ती हैं।

अंगूठे से लंबी उंगली वाली महिलाएं

जिन महिलाओं के पैर की उंगलियां उनके अंगूठे की उंगलियों से अधिक लंबी होती हैं वह भी घर परिवार के लिए अनलकी मानी जाती हैं। ऐसी महिलाएं गुस्सैल स्वभाव की होती हैं। ये अपने गुस्से पर कंट्रोल नही रख पाती हैं। इनका गुस्सा परिवार को बर्बाद कर के रख देता है। इनका अपनी वाणी पर भी कोई संयम नहीं रहता है।

सूर्य-बुध का एक राशि में गोचर बढ़ाएगा मुश्किलें

इन 5 राशियों के घर मंडराएंगे दुख के बादल

कन्या राशि

इस माह कन्या राशि के जातकों का मासिक बजट गड़बड़ा जाएगा। इस महीने धन सबसे अधिक खर्च होगा। व्यर्थ के खर्चे सामने आने से जेब खाली हो जाएगी। ऐसे में आपको अपने खर्चों पर लगाम कसनी होगी। इस माह कोई नया मकान या वाहन खरीदने से भी बचना होगा। इसमें आपका नुकसान हो सकता है। घर में लड़ाई झगड़े भी हो सकते हैं। वपने गुस्से पर काबू रखें वरना रिश्ते बिगड़ जाएंगे।

मिथुन राशि

मिथुन राशि के जातकों को नौकरी, व्यापार और करियर में मुश्किलें झेलना होगी। जॉब में आपकी बॉस या सहकर्मियों से बहस हो सकती है। बेरोजगार लोगों को इस माह भी नौकरी नहीं मिल पाएगी। वहीं बिजनेस भी मंदा ही रहेगा। यदि आप कहीं पैसा निवेश करने की सोच रहे हैं तो इस महीने रुक जाना सही रहेगा। काम का वर्कलोड अधिक रहेगा। हालांकि आपका परिवार इस मुश्किल घर में आपका साथ देगा।

मीन राशि

इस महीने मीन राशि के जातकों को फूक फूक कर कदम आगे बढ़ाने होंगे। आपकी एक छोटी सी गलती आपको कंगाल कर देगी। अपने कीमती समान को संभालकर रखे। चोरी होने का खतरा भी मंडरा रहा है। वहीं समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा को ठेस पहुंच सकती है। इसलिए अपनी वाणी पर संयम जरूर रखें। अपने राज किसी से शेयर ना करें। छात्रों के लिए भी ये महिना खराब जाने वाला है।

मकर राशि

मकर राशि के जातकों के लिए शुक्र और सूर्य का एक ही राशि में होना अशुभ होगा। दुर्भाग्य आपका पीछा नहीं छोड़ेगा। बनते काम भी बिगड़ जाएंगे। अपनों से बहसबाजी हो सकती है। पति-पत्नी के रिश्ते बिगड़ सकते हैं। गुस्सा और कटु बोली इन दोनों चीजों से दूर रहने में ही भलाई है। जॉब में तरक्की होने में बाधा आएगी। कोई नया बिजनेस स्टार्ट करने की सोच रहे हैं तो इस महीने रुक जाना ठीक रहेगा।

कर्क राशि

इस माह कर्क राशि के जातकों को अपनी सेहत का खास ध्यान रखना होगा। आप किसी नई बीमारी की चपेट में आ सकते हैं। दवा-इलाज में बहुत पैसे भी खर्च हो सकते हैं। इससे आपके बनते काम भी बिगड़ सकते हैं। कोर्ट-कचहरी के चक्कर भी लगाने पड़ सकते हैं। अपने अपने अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी है। परिवार में किसी से बहस करने से बचे, इसमें आपका ही नुकसान है।

शहनाज गिल की इस वीडियो को देख खफा हुए फैंस, बोले- इतना घमंड अच्छा नहीं होता

सोशल मीडिया पर अक्सर शहनाज गिल अक्सर चर्चा में रहती हैं। मगर इस बार वह बुरा फंस गई हैं। सोशल मीडिया पर उनका लेटेस्ट वीडियो सामने आया है जिसमें उनके स्वभाव को देख फैंस खासा दुखी हो गए और उन्हें ट्रोल करने लगे। शहनाज गिल कौर बिग बॉस से काफी चर्चा में आई थीं। बिग बॉस के विनर सिद्धार्थ शुक्ला के साथ उनकी दोस्ती और नोकझोंक इतनी पसंद की गई थी कि फैंस इन्हें प्यार सिडनाज कहकर पुकारते हैं। सभी ने देखा था कि सिद्धार्थ शुक्ला के निधन के बाद वह किस तरह टूट गई थीं। लंबे समय तक वह इस दुखद घड़ी से निकल नहीं पाई थीं। मगर शहनाज ने खुद को संभाला और उन्होंने वापसी की।

अब शहनाज गिल नए वीडियो की वजह से चर्चा में हैं। इसमें उनका स्वभाव फैंस को रास नहीं आया और उन्होंने शहनाज को घमंडी बताया। हुआ यूं कि शहनाज सेट से वैनिटी वेन में लौट रही थीं। इस बीच पैपराजी ने तस्वीरों के लिए कहा कि रुकिए। मगर शहनाज ने कहा कि अरे बाद में मिलती हूं। अभी मैं काम कर रही हूं।

इतना ही जब शहनाज गिल से पैपराजी ने कहा कि आप कैसे हो तो शहनाज ने पलट के कहा कि अगर मैं कहूंगी कि मैं ठीक नहीं हूं तो क्या बोलोगे। दवाई दोगे। इतने में पीछे से कोई कहता है कि दुआ करेंगे। फिर वह कहती हैं कि दुआं क्यों ही करोगे। बस ये अंदाज शहनाज का थोड़ा रुखा लगा और फैंस ने उन्हें घमंडी बताया।

एक यूजर ने लिखा कि इतना एटिट्यूड, इतना घमंड क्यों और ऐसा भी। इनका ये रूप तो बिग बॉस में भी दिख गया था तभी सलमान खान ने कहा था कि इससे थोड़ा ध्यान से रहना। वहीं एक यूजर ने लिखा कि ये बहुत ही गलत बात है। इस पोस्ट के कमेंट बॉक्स में एटीट्यूट तो देखो, बाप रे ऐसे ढेरों कमेंट हैं। जबकि कुछ यूजर ने शहनाज के सपोर्ट में कमेंट किए। उन्होंने कहा कि इस वीडियो के साथ छेड़छाड़ की गई है तो वहीं एक ने लिखा कि बहुत सारे लोग शहनाज के खुश होने से जलते हैं।

नया स्टाइल हो या डांस, मैंने भी आलोचनाएं झेली हैं, मुझे इससे बिल्कुल फर्क नहीं पड़ता : नोरा

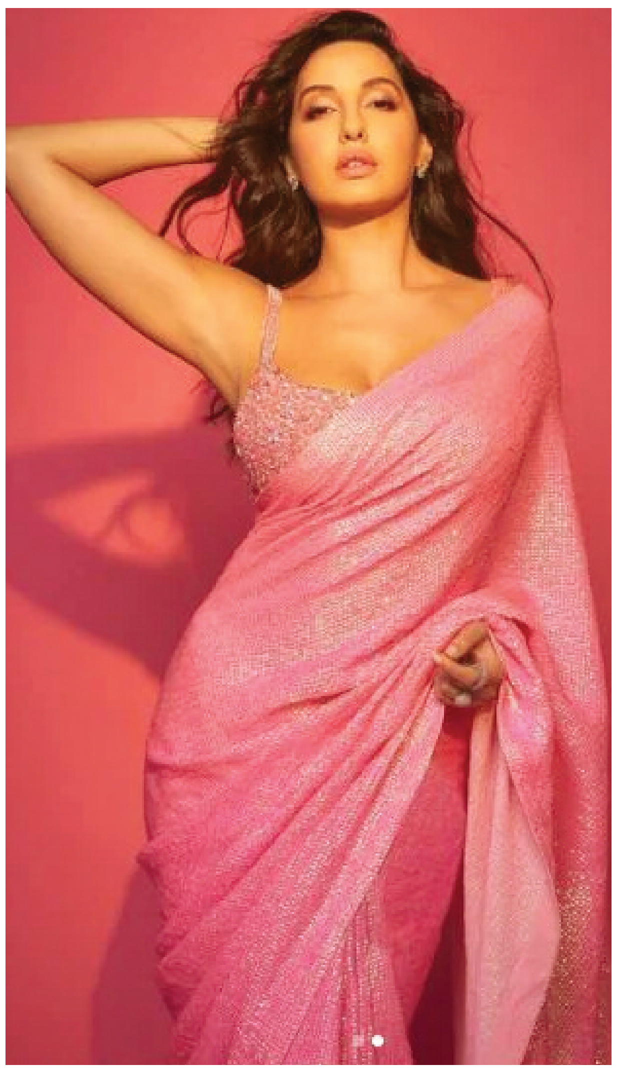

आज के दौर में डांस का जिक्र चले तो नोरा फतेही का नाम जेहन में आना लाजिमी है। 'दिलबर-दिलबर', 'कमरिया', 'नाच मेरी रानी' जैसे हिट गानों में अपने डांस का जलवा दिखाकर नोरा सबकी चहेती बन चुकी हैं। ये उनके डांस का जादू ही है कि डांस रिएलिटी शो झलक दिखला जा के पिछले सीजन में प्रतिभागी रहीं नोरा इस साल माधुरी दीक्षित और करण जौहर के साथ शो में जज की कुर्सी संभाल चुकी हैं।

मेरी डांस जर्नी माधुरी(दीक्षित) मैम के गानों से शुरू हुई थी। धक धक, डोला रे डोला, मार डाला, उनके ये सारे गाने मैं अपने बेडरूम में लैपटॉप पर रिपीट मोड पर देखती थी और नकल करती है। जब आजा नच ले आई थी, तब मैंने सारी कोरियोग्राफी सीख ली थी और मैंने अपने स्कूल की सारी लड़कियों को वो डांस सिखाया था। हमने स्कूल में स्टेज पर भी वो डांस परफॉर्म किया, तो इस तरह माधुरी मैम मेरे डांसर और आर्टिस्ट बनने की वजह रही हैं। फिर, झलक दिखला जा में ही बतौर कंटेस्टेंट मैंने कई डांस फॉर्म सीखे। म्यूजिक विडियोज किए और यहां तक पहुंच गई।

देखिए, हर ऐक्टर को अपने शुरुआती दौर में आलोचना मिलती ही है। ऐसा कोई ऐक्टर नहीं है, जिसकी शुरू-शुरू में आलोचना नहीं हुई है। मुझे शुरू में डांस के लिए भी क्रिटिसाइज किया गया है, तो ये पैकेज में आता है। हमें कड़ी मेहनत करते रहना चाहिए, आगे बढ़ते रहना चाहिए, तो धीरे-धीरे ऑडियंस आपको अपनाने लगेगी। अगर वो किसी एक चीज में आपको अपना नहीं पाती तो किसी दूसरी चीज के लिए अपना लेगी। मैंने अपनी ऐक्टिंग के लिए आलोचना झेली है, सिंगिंग के लिए भी झेली है, कभी-कभी जब मैं नया स्टाइल करती हूं, तो डांस के लिए झेली है, तो ये बहुत सामान्य बात है। ये स्टार होने के पैकेज के तौर पर आता है। मुझे इससे बिल्कुल फर्क नहीं पड़ता है। मुझे इस बात की खुशी है कि मुझे ज्यादा काम मिल रहा है।

बाकी चीजों के बजाय मैं पॉजिटिव चीजों के बारे में सोचती हूं। जैसे बच्चे, यंगस्टर मुझे बहुत प्यार करते हैं, मेरे लिए वो ज्यादा अहम है। मैं उस पर ध्यान देती हूं। मेरा एक हैशटैग है, #डांसविदनोरा जो ग्लोबल मूवमेंट जैसा बन चुका है, वो मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। किसी ने ऐसा पहले नहीं किया तो मैं दूसरी चीजों के बजाय अपनी उपलब्धियों की ओर देखती हूं।

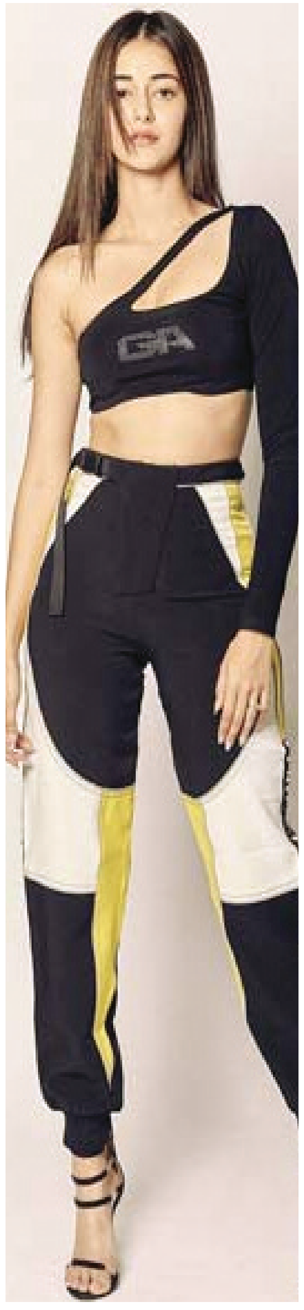

विजय देवरकोंडा की 'लाइगर' के साथ स्ट्रगलिंग क्वीन अनन्या पांडे की एक्टिंग का रिजल्ट

लाइगर फिल्म में विजय देवरकोंडा अपनी रूहानी आवाज में हकलाते हुए तान्या से 'आई लव यू' कहता है मगर बदले में अनन्या पांडे का 'फ्लैट' एक्सप्रेशंस देख दर्शकों का दिल रो पड़ा है. विजय देवरकोंडा और अनन्या पांडे की फिल्म 'लाइगर' 25 अगस्त को सिनेमीघरों में रिलीज हो चुकी है. इसके साथ ही अनन्या पांडे की एक्टिंग एग्जाम का परिणाम भी सामने आ चुका है. जगन्नाथ के डायरेक्शन में बनी फिल्म, भले ही विजय देवरकोंडा (लाइगर) पर आधारित है मगर फिल्म की हीरोइन अनन्या भी काफी महत्वपूर्ण किरदार में हैं. अनन्या ने फिल्म में तान्या का किरदार निभाया है जो लाइगर के प्यार में है. अरे भाई वह एक ऐसे हीरो की प्रेमिका बनी है जो गरीब है, जिसकी मां ने उसे अकेले पाला है और वह हकलाता भी है. ऐसे में प्रेमिका के रोल के लिए किसी ऐसी एक्ट्रेस का चयन करना चाहिए था, जिसकी आंखें बोलती हों, जिसके भौहें इशारा करती हों, जिसकी आखों प्रेम से भीग जाती हों और जो बिना कुछ कहे कि अपने एक्सप्रेशन से मन की सारी बातें कह देती हो. जो सिर्फ मेकअप की मोम ना होकर एक महबूबा की तरह उसकी ढाल बनती है.

बॉस के इतिहास की सबसे महंगी कंटेस्टेंट रही हैं रिमी सेन को मिले थे 2 करोड़ 25 लाख

टेलीविजन जगत में यूं तो कई रियलिटी शोज का जलवा रहा है, लेकिन बिग बॉस इकलौता ऐसा शो है जो कई सालों से लगातार दर्शकों को एंटरटेन करता आ रहा है. इसमें टीवी से लेकर बॉलीवुड और टॉलीवुड सेलिब्रिटी तक हिस्सा लेते हैं. ऐसे में इस शो का हिस्सा बनी धूम, गोलमाल, हंगामा, गरम मसाला, क्योंकि जैसी हिट फिल्मों में अपने अभनिय का लोहा मनवा चुकीं एक्ट्रेस रिमी सेन काफी सालों से फिल्मों से दूर हैं, उन्हें पिछली बार साल 2015 में रियलिटी शो बिग बॉस के सीजन 9 में देखा गया था. रिमी सेन ने सलमान खान द्वारा होस्ट किए गए बिग बॉस सीजन 9 में हिस्सा लिया था. आपको जानकर हैरानी होगी कि रिमी बिग बॉस के इतिहास की सबसे महंगी कंटेस्टेंट में से एक हैं, हालांकि उन्होंने घर में ना अच्छे से टास्क किया था ना ही लोगों का मनोरंजन किया था. ऐसे में उनका सफर बेहद कम समय में समाप्त हो गया था. ऐसे में आइए जानते हैं आखिर कितनी थी उनकी फीस.

50 दिनों 2.25 करोड़ रुपए : बिग बॉस का हिस्सा बनने के सवाल

पर रिमी ने कहा, "देखिए जीवन में कुछ चीज़े हम नाम के लिए करते हैं और कुछ पैसों के लिए करते हैं. मैंने बिग बॉस केवल पैसों के लिए किया था. बिग बॉस मेकर्स ने मुझे 49 दिनों के लिए तकरीबन 2.25 करोड़ रुपए दिए थे और इतने कम समय के लिए कोई भी इतनी बड़ी रकम ऑफर नहीं करता इसलिए मैं बिग बॉस के घर में जाने के लिए राजी हो गई थी." रिमी ने 'हंगामा' और 'धूम' जैसी फिल्मों में काम किया है. लेकिन वो पिछले काफी समय से स्क्रीन से गायब हैं

सुरभि चंदना ने ऑफिशियल किया अपना रिश्ता! जानें कौन हैं करण शर्मा जिसे एक्ट्रेस कर रही हैं डेट

टीवी इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस सुरभि चंदना को तो आप जानते ही होंगे एक्ट्रेस भले ही इन दिनों टीवी पर किसी शो में नजर आ रही हों लेकिन वो अक्सर अपने से जुड़े अपडेट्स फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं. हालांकि बहुत ही जल्द वो कलर्स चैनल पर प्रसारित होने वाले शो 'शेरदिल शेरगिल' में नजर आने वाली हैं. इसी बीच सुरभि चांदना ने इंस्टाग्राम पर करण शर्मा संग एक फोटो शेयर की है. फैन्स यह सोच रहे हैं कि कहीं सुरभि चांदना, करण शर्मा को डेट तो नहीं कर रही है? हालांकि, एक्ट्रेस ने अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है, लेकिन अब लगता है कि अभिनेत्री ने अपने इस रिश्ते को स्वीकार करने का मन बना लिया है. हाल ही में सुरभि ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कर्ण शर्मा के साथ एक प्यारी सी तस्वीर शेयर की है और उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। इस तस्वीर में सुरभि नियॉन स्पेगेटी टॉप में नजर आ रही हैं। वहीं, कर्ण शर्मा व्हाइट टी शर्ट और डेनिम्स में पोज दे रहे हैं। इस फोटो में यह दोनों बहुत खुश नजर आ रहे हैं।

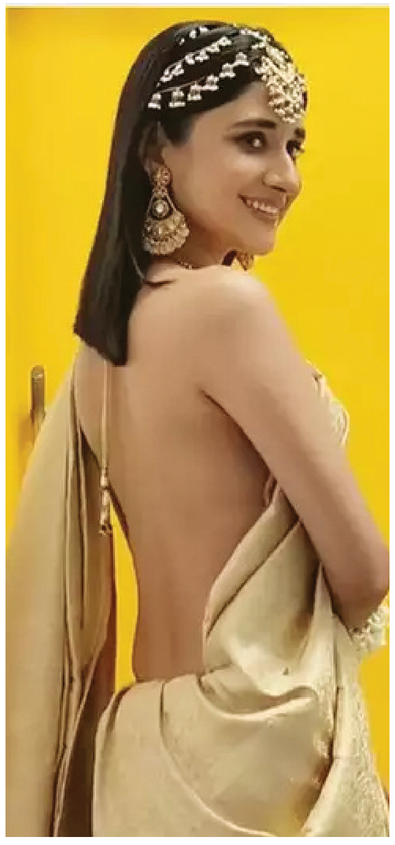

कनिका मान हुईं कैमरे के सामने टॉपलेस, दिलकश अदाओं का लगाया तड़का, लोगों ने की उर्फी जावेद से तुलना

खतरों के खिलाड़ी फेम कनिका मान का लेटेस्ट ग्लैमरस वीडियो सामने आया है जिसे देख दर्शकों को 440 वोल्ट का झटका लगा है। जी हां, इस वीडियो में कनिका ने अपने बोल्ड अवतार से चौंका दिया है। इस वीडियो को देख फिलहाल जमकर रिएक्ट कर रहे हैं और ये वीडियो खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वह टॉपलेस साड़ी वाले अंदाज में नजर आ रही हैं। फैंस का सिर भी उनका ये स्टाइल देख चकरा गया है। बता दें कनिका मान कई टीवी सीरियल्स और म्यूजिक एलबम में नजर आ चुकी हैं। हाल में ही वह रोहित शेट्टी के खतरों के खिलाड़ी सीजन 12 में भी नजर आई थीं और इसके बाद से वह काफी चर्चा में रहने लगी हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए इस वीडियो में कनिका मान बिना टॉप के साड़ी रैप कि नजर आ रही हैं। इस साड़ी के साथ उन्होंने हैवी ज्वैलरी कैरी की है। बड़ा सा गले में हार, माथा पट्टी और कंगन पहने हुए हैं। इस अवतार में वह और भी ज्यादा क्यूट लग रही हैं मगर उनका टॉपलेस अवतार यूजर्स का ध्यान खींच रहा है।

उर्फी जावेद से हुई तुलना

कनिका मान के इस हॉट वीडियो को देख यूजर्स जमकर रिएक्ट कर रहे हैं किसी ने फायर वाला इमोजी तो किसी ने दिल वाला इमोजी शेयर किया है। मगर कुछ ट्रोलर्स ने उनकी तुलना उर्फी जावेद से करना शुरू कर दिया। हालांकि ऐसे यूजर्स भी बहुत थे जिन्होंने कनिका की स्माइल और क्यूटनेस की काफी तारीफ की।

कौन हैं कनिका मान

कनिका का निक नेम कन्नू है जो कि पेशे से एक्ट्रेस और मॉडल हैं। उन्होंने गुड्डन तुमसे न हो पाएगा, बढ़ो बहू जैसे सीरियल में काम किया है तो वहीं पंजाबी फिल्म रॉकी मेंटल में भी नजर आ चुकी हैं। कनिका का जन्म पानीपत में हुआ और उन्होंने लॉ की पढ़ाई की हुई है।

बोल्ड और बिंदास 'बबली बाउंसर' के किरदार में तमन्ना

मधुर भंडारकर के निर्देशन में बनी तमन्ना भाटिया की फिल्म 'बबली बाउंसर' 23 सितंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने जा रही है. इसका मजेदार ट्रेलर आज रिलीज कर दिया गया है, जिसमें तमन्ना को एक नए अवतार में देखा जा सकता है. नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्म मेकर मधुर भंडारकर ने फिल्में भले ही कम बनाई हैं, लेकिन उनकी अधिकतर फिल्मों का परफॉर्मेंस शानदार रहा है. सबसे अच्छी बात ये है कि उनकी फिल्में किसी न किसी सामाजिक विषय या समस्या पर आधारित होती हैं. इसके बावजूद उनका बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस तमाम कमर्शियल फिल्मों की तुलना में बेहतर होता है. उदाहरण के लिए उनके करियर की तीसरी फिल्म 'चांदनी बार' (2001) को ही ले लीजिए. इस फिल्म की कहानी दंगे का शिकार हुई एक लड़की की जिंदगी पर आधारित है, जिसे मजबूरी में मुंबई के बार में काम करना पड़ता है. इस फिल्म को चार नेशनल अवॉर्ड मिले थे. इसके बाद 'सत्ता', 'पेज 3', 'फैशन', 'ट्रैफिक सिंगनल', 'हीरोइन' और 'इंदू सरकार' जैसी फिल्मों की सफलता मधुर की उपलब्धियों की कहानी कहती है. 5 साल बाद अब उनकी नई फिल्म 'बबली बाउंसर' 23 सितंबर को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने जा रही है.

पैसों की कमी के कारण पापा नहीं पूरा कर पाए अपना ये सपना : खुशाली कुमार

संगीत की खुद को एक ब्रैंड बनाने वाले गुलशन कुमार की बेटी खुशाली कुमार बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। खुशाली को पहली फिल्म मिली है 'धोखा- राउंड डी कॉर्नर', जिसमें वह आर. माधवन जैसे शानदार एक्टर के ऑपोजिट नजर आनेवाली हैं। हाल ही में इस फिल्म का टीजर लॉन्च इवेंट रखा गया, जिसमें खुशाली ने अपने पिता के संघर्ष के दिनों का दिल छू जानेवाला किस्सा सुनाया।

खुशाली ने सुनाया- पापा पैसों की वजह से नहीं पूरा कर सके अपना सपना

खुशाली ने यह भी बताया कि उन्होंने करियर के रूप में अपने लिए अभिनय को क्यों चुना है। खुशाली ने अपने पिता गुलशन कुमार से जुड़ा एक ऐसा किस्सा शेयर किया जो काफी इमोशनल करने वाला है। खुशाली ने पिता के स्ट्रगल की कहानी शेयर करते हुए कहा, ' मेरे पापा एक एक्टर बनने के लिए मुंबई आए थे, लेकिन तब परिस्थितियां बहुत अलग थीं और पैसे और अन्य सुविधाओं की कमी के कारण वह अपनी इच्छा पूरी नहीं कर सके और उन्हें दिल्ली वापस लौटना पड़ा। तो यह वास्तव में मेरे पिता का सपना है क्योंकि उन्होंने ऐसी नई प्रतिभाओं के लिए एक कंपनी बनाने की कल्पना की थी और मेरे लिए उनका ये सपना पूरा करना एक बहुत गर्व की बात है और इसके लिए मैं खुद को बहुत लकी महसूस करती हूं।'

कभी दिल्ली में दरियागंज मार्केट में होती थी जूस की दुकान

बता दें कि एक वो भी दौर था जब गुलशन कुमार अपने पिता के साथ दिल्ली के दरियागंज मार्केट में जूस की दुकान चलाया करते थे। हालांकि, बचपन से ही वह कुछ अलग करने का सपना देख रहे थे। म्यूजिक को लेकर उन्हें एक अलग शौक था और इसी वजह से उन्होंने जूस वाला काम छोड़कर दिल्ली में ही कैसेट्स बेचने का काम शुरू किया। इसके बाद वह अपनी आवाज में गाने रिकॉर्ड करके काम दाम में बेचना शुरू किया। काम अच्छा चल गया और फिर उन्होंने अपना खुद का सुपर कैसट इंडस्ट्री नाम से ऑडियो कैसट्स ऑपरेशन खोला और फिर नोएडा में अपनी प्रॉडक्शन कंपनी खोली और फिर वे मुंबई शिफ्ट हुए।

23 सितंबर 2022 को होगी रिलीज

फिल्म 'धोखा' में खुशाली और आर. माधवन के अलावा अपारशक्ति खुराना और दर्शन कुमार भी हैं। फिल्म 23 सितंबर 2022 को देश भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

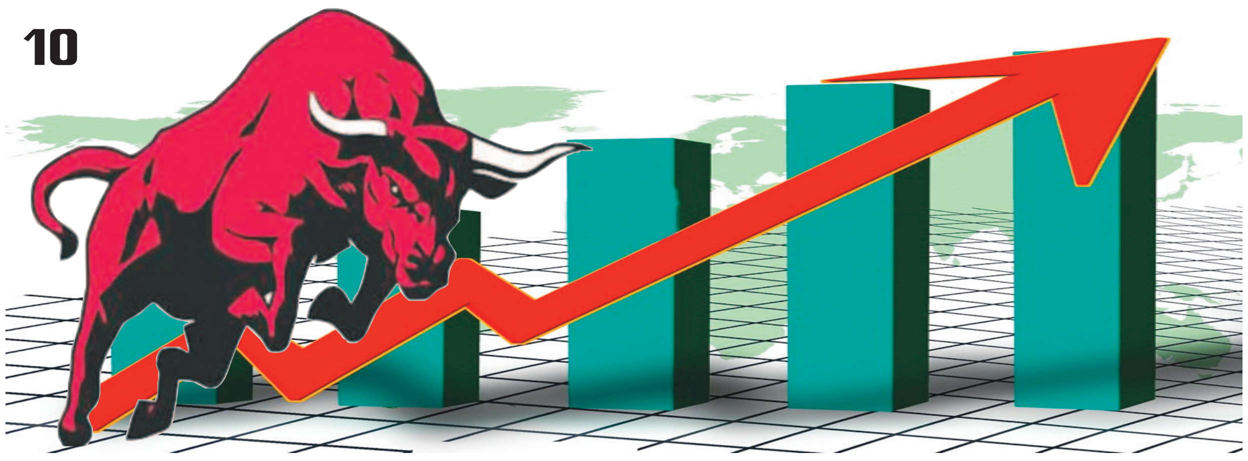

आयकर विभाग के आंकड़े: प्रत्यक्ष कर में 35 फीसदी वृद्धि, गाड़ियों की बिक्री 21 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। प्रत्यक्ष कर संग्रह मौजूदा वित्त वर्ष में 35.46 फीसदी बढ़कर 6.48 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इसमें व्यक्तिगत आयकर भी शामिल है। यह संग्रह 2022-23 के लिए प्रत्यक्ष करों के कुल बजट अनुमान का 37.24 फीसदी है। आयकर विभाग के मुताबिक, एक अप्रैल से 8 सितंबर, 2022 तक रिफंड घटाने के बाद प्रत्यक्ष कर संग्रह 5.29 लाख करोड़ रुपये रहा। यह विगत समान अवधि के शुद्ध संग्रह से 30.17 फीसदी अधिक है। इस दौरान 1.19 लाख करोड़ रुपये के रिफंड दिए गए, जो पिछले साल से 65.29% ज्यादा है। व्यक्तिगत आयकर में 44.37 फीसदी व कॉरपोरेट कर में 25.95 फीसदी इजाफा हुआ है। 2022-23 के लिए 14.20 लाख करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष कर जुटाने का लक्ष्य रखा है। सेमीकंडक्टर की आपूर्ति में सुधार और त्योहारी मांग से अगस्त में यात्री वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 21 फीसदी बढ़कर 2,81,210 इकाई पहुंच गई। सियाम के मुताबिक, इस दौरान सभी श्रेणी के वाहनों की बिक्री 18 फीसदी बढ़ गई।

ट्विटर ने व्हिसलब्लोअर से की 70 लाख डॉलर में डील'

मस्क बोले- सौदा तोड़ने का कारण ये भी

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर के साथ 44 मिलियन डॉलर की डील तोड़ने से जुड़ी कानूनी लड़ाई के बीच अरबपति एलन मस्क ने कहा है कि ट्विटर ने उसके एक पूर्व कर्मचारी जो व्हिसलब्लोअर बन गया के साथ करोड़ों डॉलर की डील की थी।

यह भी एक प्रमुख कारण था जिसके कारण उन्होंने माइक्रोब्लॉगिंग साइट के साथ डील तोड़ दी। मस्क की ओर से यह बयान वॉल स्ट्रीट जर्नल की उस रिपोर्ट के बाद आया है जिसमें कहा गया है कि ट्विटर ने एक विवाद के निपटारे के लिए व्हिसलब्लोअर को सात मिलियन डॉलर भुगतान करने का फैसला लिया है। एलन मस्क के वकीलों ने सोशल मीडिया कंपनी को एक पत्र में कहा, 'पीटर जटको (व्हिसलब्लोअर) और उनके वकीलों को 7.75 मिलियन डॉलर का भुगतान करने से पहले ट्विटर ने उनकी सहमति नहीं ली। इससे विलय समझौते का उल्लंघन हुआ। मस्क से बातचीत की प्रक्रिया के दौरान ट्विटर के लिए ऐसा करना प्रतिबंधित था। बता दें कि पीटर जटको इस साल की शुरुआत तक ट्विटर के सुरक्षा प्रमुख के रूप में कार्य कर रहे थे। उन्होंने सोशल मीडिया फर्म पर यह झूठ बोलने का आरोप लगाया कि उसके पास सुरक्षा के लिए एक ठोस योजना है। उन्होंने यह भी दावा किया था साइबर सुरक्षा के बारे में कंपनी नियामकों को जो बता रही है वे भ्रामक हैं। पीटर के अनुसार कंपनी ने गलत सूचना फैलाने वाले फर्जी खातों को जड़ से खत्म करने के लिए होने वाली कोशिशों की अनदेखी की। बता दें कि टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ ने एलन मस्क ने ट्विटर के साथ डील तोड़ने की घोषणा करते हुए कहा था कि ट्विटर पर 'बॉट्स, स्पैम और फर्जी अकाउंट' हैं, जिस कारण उन्हें टेकओवर डील को समाप्त करने के लिए मजबूर होना पड़ा। इससे पहले मंगलवार को मस्क ने ट्विटर पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया था कि उनके ट्वीट पर 90 फीसदी कमेंट्स असल में बॉट या स्पैम रिप्लाई हैं।

आयकर विभाग ने कहा

'वारंट एक्ससाइज करने पर कोई रोक नहीं', आरआरपीआर का दावा खारिज

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। आयकर विभाग ने कहा है कि एनडीटीवी की प्रमोटर ग्रुप फर्म आरआरपीआर होल्डिंग को वीसीपीएल को दिए गए वारंट्स को इक्विटी शेयर में बदलने के लिए उसकी ओर से हरी झंडी लेने की जरूरत नहीं है। आयकर विभाग की ओर से यह नोटिफिकेशन शुक्रवार को जारी किया गया है। बता दें कि वीसीपीएल (विश्वप्रधान कमर्शियल प्रा लि) अदाणी इंटरप्राइजेस की सब्सिडियरी है। जिसकी ओर से पिछले दिनों आरआरपीआर से मिले वारंट्स को इक्विटी शेयर्स में बदलने की बात कही गई थी। बीते 23 अगस्त को वीसीपीएल की ओर से आरआरपीआर होल्डिंग एक नोटिस भेजकर कहा गया था कि वह उसकी ओर से वर्ष 2009 में जारी वारंट्स को इक्विटी शेयर्स में बदल रही है। जिसके बाद से आरआरपीआर पर उनका 99.5% प्रतिशत कंट्रोल हो जाएगा। स्टॉक एक्सचेंज को भेजे गए एक ताजा नोटिफिकेशन में वीसीपीएल ने कहा था कि उसने आयकर विभाग से इस संबंध में स्थिति साफ करने को कहा है। बताया जा रहा है कि आयकर विभाग ने उसी के जवाब में यह कहा है कि आरआरपीआर पर वारंट्स को इक्विटी शेयर में बदलने के मामले में उसकी ओर से कोई बंदिश नहीं लगाई गई है। अतिरिक्त आयकर आयुक्त की ओर से यह नोटिफिकेशन जारी किया गया है। बता दें कि पिछले हफ्ते आरआरपीआर की ओर से कहा गया था कि उसे अपनी ओर से जारी वारंट्स को एक्सरसाइज करने के लिए, जो कि इक्विटी शेयर के रूप में 29.18% है आयकर विभाग ही इजाजत की जरूरत होगी। उसके बाद अदाणी इंटरप्राइजेज की ओर से आरआरपीआर होल्डिंग की ओर से किए गए इस दावे को खारिज करते हुए कहा गया था कि ये दावे योग्यता आधारित या कानून आधारित नहीं हैं। यह उनकी ओर से गलत बात कही जा रही है। एक्सचेंज फाइलिंग के दौरान कंपनी की ओर से कहा गया था कि 281बी के तहत जारी किया गया आयकर विभाग का आदेश केवल एनडीटीवी के उन शेयरों के लिए है जो आरआरपीआर के पास हैं। यह आरआरपीआर की ओर से वीसीपीएल को दिए वारंट्स को इक्विटी शेयर में बदलने की औपचारिक प्रक्रिया पर रोक नहीं लगाते हैं।

तीन माह की राहत के बाद फिर बढ़ सकती है महंगाई

सर्वे में दावा- आपूर्ति प्रभावित, बढ़ीं खाद्य कीमतें

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। खुदरा महंगाई में तीन महीने से जारी नरमी का सिलसिला अगस्त में थम सकता है। रॉयटर्स के सर्वे में कहा गया है कि खाद्य कीमतें बढ़ने की वजह से अगस्त में खुदरा महंगाई की दर एक बार फिर 6.9 फीसदी के स्तर पर पहुंच सकती है। जुलाई में खुदरा महंगाई दर 6.71 फीसदी थी। सर्वे में शामिल 45 अर्थशास्त्रियों ने खुदरा महंगाई के 6.3 फीसदी से लेकर 7.37 फीसदी तक रहने का अनुमान जताया है। इनमें एक चौथाई का मानना है कि अगस्त में महंगाई दर 7 फीसदी से ऊपर पहुंच जाएगी। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि अगस्त में खाद्य कीमतों में तेज उछाल देखने को मिला है। बढ़ती गर्मी से आपूर्ति पर असर पड़ा है, जिससे अनाज, दालों और सब्जियों की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिला। आरबीआई नीतिगत ब्याज दरों को लेकर अपनी मौद्रिक समीक्षा में खुदरा महंगाई के आंकड़ों पर नजर रखता है। आशंका है कि अगर महंगाई अनुमान से तेज बढ़ती है तो केंद्रीय बैंक दरों को लेकर और सख्त रुख अपना सकता है। सरकार अगस्त के लिए खुदरा महंगाई के आंकड़े 12 सितंबर को जारी कर सकती है। महंगाई पर काबू पाने के लिए आरबीआई इस साल मई से लेकर अब तक नीतिगत ब्याज दरों में 1.4 फीसदी की बढ़ोतरी कर चुका है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने एक और कंपनी खरीदी

रिलायंस पेट्रोलियम रिटेल ने शुभलक्ष्मी पॉलिएस्टर्स का अधिग्रहण किया, 1,592 करोड़ रुपए में खरीदा

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज की सब्सिडरी रिलायंस पेट्रोलियम रिटेल ने शनिवार को शुभलक्ष्मी पॉलिएस्टर्स और शुभलक्ष्मी पॉलीटेक्स को खरीद लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिलायंस पेट्रोलियम रिटेल ने एसपीएल और एसपीएलएसपीटेक्स के पॉलिएस्टर कारोबार को 1,522 करोड़ रुपए और 70 करोड़ रुपए में खरीदा है। यह डील कॉम्पिटिशन कमिशन ऑफ इंडिया और एसपीएल-एसपीटीएक्स के रिलेटेड लेंडर्स के अप्रूवल के अधीन है। एसपीएल में लगातार हर साल लगभग 2,52,000एमटी पॉलीमर प्रोड्यूस करने की कैपेसिटी है। इसके अलावा एसपीएल पॉलिएस्टर फाइबर, यार्न और टेक्सटाइल ग्रेड चिप्स भी प्रोड्यूस करती है। एसपीएल की दाहेज (गुजरात) और सिलवासा (दादरा और नगर हवेली) में 2 प्रोडक्शन यूनिट हैं। इसके अलावा दाहेज में एसपीईएलएसपीटीएक्स की भी एक प्रोडक्शन यूनिट है, जहां पर टेक्सचराइज्ड यार्न का प्रोडक्शन होता है। रिलायंस पेट्रोलियम रिटेल अपने डाउनस्ट्रीम पॉलिएस्टर कारोबार में ग्रोथ की स्ट्रेटजी के तहत यह अधिग्रहण कर रही है। फाइनेंशियल ईयर 2019, 2020 और 2021 में एसपीएल का टर्नओवर 2702.50 करोड़, 2249.08 करोड़ और 1768.39 करोड़ रुपए रहा था। जबकि इसी अवधि में एसपीएलएसपीटेक्स का टर्नओवर 337.02 करोड़, 338.00 करोड़ और 267.40 करोड़ रुपए रहा था।

कच्चा तेल सस्ता फिर भी क्यों बढ़ रहे पेट्रोल-डीजल के दाम? पेट्रोलियम मंत्री ने बताई वजह

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। इन दिनों अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की जा रही है। कच्चे तेल के दाम पिछले 7 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। आज ब्रेंट क्रूड ऑयल 92 डॉलर प्रति बैरल के आस-पास ट्रेड कर रहा है। इसके बावजूद देश में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर हैं। इस बीच पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया है कि आखिर कच्चे तेल की कीमतें कम होने के बाद भी पेट्रोल-डीजल सस्ता क्यों नहीं हो रहा है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि भारतीय तेल कंपनियां पेट्रोल और डीजल की दामों में ज्यादा कटौती नहीं करने वाली है। उनका कहना है कि तेल कंपनियों को अपने नुकसान की भरपाई के लिए अभी और समय चाहिए। एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया ने उनसे सवाल किया कि कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट को देखते हुए देश में पेट्रोल-डीजल सस्ता हो सकता है? इस सवाल का जवाब देते हुए पेट्रोलियम मंत्री ने बताया कि विकसित देशों में जहां जुलाई-अगस्त के बीच ईंधन की कीमतों में 40 फीसदी तक का इजाफा हुआ, वहीं भारत में करीब 2 ।12 फीसदी दाम कम हुए। ऐसे में तेल कंपनियों को नुकसान हुआ। अब कंपनियां नुकसान की भरपाई करने के लिए दामों को बढ़ाने का काम जारी रख सकती हैं। आपको बता दें कि पिछले महीने आई एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी तेल कंपनी इंडियन ऑयल ने घाटे में पेट्रोल-डीजल बेचा। कंपनी ने 10 रुपये प्रति लीटर के घाटे से पेट्रोल और 15 रुपये प्रति लीटर घाटे से डीजल बेचा था। हालांकि अब कंपनी घाटे से उबर गई है। लेकिन माना जा रहा है कि नुकसान की भरपाई करने के लिए पेट्रोल-डीजल की कीमतें नहीं कम की जाएंगी।

केरल में ओणम के दौरान दूध-दही की बिक्री का रिकॉर्ड

पिछले वर्ष की तुलना में इतनी बढ़ी खपत

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। केरल की स्वामित वाली दुग्ध सहकारिता समिति मिल्मा ने इस वर्ष ओणम के मौके पर अब तक की रिकार्ड (अब तक सबसे अधिक) दूध, दही और उससे बने उत्पादों की बिक्री की है। इस वर्ष ओणम का त्योहार चार से सात सितंबर के बीच मनाया मनाया गया। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष इस दौरान दूध और उससे बने उत्पादों की बिक्री में बड़ी वृद्धि हुई है। मिल्मा की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार इस दौरान कुल 94,59,576 लीटर दूध की बिक्री की गई जो पिछले वर्ष के ओणम की तुलना में 11.12% अधिक है। आठ सितंबर को थिरुवोणम के दिन सबसे अधिक 35,11,740 लीटर दूध की बिक्री की गई। इस दिन दूध की बिक्री में पिछले वर्ष की तुलना में 7.03% की वृद्धि दर्ज की गई। बता दें कि केरल को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन को उसके ट्रेड नेम मिल्मा के नाम से जाना जाता है। यह राज्य सरकार के स्वामित्व वाली सहकारी समिति है। मिल्मा की ओर से यह भी कहा गया है कि इस वर्ष ओणम पर दही की बिक्री भी रिकॉर्ड स्तर पर रही। मिल्मा के चेयरमैन केएस मणि ने कहा कि सामूहिक प्रयासों और अपने उत्पादों पर उपभोक्ताओं के भरोसे के कारण संस्था यह रिकॉर्ड तोड़ उपलब्धि हासिल करने में सफल रही है।

सोना-चांदी हुआ महंगा, जानें पूरे हफ्ते के सर्राफा बाजार का हाल

नई दिल्ली। भारतीय सर्राफा बाजार में सोना की साप्ताहिक कीमतों में तेजी आई है। वहीं चांदी भी महंगी हुई है। इस कारोबारी हफ्ते में सोने के भाव में 107 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी दर्द की गई है जबकि चांदी के भाव में 1,337 रुपये प्रति किलोग्राम का उछाल आया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन यानी आईबीजेए की वेबसाइट के मुताबिक, इस बिजनेस वीक (22 से 26 अगस्त) की शुरुआत में 24 कैरेट सोने का रेट 50,770 था, जो शुक्रवार तक बढ़कर 50,877 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है। वहीं, 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 53,363 से बढ़कर 54,700 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया है।

आईबीजेए द्वारा जारी किए गए दरें देशभर में सर्वमान्य

गौरतलब है कि आईबीजेए की ओर से जारी कीमतों से अलग-अलग शुध्दता के सोने के स्टैंडर्ड भाव की जानकारी मिलती है। ये सभी दाम टैक्स और मेकिंग चार्ज के पहले के हैं। आईबीजेए द्वारा जारी किए गए दरें देशभर में सर्वमान्य हैं लेकिन इसकी कीमतों में जीएसटी शामिल नहीं होती है। पिछले हफ्ते सोना-चांदी निचले स्तर से सुधरा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने की कीमत 0 ।132 फीसदी बढ़कर 50529 के स्तर पर बंद हुई। स्पॉट सोना 0 ।128 फीसदी बढ़कर 1716 ।20 डॉलर के स्तर पर बंद हुआ। एमसीएक्स पर चांदी की कीमतों में 3 ।182 फीसदी की वृद्धि हुई और यह 55050 के स्तर पर बंद हुआ। स्पॉट चांदी की कीमतें निचले स्तर से उबरीं और 4 ।135 फीसदी की तेजी से बढ़कर 18 ।181 डॉलर के स्तर पर बंद हुई। आईआईएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं, "हम उम्मीद कर रहे हैं कि आने वाले सप्ताह में सोना और चांदी पॉजिटिव ट्रेड कर सकते हैं। सोने को 50100 ($1700) पर सपोर्ट और 50900 ($1735) के स्तर पर रेजिस्टेंस मिल सकता है। चांदी को 54500 ($18) पर सपोर्ट और 56500 ($19 ।50) के स्तर पर रेजिस्टेंस मिल सकता है।

इन शहरों से होकर गुजरेगा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे

यहां बढ़ सकते हैं प्लॉट और प्रॉपर्टी के दाम

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे का 70 फीसदी से ज्यादा काम पूरा हो चुका है और अगले साल तक यह शुरू हो जाएगा। सड़क और परिवहन मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। 98,000 करोड़ रुपये के इस मेगा प्रोजेक्ट से ना सिर्फ दिल्ली से मुंबई का सफर आसान होगा बल्कि इस पूरे बेल्ट में रियल इस्टेट सेक्टर को लेकर डिमांग बढ़ेगी। यह एक्सप्रेस-वे 1350 किलोमीटर लंबी होगा , जो कि दिल्ली को नवी मुंबई में जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह से जोड़ेगा। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे सरकार की एक महत्वकांक्षी परियोजना है जो कि देश में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस प्रोजेक्ट के चलते रियल इस्टेट डेवलपमेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर, एग्रीकल्चर और इंडस्ट्रीयल मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में बेहतर अवसर पैदा होंगे और इनसे जुड़ी योजनाओं को बढ़ावा मिलेगा। इस प्रोजेक्ट के शुरू हो जाने के बाद दिल्ली से साउथ की ओर जाने वाले ट्रैफिक का 50% हिस्सा डायवर्ट हो जाएगा। यह एक्सप्रेसवे दुनिया की सबसे बड़ी रोडवेज परियोजनाओं में से एक है और इसके निर्माण में 80 मिलियन टन सीमेंट और 10 मिलियन टन स्टील लगा है। एक्सप्रेस-वे के चलते कई शहरों में बिजनेस पार्क, लॉजिस्टिक पार्क और टाउनशिप में व्यवस्थित निवेश को बढ़ावा मिलेगा। वहीं आसपास के क्षेत्र में कपड़ा, टेक्सटाइल, केमिकल और कृषि-उद्योग विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। व्यापार और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए बड़े पैमाने पर लॉजिस्टिक प्रोजेक्ट्स को विकसित किया जाएगा। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे से इंडियन रियल इस्टेट सेक्टर की ग्रोथ बढ़ेगी। क्योंकि हाउसिंग प्रोजेक्ट, टाउनशिप, वेयर हाउस और कमर्शियल प्रॉपर्टी के विकसित होने से डिमांड बढ़ेगी। यह विशाल एक्सप्रेसवे गुरुग्राम, अलवर, कोटा, रतलाम, नीमच, वडोदरा जैसे कई शहरों से होकर गुजरेगा। यहां से अन्य बड़े शहर जैसे अहमदाबाद, भोपाल, इंदौर आदि भी ज्यादा दूरी पर नहीं होंगे। हालांकि कुछ इलाकों में पहले से ही प्रॉपर्टी की मांग में तेजी आ गई है।

इसमें हरियाणा में सोहना और फरीदाबाद जैसे शहर शामिल हैं। जैसे-जैसे यह प्रोजेक्ट पूरा होगा नये शहरों में प्रॉपर्टी और टाउनशिप में निवेश में तेजी आएगी।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार दो वर्षों के निचले स्तर पर

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 553.105 अरब डॉलर रह गया

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। दो सितंबर को खत्म हुए हफ्ते में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में साप्ताहिक आधार पर 7.941 अरब डालर की कमी आई है। अगस्त के महीने में विदेशी मुद्रा भंडार में बड़ी कमी देखने को मिली है। डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी से निपटने के लिए आरबीआई ने बड़ी मात्रा में डॉलर बेचे हैं जिसके कारण देश के विदेशी मुद्रा भंडार में यह कमी दर्ज की गई है। दो सितंबर को खत्म हुए हफ्ते के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 23 महीने के सबसे न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया। इस हफ्ते के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार के सभी घटकों में गिरावट दिखी। सबसे ज्यादा कमी फॉरेन करेंसी असेट में दिखी। आरबीआई की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक दो सितंबर को खत्म हुए हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 553.105 अरब डॉलर रह गया। इसमें पिछले हफ्ते की तुलना में 7.941 अरब डॉलर की कमी आई। इससे पहले 26 अगस्त को समाप्त हुए हफ्ते के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 561.046 अरब डॉलर था। बता दें कि देश में दो सितंबर 2022 को खत्म हुए हफ्ते में विदेश मुद्रा भंडार 09 अक्टूबर 2020 के बाद सबसे निचले स्तर पर था। इस हफ्ते के दौरान एफसीए में 6.527 अरब डॉलर की गिरावट आई और यह 492.117 अरब डॉलर पर रहा। गौरतलब है कि विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक एफसीए ही होता है। इससे पहले 26 अगस्त को समाप्त हुए हफ्ते के दौरान एफसीए 498.645 अरब डॉलर था। दो सितंबर को समाप्त हुए सप्ताह में देश के गोल्ड रिजर्व में 1.339 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गई और यह 38.303 अरब डॉलर रहा। वहीं दूसरी ओर एसडीआर में साप्ताहिक आधार पर पांच अरब डॉलर की गिरावट दिखी और यह 17.782 अरब डॉलर रहा। इस दौरान आईएमएफ में देश की रिजर्व पोजिशन 2.4 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 4.902 अरब डॉलर रहा। बता दें कि बीते छह सितंबर को जेफरीज नामक एजेंसी ने अपनी ओर से जारी एक नोट में कहा था कि भारत को अपने विदेशी मुद्रा भंडार पर नजर बनाए रखने की जरूरत है। इस नोट में यह भी कहा गया है कि भारत का व्यापार घाटा बीते कुछ समय में अपने रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इसी तरह चालू खाते का घाटा भी वित्तीय वर्ष 2022-23 में 3.5 फीसदी पर है जो एक दशक के उच्चतम स्तर की ओर बढ़ रहा है।

नई वंदे भारत ने बुलेट ट्रेन का रिकॉर्ड तोड़ा

52 सेकेंड में 0-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ी; अहमदाबाद से मुंबई 5 घंटे में पहुंची

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। देश की पहली सेमी हाई स्पीड और नई वंदे भारत ट्रेन ने टेस्ट रन के दौरान नया रिकॉर्ड बनाया है। इस ट्रेन ने 52 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ी, जिससे इसने बुलेट ट्रेनों को पीछे छोड़ दिया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकारी दी। यह देश की तीसरी वंदे भारत ट्रेन है। जिसे अहमदाबाद-मुंबई रूट पर चलाया जाएगा। वैष्णव ने कहा कि वंदे भारत ट्रेन का तीसरा टेस्टिंग ट्रायल पूरा हुई। इसने 52 सेकेंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ी, जबकि बुलेट ट्रेन इस रफ्तार को हासिल करने में 54.6 सेकेंड का टाइम लेती है। नई ट्रेन की अधिकतम स्पीड 180 किलोमीटर प्रति घंटा है, जबकि पुरानी वंदे भारत ट्रेन की अधिकतम स्पीड 160 किलोमीटर प्रति घंटा है।

अहमदाबाद से मुंबई 5 घंटे में पहुंची

नई वंदे भारत ट्रेन का शुक्रवार को अहमदाबाद-मुंबई के बीच ट्रायल किया गया। यह ट्रेन अहमदाबाद से सूरत मात्र 2 घंटे 32 मिनट में पहुंच गई, जबकि शताब्दी एक्सप्रेस को तीन घंटे लग जाते हैं। अहमदाबाद से सुबह 7.06 बजे रवाना हुई और सूरत स्टेशन पर सुबह 9.38 बजे पहुंची। यहां से बिना रुके मुंबई सेंट्रल दोपहर 12.16 बजे पहुंच गई। ट्रेन को अहमदाबाद से मुंबई के बीच 492 किमी तय करने में मात्र 5 घंटे 10 मिनट का वक्त लगा, जबकि शताब्दी एक्सप्रेस अहमदाबाद से मुंबई सेंट्रल पहुंचने में कुल 6 घंटे 20 मिनट का वक्त लेती है।

वंदे भारत ट्रेन की खासियत

रेलवे मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस की नई डिजाइन में फोटोकैटेलिटिक एयर प्यूरीफायर सिस्टम है, जो 99% कीटाणुओं और वायरस को मार सकती है। वंदे भारत ट्रेन में प्लेन जैसी खूबियां हैं। एसी, टीवी, ऑटोमैटिक दरवाजे, हाइक्लास पेंट्री और वॉशरूम इस ट्रेन में सब कुछ है। वंदे भारत पूरी तरह से मेड इन इंडिया है। ट्रेन में सेल्फ प्रोपेल्ड इंजन है, यानी अलग से इंजन लगा हुआ नहीं होता। एग्जीक्यूटिव कोच की सीटें 180 डिग्री तक घूम सकती हैं, ठीक वैसे ही जैसे विस्टाडोम की सीट घूमती हैं। नई ट्रेन में इसकी क्वालिटी और राइडिंग इंडेक्स में सुधार हुआ है। इन मापदंडों पर ट्रेन का स्कोर 3. 2 है, जबकि विश्व स्तर पर सबसे अच्छा स्कोर 2. 9 है।' मंत्रालय को उम्मीद है कि अक्टूबर से हर महीने वंदे भारत ट्रेनों के नए बैच शुरू होंगे।

राजस्थान में बीजेपी अपनाएगी 8 साल पुराना यूपी फॉर्मूला

2 रणनीति, मारवाड़ से शुरुआत, बिना सीएम फेस लड़ सकते हैं चुनाव

जोधपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सवा साल बाद होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने मेगा प्लान तैयार कर लिया है। इसकी शुरुआत जोधपुर से हो चुकी है। आज अमित शाह बूथ लेवल तक के कार्यकर्ताओं में जोश का मंत्र फूंकने वाले हैं।

राजस्थान में जीत के लिए पार्टी यूपी फार्मूला लागू करेगी। इधर, प्रदेश के ओबीसी वोट बैंक को भी साधने की तैयारी की जा रही है। इसकी बड़ी वजह यह है कि राजस्थान में 50 से ज्यादा सीटों पर ओबीसी विधायक चुनकर आते हैं। वहीं, सिर्फ जोधपुर संभाग में 15 ओबीसी विधायक हैं, जिनमें 11 कांग्रेस और 4 भाजपा के हैं। ऐसे में इस बड़े वोट बैंक को साधने में बीजेपी जुट गई है।

बीजेपी यूपी प्लान के तहत दो रणनीति पर काम कर रही है। इसमें पार्टी के पदाधिकारियों से लेकर बूथ कार्यकर्ता और वोटर तक को साधने का प्लान तैयार किया गया है। इसके साथ ही यूपी की तर्ज पर बिना सीएम फेस के ही चुनाव लड़ेगी। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चेहरा ही सामने रखा जाएगा।

पार्टी ऐसे स्टेट को फोकस कर रही है, जहां भाजपा की सरकार नहीं है। वहीं बूथ लेवल तक पार्टी के मैसेज और प्लानिंग को पहुंचाने के लिए सोशल इंजीनियरिंग पर काम किया जा रहा है।

इधर, पार्टी इसकी शुरुआत तो मारवाड़ से कर रही है, लेकिन दिवाली के बाद पूरे राजस्थान में सम्मेलन और रैलियां करने का प्लान तैयार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि इन रैलियों और सम्मेलन में पीएम मोदी और नड्डा भी आ सकते हैं।

पार्टी चुनाव से पहले एक्शन मोड में भी है। ऐसे में एक्टिव मेंबर को बूथ तक जोड़कर इनएक्टिव मेंबर को रिप्लेस करने की भी तैयारी कर रही है।

क्या है यूपी फॉर्मूला

– 2014 लोकसभा में अमित शाह के पास यूपी का चार्ज था। उस समय एक इनोवेशन शुरू किया। इस प्लान के तहत सबसे ज्यादा महत्व बूथ लेवल के कार्यकर्ता को दिया।

– इसके लिए प्रत्येक बूथ पर पार्टी को समर्पित दस कार्यकर्ताओं की फोर्स तैयार की गई। एक बूथ के दायरे में करीब 1 हजार से 1200 वोटर होते हैं।

– प्रत्येक कार्यकर्ता के जिम्मे पचास से साठ मतदाता आते हैं। ये कार्यकर्ता उन मतदाताओं के संपर्क में रहता है। उन मतदाताओं को पार्टी की रीति-नीति के बारे में जानकारी देते हैं।

नतीजा: शाह की इस रणनीति पर काम किया सुनील बंसल ने। इसी फॉर्मूले का नतीजा रहा कि यूपी में 2014 के बाद हुए लोकसभा व विधानसभा चुनाव में पार्टी लगातार जीत हासिल करती रही। भाजपा ने मारवाड़ के रास्ते वागड़, मेवाड़ और अजमेर के रास्ते जयपुर पहुंच प्रदेश की सत्ता पर काबिज होने का प्लान तैयार कर लिया है।

मोदी-शाह के अलावा भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की अगले 2-3 महीने में राजस्थान में बड़ी रैलियां करने का खाका तैयार किया जा रहा है। इसके लिए राजस्थान के प्रमुख 4 हिस्सों को चुना गया है।

राजस्थान में अब एक्शन प्लान के तहत तैयारी

कहने को तो राजस्थान में यह प्रयोग पहले भी आजमाया गया, लेकिन ढिलाई के साथ। अब शाह खुद पूरे मामले को देख रहे हैं। वे संगठन के पदाधिकारियों से लगातार फीडबैक लेंगे। शाह राजस्थान में पार्टी के वर्कफोर्स को कॉर्पोरेट वर्किंग स्टाइल में ढालने के प्रयास में जुटे हैं ताकि पार्टी नेतृत्व का कोई भी मैसेज चंद मिनट में बूथ लेवल के कार्यकर्ता तक पहुंच सके।

प्रदेश में पार्टी ने प्रत्येक बूथ पर अपने कार्यकर्ताओं को जोड़ दिया है। पार्टी संगठन में मंडल पदाधिकारियों का महत्व बढ़ाया गया है। एक मंडल में 61 पदाधिकारी होते हैं। इसके अलावा सात अलग-अलग मोर्चे भी हैं। प्रत्येक मोर्चे में बीस-बीस पदाधिकारी। ऐसे में प्रत्येक मंडल पदाधिकारी के अधीन बीस बूथ लेवल कार्यकर्ताओं को जोड़ा गया है।

शाह के राजस्थान में तीन एजेंडे

अमित शाह शनिवार को जोधपुर आ रहे हैं। ऐसे में तीन एजेंडे है ओबीसी, बूथ कार्यकर्ता और राष्ट्रीय समिति की बैठक। राजस्थान में भी यूपी, पंजाब और गोवा की तर्ज पर एक्शन प्लान तैयार किया गया है। जैसे पंजाब में चुनाव से करीब 1 साल पहले कार्यकर्ताओं की बैठक ली थी, क्योंकि वहां भी राजस्थान की तरह गैर भाजपा सरकार थी।

यहां एक साल पहले से कार्यकर्ताओं में जोश व जीत का मंत्र फूंका था, जबकि यूपी और गोवा में पहले से भाजपा की सरकार थी तो यहां ऐसी बैठक तीन से चार महीने पहले की गई।

इस कारण जरूरी है ओबीसी वोटर्स

भाजपा संगठन से जुड़े सूत्रों का कहना है कि किसी भी राज्य और केन्द्र में सरकार बनाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका ओबीसी वर्ग की होती है। कुल आबादी का 54 फीसदी हिस्सा ओबीसी का है। माना जाता है कि यह वर्ग बहने वाली हवा के आधार पर मतदान कर राजनीतिक पार्टियों के सारे समीकरण गड़बड़ा देता है। ऐसे में पार्टी का पूरा फोकस ओबीसी मतदाताओं को अपने साथ जोड़ने पर है। देश में मंडल कमीशन की रिपोर्ट लागू होने के बाद ओबीसी जातियों का उभार बहुत तेजी से हुआ। देश की राजनीति में उनकी अहम भूमिका तय हो गई। देश की 54 फीसदी आबादी वाली ओबीसी जातियों को भी अपना महत्व समझ में आ चुका है।

ऐसे में कई राज्यों में ओबीसी जातियों के बड़े समूह एकजुट होकर चुनाव में किसी एक पार्टी से जुड़ जाते हैं। सभी राजनीतिक दलों को ओबीसी के महत्व का अहसास हो चला है।

आरएएस अफसर के विवादित मैसेज पर बवाल

हनुमानजी को बंदर, देवताओं को बताया रेपिस्ट

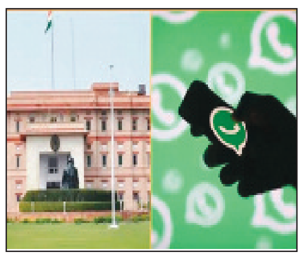

जयपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान प्रशासनिक सेवा के एक अफसर ने हिंदू देवी-देवताओं को लेकर एक विवादित मैसेज कर दिया। जिससे बवाल हो गया। आरएएस अफसर ने व्हाट्सअप मैसेज में हनुमानजी को बंदर बताया। देवताओं को रेपिस्ट करार दिया। इसके अलावा मैसेज में भगवान कृष्ण, विष्णु और सीताजी सहित कई हिंदू देवी-देवताओं को लेकर आपत्तिजनक बातें कही गईं। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार गुरुवार रात जॉइंट सेक्रेटरी केसरलाल मीणा ने आरएएस एसोसिएशन के ग्रुप में 574 शब्दों का एक मैसेज फॉरवर्ड किया। मैसेज देखकर ग्रुप में जुड़े अधिकारियों का माथा ठनका। मैसेज इस प्रकार था ' ब्रह्माणों ने बताया-बिना पंख के बंदर उड़ गया हमने मान लिया। ब्रह्माणों ने बताया-गेंद यमुना में चली गई, कृष्ण को निकालने के लिए शेषनाग से लड़ना पड़ा हमने माना'। ब्रह्माणों ने हत्यारे, लुटेरे, व्यभिचारी लोगों को भगवान और देवी-देवता बताया। मैसेज में सीता और अन्य भगवान पर भी टिप्पणी की गई। इस मैसेज में मुख्य रूप से ब्राह्माणों को टारगेट किया गया था। आपत्तिजनक मैसेज देखकर ग्रुप में मौजूद एक के बाद एक कई अफसर 20 मिनट तक मैसेज के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया जताते रहे। हंगामा बढ़ता देख रात 10:26 बजे आरएस अधिकारी केसरलाल ने मैसेज डिलीट कर दिया और लिखा कि सॉरी, गलती से फारवर्ड हो गया।

अमित शाह ने तनोट माता के किए दर्शन

गृह मंत्री के आगमन पर भगवा हुआ गहलोत का गृहनगर

जैसलमेर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अपने दो दिवसीय राजस्थान दौरे पर हैं। शाह दौरे के दूसरे दिन जैसलमेर से तनोट माता मंदिर पहुंचे, जहां तनोट माता परिसर स्थित विजय स्तंभ पर बीएसएफ जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। वहीं अमित शाह ने विजय स्तंभ पर पुष्प चक्कर अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

इस दौरान कृषि राज्य मंत्री व जैसलमेर-बाड़मेर सांसद कैलाश चौधरी भी उनके साथ रहे। उसके बाद उन्होंने तनोट माता के दर्शन कर मन्दिर परिसर में ही पर्यटन विभाग के विकास केंद्र की आधारशिला रख शिलान्यास किया। इस दौरान मंत्रोच्चारण के साथ वहां शिलान्यास कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें पंडित मनीष शर्मा ने मंत्रोच्चारण कर विधि-विधान से पूजन करवाया।

उसके बाद गृहमंत्री ने बीएसएफ की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके साथ ही बीएसएफ के अधिकारियों को फील्ड में आने वाली समस्याओं के बारे में भी चर्चा की। उसके बाद वे तनोट माता मंदिर से विशेष हवाई विमान से जोधपुर के लिए रवाना हो गए।

तनोट माता के दर्शन करते अमित शाह

पर्यटन विभाग की 17 करोड़ की योजना से तनोट में होगा विकास भारत-पाक सरहद पर बने तनोट माता मंदिर के लिए नीति आयोग ने 17.67 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। जिससे सैलानियों के लिए इस इलाके में पर्यटन के नए आयाम स्थापित किए जाएंगे। जिसमें सैलानियों के लिए बीएसएफ की ओर से डॉक्यूमेंट्री, हथियार प्रदर्शनी, फोटो गैलरी, मोर्टार, युद्ध में प्रयुक्त वाहन,दुश्मन देश की टैंक आदि प्रदर्शनी के लिए लगाई जाएगी।

जोधपुर पहुंचे शाह

गृह मंत्री अमित शाह दोपहर करीब 12:15 बजे जोधपुर एयरपोर्ट पर पहुंचे। यहां कार्यकर्ताओं की ओर से उनका स्वागत किया गया। इसके बाद एयरपोर्ट से नेताओं और पदाधिकारियों का काफिला रवाना हुआ। करीब 15 किलोमीटर लंबे इस काफिले में शाह का अलग-अलग जगहों पर स्वागत होगा।

जोधपुर में भाजपा के राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा की कार्यकारिणी बैठक में संबोधन के साथ ही बूथ अध्यक्षों में मिशन 2023 का जोश फूकेंगे। गृह मंत्री के स्वागत के लिए पूरा जोधपुर भगवा रंग में नजर आ रहा है। जिस रास्तों से शाह का काफिला गुजरेगा, वहां चौराहे भवगा रंगों से सज गए हैं। पांचबत्ती सर्किल, अरोड़ा सर्किल, 12वीं रोड व आखलिया चौराहे पर भगवा ध्वज व भाजपा की झंडे लगाए गए हैं। गहलोत के घर में भाजपा का रोड शो के माध्यम से दबदबा दिखाएगी। हालांकि, कहने को रोड शो नहीं है लेकिन दो हजार के करीब कार्यकर्ता केसरिया साफे में 15 किलोमीटर तक वाहनों के साथ चलेंगे।

गणेश विसर्जन के दौरान महिलाओं से छेड़छाड़

आक्रोशित लोग पूरी रात धरने पर बैठे रहे

नागौर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। नागौर जिले के मेड़ता सिटी में गणेश प्रतिमा विसर्जन के शोभायात्रा के दौरान महिलाओं और युवतियों से छेड़छाड़ की गई। घटना से आक्रोशित लोग चारभुजा चौक पर जुट गए और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़ गए।

मेड़ता में गणेश विसर्जन की शोभायात्रा में बड़ी तादाद में महिलाएं और युवतियां शामिल थी। शोभायात्रा विष्णुसागर जा रही थी। इसी दौरान घाचियों का बास में कुछ युवकों ने महिलाओं से छेड़छाड़ की। घटना से आक्रोशित लोग चारभुजा चौक पर धरने पर बैठ गए। जिसके बाद पुलिस ने चार युवकों को हिरासत में लिया। आरोप है कि कुछ युवकों ने महिलाओं और युवतियों से छेड़छाड़ की। शोभायात्रा में जाते समय लोगों ने पुलिस से छेड़छाड़ का जिक्र किया। जिसके बाद पुलिस ने आश्वासन दिया कि कार्यक्रम पूरा होने के बाद युवकों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

विसर्जन से लौटने पर जब मामले में कार्रवाई नहीं हुई तो लोग धरने पर बैठ गए। लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए नारेबाजी शूरू कर दी।

सूचना पर पुलिस भी पहुंची। लोग आरोपियों की हिरासत में लिए जाने के बाद ही धरने से हटे। वहीं स्थानीयवासियों का कहना है कि आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो शनिवार को मेड़ता बंद किया जाएगा।

चौकीदार के हाथ पैर बांधकर उल्टा लटकाया

रात को फैक्ट्री में घुसे, वारदात कर फरार, डीवीआर भी जला गए

अजमेर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। अजमेर जिले के ब्यावर के निकट एक फैक्ट्री में रात के समय लूट की वारदात अंजाम दी गई। रात डेढ़ बजे आठ आदमी फैक्ट्री में घुसे और वहां मौजूद चौकीदार के हाथ पैर बांधकर उल्टा लटकाया, फिर कंबल से ढक दिया। इसके बाद यहां लगे ट्रांसफार्मर से ऑयल व कॉपर, पावडर चैक करने की मशीन व ग्राइंडर, मोबाइल ले गए। खास बात यह रही कि जाते समय वहां लगे सीसीटीवी के डीवीआर को जलाया। सुबह जब बॉयल मील शुरू करने के लिए श्रमिक पहुंचा तो मामले का पता चला। ब्यावर सदर थाना पुलिस को सूचना की और पुलिस ने मौका मुआयना कर पीड़ित की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लोकाशाह नगर ब्यावर निवासी ललित कुमार लोढ़ा पुत्र जवरी लाल जैन ने रिपोर्ट देकर बताया कि रात डेढ़ बजे करीब हमारी फैक्ट्री के.एन.मिनरल्स में 8 आदमी आए और चौकीदार सुहावा निवासी कमरूदीन पुत्र हजारी से मारपीट की और उसके हाथ पैर बांधकर रस्सी से उल्टा लटका दिया। यहां लगे ट्रांसफार्मर से ऑयल व कॉपर, पावडर चैक करने की मशीन व ग्राइंडर, डीवीडी मशीन, मोबाइल लेकर चले गए। सुबह इसका पता चला। इस पर सदर थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौका मुआयना किया और मामला दर्ज कर लिया। मामले की जांच एएसआई चेतनसिंह को सौंपी है।

फैक्ट्री में सुबह बलाड़ निवासी महबूब खान पहुंचा तो घटना का पता चला। महबूब खान ने बताया कि वह रोज सुबह आठ बजे फैक्ट्री को चालू करने के लिए आता है। यहां चौकीदार बंधा पड़ा था। उसे खोला। इसके बाद मालिक ललित जैन को सूचना की। चौकीदार ने उसे बताया कि वह वारदात के समय चिल्लाया भी लेकिन आस पास में जंगल होने के कारण कोई उसकी मदद के लिए नहीं आया।

फैक्ट्री मालिक ललित लोढ़ा ने बताया कि पहले भी तीन बार फैक्ट्री में वारदात हो चुकी है लेकिन एक भी वारदात का खुलासा नहीं हुआ। पुलिस व प्रशासन की ओर से कोई प्रयास नहीं किए गए।

गुजराती श्रद्धालुओं की कार ट्रक से भिड़ी, 4 की मौत

बाड़मेर से लौट रहा था परिवार, कार में फंसे महिलाओं के शव

बाड़मेर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। श्रद्धालुओं से भरी कार की ट्रक से भीषण भिड़ंत में तीन महिलाओं सहित चार लोगों की मौत हो गई। इस एक्सीडेंट में एक बच्चा गंभीर रुप से घायल हो गया। परिवार गुजरात से जसोल (बाड़मेर) में दर्शन करने आया था। घर लौटते समय शनिवार सुबह करीब आठ बजे ट्रक ने कार को जबरदस्त टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी ड्राइवर ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया है।

घटना सिणधरी (बाड़मेर) थाना क्षेत्र के हाइवे पर भाटाला गांव के पास की है। पुलिस ने घायलों को गुड़ामालानी (बाड़मेर) हॉस्पिटल में एडमिट कराया। जहां दो महिला और एक पुरुष को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

वहीं, एक घायल महिला और बच्चे को सांचौर (जालोर) रेफर किया गया। सांचौर हॉस्पिटल पहुंचने पर एक और घायल महिला की मौत हो गई, वहीं बच्चे का इलाज किया जा रहा है।

गुड़ामालानी डीएसपी शुभकरण खींची ने बताया कि मृतकों में कमलादेवी (70) पत्नी चंदीराम निवासी भीलड़ी (बनासकांठा), राजेश पुत्र कैलाश माहेश्वरी (22) निवासी धानेरा (बनासकांठा) , महिला द्रोपदी बहन (65) पत्नी हाथी भाई, धानेरा (बनासकांठा), मनीषा (32) पुत्री डूंगरमल निवासी, धानेरा (बनासकांठा) शामिल हैं। इनके शवों को गुड़ामालानी की मॉर्च्यूरी में रखवाया गया है।

एक ही परिवार के हैं मृतक

जानकारी के अनुसार राजेश उर्फ राजू भाई के साथ में दो बुआ व एक मासी की मौत हो गई। हादसे में 8 वर्षीय मोंटू की मां की भी मौत हो चुकी है। राजेश का चाय सप्लाई का व्यापार था। यह सभी 8 सितंबर को गुजरात धानेरा से जसोल मंदिर दर्शन के लिए आए थे। आज शनिवार को सुबह करीब 7 बजे जसोल से धानेरा के लिए निकले थे।

पुलिस के अनुसार सुबह करीब 7 बजे परिवार जसोल मंदिर से गुजरात के लिए निकला था। करीब एक घंटे बाद 8 बजे कार को सामने से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार आगे से पूरी पिचक गई।

दो लोगों की मौके पर हुई मौत

गुड़ामालानी डीएसपी के मुताबिक हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार कार में आगे बैठे लोग बुरी तरीके से फंस गए थे। आसपास के लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाहर निकाला। घटना के बाद हाईवे पर जाम लग गया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि एक्सीडेंट के यहां चीख-पुकार मच गई। घायलों को निकालने का प्रयास किया गया, लेकिन हादसा इतना भयानक था कि पुलिस आने के बाद ही उनकी मदद की जा सकी।

जानकारी के अनुसार ट्रक गुजरात से बालोतरा (बाड़मेर) जा रहा है। जो तेज रफ्तार में था। कार को टक्कर मारने के बाद ट्रक भी सड़क के साइड में जाकर क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं, ड्राइवर मौके से भाग निकला।

पत्रकारों के बच्चों को मिलेगी मदद

जयपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के अधिस्वीकृत पत्रकारों के बच्चों को प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप मिलेगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा स्कॉलरशिप के लिए तैयार अधिसूचना को मंजूरी प्रदान की है। इसके तहत पोस्ट मैट्रिक में 13 हजार 500 रुपये तक की छात्रवृत्ति पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप योजना के तहत उच्च शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत अधिस्वीकृत पत्रकारों के बच्चों को स्कॉलरशिप दी जाएगी। योजना के तहत हॉस्टलर्स को चार हजार से 13 हजार 500 रुपये तक तथा डे स्कॉलर्स को ढाई हजार से सात हजार रुपये तक का प्रावधान है। स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के प्रोफेशनल डिग्री कोर्सेज के लिए हॉस्टलर्स को 13 हजार 500 रुपये एवं डे स्कॉलर्स को सात हजार रुपये की स्कॉलरशिप दी जाएगी। जिनमें डिग्री एवं डिप्लोमा सर्टिफिकेट मिलता हो, में अध्ययनरत हॉस्टलर्स को नौ हजार 500 रुपये एवं डे स्कॉलर्स को छह हजार 500 रुपये की स्कॉलरशिप मिलेगी।

1 करोड़ की ड्रग के साथ तस्कर गिरफ्तार

जयपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस ने झालावाड़ जिले में बड़ी कार्यवाही को अंजाम देते हुए एक किलो एमडीएमए के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। जिसकी कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में एक करोड़ बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। जिले की डग थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम को अंजाम दिया गया। तस्कर के पास से बरामद की गई ड्रग की अंतर्राष्ट्रीय कीमत 1 करोड़ रुपए बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नाकेबंदी के दौरान पकड़ी बाइक

मामले की जानकारी देते हुए गंगधार डीएसपी प्रेम कुमार ने बताया कि जिले भर में एसपी रिचा तोमर के निर्देश पर अवैध मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी को लेकर डग थाना पुलिस इलाके की दुधालिया पुलिस चौकी के पास नाकेबंदी की थी। इस दौरान जब एक संदिग्ध बाइक सवार युवक को रुकवा कर उसकी तलाशी ली गई। जिसमें बाइक के चैचिस में से 1 किलो एमडीएमए ड्रग बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी युवराज शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस कर रही है पूछताछ

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार युवक डग थाना क्षेत्र के चाचुर्णी गांव का निवासी है. फिलहाल पुलिस गिरफ्तार किए गए युवक से पूछताछ कर रही है। इसके साथ ही इतनी बड़ी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ कहां से लाया गया और कहां सप्लाई किया जाना था, इसको लेकर भी पूछताछ की जा रही है।

शादी के चार घंटे बाद भागी दुल्हन

डेढ़ लाख देकर सीकर के दूल्हे से रीवा में तय हुआ था रिश्ता

सीकर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सीकर जिले का एक दूल्हा ठगी का शिकार हो गया। राजस्थान से मध्यप्रदेश के रीवा में शादी करने गए दूल्हे की दुल्हन शादी के महज चार घंटे बाद भाग गई। बिचौलिए ने शादी करवाने के लिए लड़की के परिवार से डेढ़ लाख रुपये लिए थे। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार वर पक्ष को सिर्फ लड़की का नाम और फोन नंबर पता है। शादी किस मंदिर में हुई, उन्हें यह भी नहीं पता। गया। शादी के बाद रीवा रेलवे स्टेशन से दुल्हन चकमा देकर फरार हो गई। लड़के वालों ने बताया कि दुल्हन के माता-पिता और पंडित सहित बिचौलिया फरार हैं। सभी के मोबाइल भी बंद हैं। राजस्थान के सीकर की रहने वाली एक महिला के भाई कैलाश चन्द्र वर्मा की शादी नहीं हो रही थी। छह महीने पहले महिला की दोस्ती रीवा के एक युवक से हुई। युवक जल्द ही उसके घरवालों से घुलमिल गया। लड़के ने महिला के भाई की शादी कराने की बात कही।

किन्नरों से परेशान दो श्रद्धालु चलती ट्रेन से कूदे

दूसरी ट्रैक पर आ रही गाड़ी से कटकर मौत

सवाई माधोपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर में किन्नरों से परेशान दो लोगों की मौत हो गई। आरोप है कि किन्नर वसूली करने के लिए ट्रेन में चढ़े और यात्रियों को परेशान करने लगे। उनके डर से तीन यात्री ट्रेन से कूद गए। दूसरी ट्रैक पर आ रही ट्रेन से कटकर दो लोगों की मौत हो गई। वहीं तीसरा व्यक्ति सदमे में है। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार हादसा सवाई माधोपुर के रेलवे स्टेशन पर देर रात दो बजे के बाद हुआ। तीन दोस्त फूलचंद्र, महेश कुमार और अनिल देर रात करीब दो बजे के बाद रींगस जाने वाली ट्रेन से सवाई माधोपुर जाने वाले थे। वे खाटूश्यामजी के दर्शन करने निकले थे। उनके ट्रेन में बैठने के बाद कुछ किन्नर भी वहां आ गए। उन्होनें यात्रियों को परेशान करना शुरू कर दिया। उनसे मारपीट करने लगे और वसूली करने लगे। वे लोगों को पीट रहे थे और रुपए मांग रहे थे।

मृतकों के साथी अनिल ने बताया कि किन्नर से हम इतना डर गए कि ट्रेन से बाहर आने की तैयारी कर ली। जैसे ही ट्रेन से कूदे दूसरे ट्रैक से आ रही दूसरी ट्रेन ने फूल चंद और महेश को चपेट में ले लिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मेरे सामने ही मेरे दोस्तों की जान चली गई, मैं कुछ नहीं कर सका। मृतक फूलचंद की नाई की दुकान है। उनके दो बच्चे हैं। उधर महेश ठेला लगाता था, वह पच्चीस साल का था। उसकी जल्द ही शादी होने वाली थी।

एक शाम श्री खेतलाजी भैरुजी के नाम जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पारसीगुट्टा स्थित सीरवी समाज की आस्था का केन्द्र श्री आईमाता मंदिर में श्री खेतलाजी भैरुजी का जागरण समाज बन्धुओं के सान्निध्य में आयोजित किया गया, जिसमे नैनाराम एंड पार्टी ने भजनो के पुष्प अर्पित किये। प्रेस विज्ञप्ति में सचिव किशनसिंह राठौड़ ने बताया कि हर वर्ष की भाति भादव मास के पावन अवसर पर श्री खेतलाजी भैरुजी का जागरण आयोजित किया गया। प्रात: वेला में श्री आईमाताजी व श्री खेतलाजी भैरुजी के मंदिर को विशेष फूलों से सजाकर श्रृंगार कर रात्रि 8.15 बजे पूजा-अर्चना, ज्योत प्रज्वलितकर रात्रि 9.15 बजे जागरण का आयोजन किया गया । जिसमे नैनाराम एंड पार्टी ने भैरुजी के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पित किये। जिसका समाज बन्धुओं ने देर रात तक नाचते गाते हुए लाभ लिया। पधारे भक्तों के लिए प्रसाद की विशेष व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। अवसर पर अध्यक्ष जे.सी.चोलाराम हाम्बड़ ने पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों को श्री खेतलाजी भैरुजी के जागरण की शुभकामनाँए देते हुए बताया कि भादव मास के पावन अवसर पर श्री आईमाँ के दूज महोत्सव मे समाज बन्धु व भक्त पूजा-अर्चनाकर श्री आईमाँ के चरणों मे श्री फल भेंटकर परिवार की सुख-समृद्धि के लिए कामना करता है। शिक्षा समिति अध्यक्ष परसराम बर्फा, कोषाध्यक्ष जसवन्त देवड़ा, महिला सचिव निर्मला देवड़ा ने भी श्री खेतलाजी भैरुजी के जागरण में पधारे भक्तो को शुभकामनाँए दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे जे.सी.चोलाराम हाम्बड़, परसराम बर्फा, जसवन्त देवड़ा, निर्मला देवड़ा, पूर्व अध्यक्ष जसराज सोलंकी व बहुत से समाज बन्धु सपरिवार उपस्थित रहे। महाआरती के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ।

अनाज को लेकर पीएम मोदी की कोई दूरदर्शिता नहीं : केटीआर

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामाराव ने कृषि क्षेत्र में देश के लिए एक विजन तैयार करने में विफल रहने के लिए केंद्र सरकार पर हमला किया। उन्होंने टूटे चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने और चावल के निर्यात पर 20 प्रतिशत शुल्क लगाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आड़े हाथ लिया।

शनिवार को यहां एक बयान में, केटी रामाराव ने केंद्र सरकार के उस बयान को याद दिलाया जो छह महीने पहले दिया गया था, जिसमें कहा गया था कि देश के पास खाद्यान्न का पर्याप्त भंडार है और यह अगले चार वर्षों की मांग को पूरा कर सकता है। उन्होंने आलोचना की कि छह महीने के भीतर, केंद्र ने गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है और आज खाद्यान्न के स्टॉक में गिरावट के बाद चावल की बारी है। केटीआर ने बताया कि जब टीआरएस सरकार ने केंद्र से तेलंगाना में उत्पादित धान खरीदने का आग्रह किया, तो केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने याचिका को खारिज कर दिया और इसके अलावा, उन्होंने टीआरएस के निर्वाचित प्रतिनिधियों को अपमानित किया, तेलंगाना के लोगों को टूटे हुए चावल खाने का सुझाव दिया।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने खाद्यान्न की खरीद में खुद को एक लक्ष्य बनाया है। खाद्यान्न के भंडारण पर इसकी कोई स्पष्ट दृष्टि नहीं है और इस संबंध में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की कोई दूरदर्शिता नहीं है। टीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि बिना मजबूत नेतृत्व के देश चलाया जा रहा है।

केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज गोशामहल संभाग में वंदेमातरम विद्यालय का दौरा कर स्कूल की स्थिति का जायजा लिया। उपके साथ गोशामहल पार्षद लाल सिंह, बेगम बाजार पार्षद शंकर यादव, गोलकुंडा जिला अध्यक्ष पांडु यादव, पूर्व पार्षद वैकुंठम व अन्य उपस्थित रहे।

दक्षिण मध्य रेलवे ने रविवार को 34 एमएमटीएस सेवाएं रद्द की

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिचालन कारणों से, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने रविवार को 34 एमएमटीएस सेवाओं को रद्द करने की घोषणा की है।

लिंगमपल्ली-हैदराबाद के बीच रद्द की गई एमएमटीएस सेवाएं 47129, 47132, 47133, 47135, 47136, 47137, 47138, 47139 और 47140 हैं, जबकि हैदराबाद-लिंगमपल्ली के बीच रद्द की गई सेवाओं में 47105, 47109, 47110, 47111, 47112, 47114, 47116, 47118 और 47120 शामिल हैं।

फलकनुमा और लिंगमपल्ली के बीच रद्द की गई सेवाएं 47153, 47164, 47165, 47166, 47203, 47170 और 47220 हैं और लिंगमपल्ली-फलकनुमा के बीच रद्द की गई सेवाएं 47176, 47189, 47187, 47210, 47190, 47191 और 47192 हैं। सिकंदराबाद के बीच एक-एक सेवा- लिंगमपल्ली (47150) और लिंगमपल्ली-सिकंदराबाद (47195) भी रद्द है।

तेलंगाना भरोसा मंच के अध्यक्ष राकेश जायसवाल ने गंगापुर, गुलबर्गा में भगवान दत्तात्रेय स्वामी मंदिर में विशेष पूजा की। इस दौरान उन्होंने विधायक टी. राजासिंह की जल्द रिहाई की कामना की। कार्यक्रम में शिव गुट्टेदार अध्यक्ष राम सेना (गुलबर्गा), सांबय्या गुट्टेदार, राजू गौड़, अनिल मुदिराज व अन्य।

आचार्य भिक्षु सत्य के महान साधक थे : साध्वी त्रिशलाकुमारी

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आचार्य श्री महाश्रमण जी की शिष्या साध्वी श्री त्रिशलाकुमारीजी के सान्निध्य में 220वें भिक्षु चरमोत्सव का कार्यक्रम तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के तत्वावधान में तेरापंथ भवन, सिकंदराबाद में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ तेरापंथ महिला मंडल के मंगलाचरण से हुआ। श्रीमती चांदबाई बैद ने भक्ति भरे स्वरों को गीतिका के माध्यम से प्रस्तुत किया। सभा के अध्यक्ष श्री बाबुलाल जी बैद ने आचार्य भिक्षु के क्रांतिकारी व्यक्तित्व को उजागर किया। श्रीमती सरला भूतोडिया ने कविता के माध्यम से अपनी भावांजलि अर्पित की। साध्वी संपत्तिप्रभा जी ने कहा भिक्षु का नाम चमत्कारी है। उनके नाम के स्मरण मात्र से भक्तों की विघ्न बाधा दूर हो जाती है। साध्वी रश्मिप्रभा जी ने अपने जीवन के संस्मरण सुनाते हुए बताया कि किस प्रकार भिक्षु के नाम ने मेरा पथ प्रदर्शन किया एवं साथ में अपनी भावपूर्ण गीतिका की अभिव्यक्ति से पूरे परिसर में समा बांध दिया। साध्वी कल्पयशा जी ने कहा उस समय आचार्य भिक्षु का स्वागत करने वाले तो गिने चुने ही लोग थे, लेकिन विरोध करने वालों की पूरी जमात की जमात खड़ी थी। भक्तों की संख्या तो शुरू में नगण्य थी और विरोधियों का अंबार लगा हुआ था। विरोधियों के बवंडर उन्हें सत्य से विचलित नहीं कर पाए। विरोध की अग्नि में ओर निखरते चले गए।

इस अवसर पर साध्वीश्री त्रिशला कुमारी जी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा तेरापंथ के आद्य प्रवर्तक आचार्य भिक्षु एक सत्य संघायक एवं सिद्धांत वादी आचार्य थे। आचार्य भिक्षु ने सत्य को न केवल जाना अपितु उन्होंने सत्य को अपने जीवन में जिया भी था। सत्य उनके लिए सिर्फ प्रेरणा नहीं प्राण था। कार्यक्रम का संचालन साध्वी श्री कल्पयशा जी ने किया।

जना रेड्डी ने विकास कार्यों को पूरा नहीं करने के लिए सरकार की खिंचाई की

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के. जना रेड्डी ने टीआरएस सरकार पर निशाना साधते हुए आज आरोप लगाया कि राज्य सरकार विभिन्न विकास कार्यों की आधारशिला रखने को प्राथमिकता दे रही है, लेकिन पूरा करने को प्राथमिकता नहीं दे रही है। नलगोंडा जिले के निदामनुरु मंडल के मुप्परम गांव में नागार्जुन सागर की बाईं नहर के टूटने का अवलोकन करने के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, जना रेड्डी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार के अधिकारी नागार्जुन सागर बायीं नहर पर रखरखाव कार्य करने में लापरवाही दिखा रहे हैं, जो 60 साल पहले बनाया गया था। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने एक इमारत में पेद्दापुरा मिनी आवासीय विद्यालय की स्थापना की थी, जिसमें कोई बुनियादी सुविधा नहीं है और इसे शर्मनाक कृत्य करार दिया।

उन्होंने मिनी आवासीय विद्यालय के छात्रों को बायीं नहर टूटने के बाद बचाने के लिए पुलिस और अन्य अधिकारियों का धन्यवाद किया। उन्होंने यह भी मांग की कि राज्य सरकार उल्लंघन के कारण नुकसान झेलने वाले किसानों को तुरंत 15,000 से 20,000 प्रति एकड़ का मुआवजा दे। उन्होंने यह भी मांग की कि राज्य सरकार उन लोगों को वित्तीय सहायता प्रदान करे, जिनके घर निदामनूर मंडल के नरसिंगगुडेम गांव में बाढ़ के पानी में डूब गए थे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि कांग्रेस पार्टी के नेता पीड़ितों को उनके घर लौटने तक मुफ्त चावल की आपूर्ति करेंगे।

केबीआर पार्क में स्थापित गणेश प्रतिमा का विसर्जन कर दिया गया। इस अवसर पर सभी का स्वागत किया गया। इस अवसर पर राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, गोपाल बल्देवा, अमित, उलही राम, राजू बालाजी, अधिवक्ता अनंत नायड, वीवी गौड़, प्रेमलता, विभा अग्रवाल, वसुंधरा, शैलजा के अलावा कई भक्त उपस्थित रहे।

मारवाड़ी युवा मंच मेडचल द्वारा गणेश विसर्जन पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष भिकाराम गुर्जर एवं इस कार्य क्रम के संयोजक पन्नालाल सिरवि ने बताया की गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मेडचल स्थित मेन रोड बस डिपो के सामने गणेश मंडप के समीप अन्नदान कार्यक्रम रखा गया। यह कार्यक्रम पिछले 7 वर्षों से किया जा रहा है और सभी मेडचल युवा मंच के सदस्य इस कार्यक्रम में भाग लेते है इस वर्ष लड्डू की बोली लेना का सो भाग्य बहादुर गुर्जर एवं भिकाराम गुर्जर को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में मारवाड़ी युवा मंच के पूर्व अध्यक्ष कैलाश प्रजापति, अध्यक्ष भिकाराम गुर्जर, मदनलाल प्रजापति, संदीप शर्मा, सोहनलाल, मोहनलाल, सेषाराम, ताराराम, कमलेश, कैलाश संखला, मुकेश, दिनेश, नारायणलाल, मांगीलाल, नेमिचंद, जगदीश, चंदाराम, मनोहर एवं सभी सदस्य उपस्थित हुए।

बीजेपी व टीआरएस को मुनुगोड़े में वोट मांगने का नैतिक अधिकार नहीं : रेवंत

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य कांग्रेस ने कहा कि मुनुगोड़े उपचुनाव में भाजपा और सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टियों को वोट मांगने का नैतिक अधिकार नहीं है क्योंकि वे निर्वाचन क्षेत्र में लोगों की लंबे समय से लंबित मांगों को पूरा करने में विफल रहे हैं। टीपीसीसी के अध्यक्ष ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि अगर भाजपा तेलंगाना के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है, तो उसे पलामुरु रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना को राष्ट्रीय दर्जा देना चाहिए।

शनिवार को यहां मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार ने गुजरात के लिए बुलेट ट्रेन को मंजूरी दी, लेकिन तेलंगाना के विकास और कल्याण को दरकिनार कर दिया है। उन्होंने कहा कि एआईसीसी प्रमुख सोनिया गांधी ने मुनुगोड़े उपचुनाव में अपनी बेटी पलवई श्रावंती को कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में मंजूरी देकर पूर्व सांसद पलवई गोवर्धन रेड्डी द्वारा प्रदान की गई सेवाओं को मान्यता दी। 18 सितंबर से कांग्रेस निर्वाचन क्षेत्र में कड़ा अभियान शुरू करेगी।

उन्होंने कहा कि पहले ही वरिष्ठ नेताओं को मंडलवार गतिविधियां और जिम्मेदारियां सौंपी जा चुकी हैं।

श्री विघ्नेश्वर युवा संघ, सैदाबाद द्वारा स्थापित गणेश प्रतिमा की विसर्जन पूर्व पूजा-अर्चना करते हुए संघ के सदस्य।

आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने अमरावती महा पदयात्रा की अनुमति दी

अमरावती, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को अमरावती के किसानों को राज्य की राजधानी के रूप में अमरावती के विकास की मांग के लिए 12 सितंबर को यहां से शुरू होने वाली दूसरी महा पदयात्रा की अनुमति दे दी। राज्य की राजधानी के विकास के लिए उच्च न्यायालय के आदेशों को लागू करने की मांग के उद्देश्य से पुलिस द्वारा लंबे मार्च की अनुमति देने से इनकार करने के कुछ घंटे बाद अदालत की हरी झंडी मिली। हालांकि कोर्ट ने कुछ शर्तों के साथ आयोजकों को मंजूरी दे दी है।

न्यायमूर्ति सी. मानवेंद्रनाथ रॉय ने पुलिस को किसानों द्वारा किए गए अनुरोध पर विचार करने और उन्हें श्रीकाकुलम जिले के अमरावती से अरसावल्ली तक महा पदयात्रा की अनुमति देने का निर्देश दिया। कोर्ट ने यह शर्त रखी कि मार्च में 600 से ज्यादा लोग शामिल नहीं होंगे। इसने आयोजकों से लॉन्ग मार्च के अंत में आयोजित होने वाली जनसभा के लिए पूर्व अनुमति लेने को भी कहा।

अमरावती परिक्षण समिति (एपीएस) ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाकर पुलिस को महा पदयात्रा की अनुमति देने का निर्देश देने की मांग की थी। अदालत ने गुरुवार को सुनवाई शुरू की थी, लेकिन राज्य सरकार द्वारा यह सूचित करने के बाद कि पुलिस महानिदेशक गुरुवार के अंत तक एपीएस के आवेदन पर आदेश पारित करेंगे, सुनवाई शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी।

पुलिस महानिदेशक राजेंद्रनाथ रेड्डी ने गुरुवार की देर रात एक आदेश जारी कर शांति भंग होने की आशंका के आधार पर मैच की अनुमति देने से इनकार कर दिया। एपीएस महासचिव गड्डे तिरुपति राव को गुरुवार आधी रात के बाद डीजीपी से आदेश मिला। डीजीपी ने याद किया कि एपीएस ने पिछले साल अमरावती तिरुमाला से पदयात्रा का आयोजन किया था। उन्होंने कहा कि हालांकि अदालत ने पदयात्रा के लिए सशर्त अनुमति दी थी, लेकिन शर्तों का उल्लंघन किया गया। एपीएस नेता को यह भी बताया गया कि प्रस्तावित महा पदयात्रा का मार्ग बनाने वाले क्षेत्रों की अलग-अलग आकांक्षाएं हैं। प्रशासनिक राजधानी घोषित हो चुकी विशाखापत्तनम भी लॉन्ग मार्च की राह पर है।

16 जिलों से गुजरने के बाद 11 नवंबर को श्रीकाकुलम जिले के अरासवल्ली में 'अमरावती बचाओ आंध्र प्रदेश बनाएं' के नारे वाली पदयात्रा का समापन प्रस्तावित है। इसका उद्देश्य इस साल 3 मार्च को उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार अमरावती में निर्माण और बुनियादी ढांचे के निर्माण को पूरा करने के लिए सरकार पर दबाव बढ़ाना है। पिछले साल किसानों ने अमरावती से तिरुपति तक 45 दिनों की लंबी पदयात्रा की थी। पुलिस ने न्यायस्थानम (उच्च न्यायालय) से देवस्थानम (तिरुमाला मंदिर) तक मार्च के दौरान विभिन्न प्रतिबंध लगाए हैं। यह आरोप लगाते हुए कि वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार अदालत के आदेशों को लागू करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं कर रही है, एपीएस ने महा पदयात्रा निकालने का फैसला किया है।

घटकेसर मंडल स्थित परिहारिया फार्म हाउस पर आयोजित अनन्त चतुर्थदशी के पावन अवसर पर विष्णु भगवान एवं सत्यनारायण भगवान कथा,पूजा-अर्चना, हवन-यज्ञ, महाप्रसादी व सम्मान-समारोह कार्यक्रम मे सीरवी समाज अध्यक्ष जे.सी.चोलाराम हाम्बड़, पारसमल शर्मा, रामलाल, मोतीलाल काग, पत्रकार परबत सोलंकी व कोरेमुला सीरवी समाज के पदाधिकारियों व समाज बन्धुओं का सम्मानकर उपस्थित आयोजक प्रभुराम, चेतन परिहारिया व अन्य।

पुलिस जांच में खुलासा : प्रेमी ने की थी किशोरी की हत्या

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इस सप्ताह की शुरुआत में राजेंद्रनगर में अपने घर से लापता हुई किशोरी साईं प्रिया के अपहरण और हत्या के मामले की जांच कर रही पुलिस ने पाया कि वनपर्ती जिले में उसके प्रेमी ने उसकी हत्या कर दी है। उसने पाया कि हत्या से पहले उसका यौन उत्पीड़न किया गया था। माना जाता है कि मुख्य संदिग्ध श्रीशैलम (23), जिससे पुलिस ने पूछताछ की, माना जाता है कि उसने पीड़िता की हत्या करने से पहले उसके साथ बलात्कार करने की बात कबूल की है। हालांकि, जिस पुलिस ने उसका कबूलनामा दर्ज किया था, वह इसकी पुष्टि के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

वनपर्ती जिले के खिलाघनपुर निवासी युवती एम साई प्रिया (19) और श्रीशैलम पिछले तीन साल से प्यार में थे। जब उन्होंने घर के बुजुर्गों को अपने रिश्ते के बारे में बताया तो दोनों परिवारों ने इसका विरोध किया। यहां तक कि जब दोनों परिवारों को समझाने की कोशिश कर रहे थे, श्रीशैलम हाल ही में अपने पैतृक स्थान के लिए रवाना हो गए और सोमवार को साईं प्रिया को फोन करके चर्चा के बहाने अपने पैतृक स्थान पर आने के लिए कहा। उसने अपने माता-पिता को यह बताकर घर छोड़ दिया कि वह कॉलेज जा रही है और इसके बजाय श्रीशैलम से मिलने चली गई। पुलिस ने कहा कि श्रीशैलम ने साईं प्रिया को अपने चचेरे भाई के रूप में ग्रामीणों से मिलवाया। उसी दिन, उसके बारे में संदेह है कि वह उसे पास की नहर में पहाड़ियों पर ले गया, जहां एक तर्क के बाद; उसने कथित तौर पर उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। अपने दोस्त और रिश्तेदार शिव की मदद से दोनों ने उसके शव को नहर के पास एक सुनसान जगह पर दफना दिया। उन्होंने उसका मोबाइल फोन पास के एक कृषि कुएं में फेंक दिया। इस बीच, उसके परिवार के सदस्यों ने मैलारदेवपल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसने मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। संदेह के आधार पर गुरुवार को श्रीशैलम को हिरासत में ले लिया गया और उसने हत्या की बात कबूल कर ली। शिव को भी रखा गया था।

दलित समुदायों के लिए स्वतंत्रता और वंचितों के लिए लड़ाई लड़ने वाली छावनी परिषद की वयोवृद्ध चकली ऐलम्मा को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर उपस्थित हैं केटोंनमेंट बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जंपन्ना प्रताप व अन्य।

टीम इंडिया को चाहिए धोनी-युवराज जैसे खिलाड़ी

दोनों की पावर हिटिंग की दुनिया थी कायल, जानिए 3 कारण क्यों खल रही आज उनकी कमी

दुबई, 10 सितंबर (एजेंसियां)। 13 फरवरी 2006 का दिन। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में भारत-पाकिस्तान के बीच सीरीज का तीसरा वनडे मैच खेला जा रहा था। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान की टीम ने 50 ओवर में 288 रन बना दिए। शोएब मलिक ने शानदार 108 रनों की पारी खेली। जवाब में टीम इंडिया के 5 विकेट 190 रन तक गिर गए।

भारतीय फैंस की उम्मीदों को तब करारा झटका लगा जब सचिन तेंदुलकर 95 रन बनाकर आउट हो गए। उनके अलावा कोई भी भारतीय बल्लेबाज कुछ खास कमाल नहीं कर पाया था। ऐसा लगा टीम इंडिया ये मुकाबला हार जाएगी, लेकिन उस दिन भारत के दो ऐसे सुपरस्टार्स का उदय हुआ, जिन्होंने आने वाले दिनों में भारत को अनगिनत मैचों में जीत दिलाई। ये खिलाड़ी थे महेंद्र सिंह धोनी और युवराज सिंह।

दोनों के बीच 102 रन की साझेदारी हुई और भारत ने 47.4 ओवर में 292 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। धोनी ने सिर्फ 46 बॉल पर 72 रन की धमाकेदार पारी खेली। वहीं, युवराज के बल्ले से 79 रन निकले। ये दोनों खिलाड़ी फिनिशर के साथ-साथ मल्टी-टैलेंटेड भी थे।

इन दोनों के संन्यास लेने के बाद टीम इंडिया बड़े टूर्नामेंट में कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। 2013 के बाद हम कोई ICC ट्रॉफी नहीं जीत पाए हैं। टी-20 वर्ल्ड कप 2021 के बाद एशिया कप से भी टीम इंडिया बाहर हो गई है। अगर हमें अक्टूबर में वर्ल्ड कप जीतना है तो ऐसे ही खिलाड़ियों की जरूरत है। ऐसा हम क्यों कह रहे हैं आईए 3 पॉइंट में समझाते हैं...

दोनों कमाल के पावर हिटर

टीम इंडिया पिछले कुछ समय से ऋषभ पंत को टी-20 क्रिकेट में पावर हिटर बल्लेबाज के रूप में तैयार कर रही है, लेकिन वो लगातार फ्लॉप हो रहे हैं। टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में उनका स्ट्राइक रेट सिर्फ 126 का है। पंत के अलावा हार्दिक पंड्या का भी हाल कुछ ऐसा ही है। वो काफी दिनों तक चोट के कारण टीम से बाहर रहे और जब वापसी की है तो उनके प्रदर्शन में निरंतरता नहीं दिखती।

वहीं, इन दोनों को युवराज और धोनी का विकल्प भी माना जाता है। जब युवराज और धोनी बल्लेबाजी करते थे तो उनकी पावर हीटिंग बल्लेबाजी की पूरी दुनिया कायल थी। 2007 में जब पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप खेला गया तब युवी ने इंग्लैंड के खिलाफ 6 गेंद पर 6 छक्के लगा दिए थे। वहीं, आखिरी ओवरों में धोनी का बल्ला हमेशा कोहराम मचाता था।

धोनी ने कई बार अपनी पावर हीटिंग के कारण टीम इंडिया को मैच जिताए हैं। कम बॉल में अगर ज्यादा रन की जरूरत होती थी और जब तक धोनी आउट नहीं होते, तब तक भारतीय फैंस का विश्वास नहीं खोता था। वहीं, आज टीम के पास बहुत कम ही ऐसे बल्लेबाज हैं जो आखिरी ओवरों में कम बॉल खेलकर ज्यादा रन बना पाएं और टीम इंडिया को जीत दिला सकें।

दोनों थे मल्टी टैलेंटेड

युवराज सिंह और धोनी दोनों सिर्फ बल्लेबाजी के कारण टीम का हिस्सा नहीं होते थे। उनके अंदर एक से ज्यादा खूबियां थीं। युवराज को ही ले लीजिए वो बल्लेबाजी के साथ-साथ गेंदबाजी और कमाल की फील्डिंग करते थे। युवी के नाम वनडे में 111 विकेट हैं। वहीं, टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में इस खिलाड़ी ने 28 विकेट झटके हैं।

वहीं, धोनी अपनी शानदार विकेटकीपिंग और कप्तानी से पूरी दुनिया में मशहूर हुए। वनडे में धोनी के नाम 321 कैच और 123 स्टंपिंग हैं। टी-20 क्रिकेट में उन्होंने 57 कैच और 34 स्टंपिंग की हैं।

धोनी की ही कप्तानी में भारत 28 साल बाद 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जीता था। साथ ही पहला टी-20 वर्ल्ड कप में चैंपियन माही के ही कप्तानी में टीम इंडिया बनी थी। वहीं, आखिरी बार भारत ने जो ICC ट्रॉफी जीती है, उसके कप्तान भी माही ही थे। भारत ने 2013 में इंग्लैंड को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की थी।

कमाल के फिनिशर

युवराज और धोनी के अंदर मैच को खत्म करने की कमाल की क्षमता थी। आखिरी ओवर तक दोनों मैच को ले जाते और वहां से टीम को जीत दिलाते थे। दोनों की लंबी-लंबी साझेदारी से भारत ने वनडे और टी-20 में कई मुकाबले जीते हैं।

अगर टॉप बल्लेबाज फ्लॉप हो जाते तो दोनों आखिरी तक टीम की उम्मीद बने रहते थे। आज तो अगर टॉप बल्लेबाज आउट हो जाए तो निचले क्रम के बल्लेबाज भी हथियार डाल देते हैं। युवी और माही जब बल्लेबाजी करते तो जब तक वह मैदान पर रहते विपक्षी टीम की हालत खस्ता रहती थी। इन दोनों के संन्यास लेने के बाद आज तक भारतीय टीम मैनेजमेंट इनका विकल्प नहीं ढूंढ पाया है। ये बहुत बड़ा कारण है कि हम पिछले 9 साल में ICC की एक ट्रॉफी नहीं जीत पाए हैं।

टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में युवराज का रिकॉर्ड

मैच: 58, रन: 1177, स्ट्राइक रेट: 136.38, विकेट: 28

इंटरनेशनल टी-20 क्रिकेट में धोनी का रिकॉर्ड

मैच: 98, रन: 1617, स्ट्राइक रेट: 126.13, कैच: 57, स्टंप: 34

यूएस ओपन 2022: पुरुष युगल में राजीव-सलिसबरी लगातार दूसरी बार जीते, कार्लोस अल्कारेज एकल के फाइनल में

न्यूयॉर्क, 10 सितंबर (एजेंसियां)। राजीव राम और जोए सलिसबरी की जोड़ी दूसरी जोड़ी है, जो अपना खिताब बचाने में सफल रही है। पिछली बार की चैंपियन जोड़ी ने इस बार भी अपना दबदबा बनाए रखा और खिताब जीता।

यूएस ओपन में शीर्ष वरीयता प्राप्त राजीव राम और जोए सलिसबरी की जोड़ी ने लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया है। इसके साथ ही यह जोड़ी दूसरी ऐसी जोड़ी बन गई, जो पुरुष युगल का अपना खिताब बचाने में सफल रही है। इसके अलावा कार्लोस अल्कारेज ने भी फाइनल में जगह बना ली है। अमेरिका के राजीव राम और ब्रिटेन के जोए सलिसबरी ने फाइनल में वेस्ली कुलहॉफ और नील स्कुपस्की की जोड़ी को 7-6, 7-5 के अंतर से हराया। इस जोड़ी ने साथ में कमाल किया है। साल 2020 में ये दोनों सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। इसके बाद 2021 और 2022 में खिताब अपने नाम किया है। इन दोनों से पहले ऑस्ट्रेलिया के टॉड बूडब्रिज और मार्क वुडफोर्ड ओपन दौर में लगातार दो बार यूएस ओपन जीतने वाली पहली पुरुष जोड़ी बने थे।

अल्कारेज ने टियाफो के बाहर किया

स्पेन के कार्लोस अल्कारेज ने यूएस ओपन के फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने सेमीफाइनल मैच में अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो को हराकर बाहर कर दिया। 19 साल के अल्कारेज ने सेमीफाइनल मैच 6-7, 6-3, 6-1, 6-7, 6-3 के अंतर से अपने नाम किया। वह पहली बार यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचे हैं। यहां उनका सामना कैस्पर रुड के साथ होगा। यह ग्रैंड स्लैम जीतने वाला खिलाड़ी टेनिस रैंकिंग में दुनिया का नंबर एक खिलाड़ी भी बनेगा। कैस्पर रुड ने सेमीफाइनल में रूस के कारेन कचनोव को 7-6, 6-2, 5-7, 6-2 के अंतर से हराया था।

इस मैच में दोनों खिलाड़ियों ने चार घंटे 18 मिनट तक संघर्ष किया, लेकिन अंत में अल्कारेज ने बाजी मारी। उन्हें टूर्नामेंट की शुरुआत से ही खिताब के दावेदारों में गिना जा रहा था। वह राफेल नडाल के बाद यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे स्पेनिश खिलाड़ी हैं। हार के बाद टियाफो ने कहा है कि जल्द ही वह जबरदस्त वापसी करेंगे।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एरोन फिंच का वनडे से रिटायरमेंट का ऐलान

टी-20 में बने रहेंगे कप्तान; न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को खेलेंगे आखिरी वनडे

खेल डेस्क, 10 सितंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के वनडे और टी-20 के कप्तान एरोन फिंच ने वनडे क्रिकेट से रिटायरमेंट लेने की घोषणा कर दी है। वह रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे मैच के बाद इस फॉर्मेट को अलविदा कह देंगे। फिंच के रिटायरमेंट की वजह वनडे में खराब प्रदर्शन को माना जा रहा है। वह टी-20 में कप्तानी का जिम्मा संभालते रहेंगे। फिंच को इस साल होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भी कप्तान बनाया गया है। फिंच की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया था।

न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को फिंच का आखिरी वनडे मैच

रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरा वनडे मैच फिंच का आखिरी वनडे मैच होगा। यह उनके करियर का 146वां वनडे मैच भी है। उन्होंने 54 वनडे मैचों में अब तक टीम की कप्तानी की है। उनके नाम वनडे में 17 शतक है। उनसे आगे रिकी पॉन्टिंग (29 शतक), डेविड वॉर्नर और मार्क वॉ (18 शतक) ही आगे हैं।

वनडे की पिछली 7 पारियों में बनाए हैं केवल 26 रन

फिंच के वनडे क्रिकेट संन्यास की वजह उनका वनडे में खराब प्रदर्शन माना जा रहा है। फिंच ने वनडे की 7 पारियों में केवल 26 रन बनाए हैं। उन्होंने इस साल खेले 13 मैचों में 169 रन ही बनाए हैं। वहीं पिछली 12 पारियों में 5 पारियों में वह शून्य पर आउट हुए हैं। फिंच ने अब तक खेले 145 वनडे मैचों में 39.14 की औसत से 5401 रन बना चुके हैं।

मुश्किल समय में संभाली कमान

फिंच ने मुश्किल समय में टीम की कमान संभाली थी। उन्हें साल 2018 में तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ और वाइस कैप्टन डेविड वॉर्नर के साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच में बॉल टेम्परिंग में फंस जाने के बाद वनडे और टी-20 की कप्तानी सौंपी गई थी। फिंच ने 2019 में इंग्लैंड में खेले गए वनडे वर्ल्ड कप में टीम की कप्तानी की थी और टीम को सेमीफाइनल तक ले गए थे। फिंच ने अपना वनडे डेब्यू 2013 में किया था।

यूएस ओपन में विमेंस में मिलेगी नई चैंपियन

वर्ल्ड नंबर-1 इगा स्वातेक और नंबर-5 ओंस जेबुर ने पहली बार फाइनल में जगह बनाई

न्यूयॉर्क, 10 सितंबर (एजेंसियां)। इस बार यूएस ओपन टेनिस ग्रैंड स्लैम के महिला सिंगल्स में नई चैम्पियन मिलेगी। शनिवार रात आर्थर ऐश स्टेडियम में पोलैंड की इगा स्वातेक और ट्यूनीशिया की ओंस जेबुर आमने-सामने होंगी। दोनों खिलाड़ी पहली बार इस ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंची हैं। यह लगातार दूसरा साल होगा, जब साल के इस आखिरी मेजर को नई चैंपियन मिलेगी।

स्वतेक ने सेमीफाइनल में आर्यना को हराया

पिछले साल ब्रिटेन की एमा राडुकानू ने टाइटल जीता था। पांचवीं सीड जेबुर को सेमीफाइनल में फ्रांस की कैरोलिन गार्सिया को हराने में महज 66 मिनट लगे। दूसरी ओर् वर्ल्ड नंबर-1 स्वातेक को बेलारूस की आर्यना सबालेंका को मात देने में दो घंटे से ज्यादा पसीना बहाना पड़ा।

जेबुर ने गार्सिया को हराकर फाइनल में पहुंची हैं

जेबुर ने 17वीं सीड गार्सिया को 6-1, 6-3 से मात दी। वे फाइनल में जगह बनाने वाली नॉर्थ अफ्रीकन, अरब और ट्यूनीशिया की पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं। यह उनका लगातार दूसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल है। वे विम्बलडन के खिताबी मुकाबले में कजाखस्तान की एलिना रायबकिना से हार गई थीं।

स्वातेक तीसरे ग्रैंड स्लैम टाइटल के लिए उतरेंगी

वहीं, पोलैंड की स्वातेक अपने तीसरे ग्रैंड स्लैम टाइटल के लिए उतरेंगी। उन्होंने बेलारूस की आर्यना सबालेंका से पहला सेट 3-6 से गंवा दिया था। इसके बाद लगातार दो सेट 6-1, 6-4 से जीतकर फाइनल में जगह बना ली। वे तीसरे सेट में भी 4-2 से पीछे थीं, लेकिन लगातार गेम जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। वे पहली बार उस सरफेस के फाइनल में पहुंची हैं, जो लाल और फिसलन भरा नहीं हैं। स्वातेक दो बार लाल बजरी वाला फ्रेंच ओपन जीत चुकी हैं। उन्होंने मौजूदा सीजन में छह टाइटल जीते हैं और फुल फॉर्म में हैं।

ओंस और इगा में है बराबरी की टक्कर

ओंस जेबुर और इगा स्वातेकअब तक चार बार आमने-सामने हो चुकी हैं। इनमें दोनों खिलाड़ी एक दूसरे को दो-दो बार हरा चुकी हैं। इगा ने 2019 में वाशिंगटन डीसी में जेबुर को हराया था। इसके बाद जेबुर ने 2021 में विंबलडन के प्री क्वार्टर फाइनल और सिनसिनाटी ओपन में हराया था। इसके बाद स्वातेक ने इस साल रोम में ओंस को शिकस्त दी। सर्विस, रिटर्न, डिफेंस के मामले में भी दोनों खिलाड़ियों में लगभग बराबर की टक्कर है।

कानपुर मैच ऑनलाइन टिकट रातों-रात कैंसिल

कानपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज के दूसरे सीजन की शुरुआत 10 सितंबर से हुवा है। लेकिन मैच शुरू होने से पहले ही मैच आयोजकों और बुकमैशो के बीच विवाद खड़ा हो गया है। ऑनलाइन बेची गई टिकट कैंसिल कर दी गई है। जिससे लोग परेशान हैं। किसी से 76 हजार तो किसी ने 15 हजार में ऑनलाइन टिकट खरीदी। लोगों का कहना है कि मैच आयोजकों और बुकमैशो की ओर कुछ नहीं बताया जा रहा है।

कानपुर के ग्रीनपार्क स्टेडियम में इंडिया लीजेंड्स और साउथ अफ्रीका लीजेंड्स के बीच पहला मैच शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा। सीरीज का पहला मैच इसलिए भी और खास है क्योंकि 2015 में इंडिया और साउथ अफ्रीका की टीमें ग्रीन पार्क में आखरी बार भिड़ी थी।

उस वन-डे मुकाबले में इंडिया को 5 रनों से हरा का सामना करना पड़ा था। उस मैच में सुरेश रैना और स्टुअर्ट बिन्नी दोनों खेले थे। उस हार का बदला लेने के लिए इंडिया टीम के लीजेंड्स आज मैदान में उतरेंगे। साथ ही साउथ अफ्रीका की टीम भी इस मुकाबले के लिए पूरी तरह से तैयार नजर आ रही है।

टिकट के लिए दर्शकों की लगी लंबी लाइन

ऑनलाइन टिकट कैंसिल होने से परेशान दर्शक अभी से स्टेडियम पहुंच गए है। ऑफलाइन टिकटों की जो बिक्री सुबह से होनी थी वो अभी तक शुरू नही हो पाई है। अपने प्रिय क्रिकेटरों की एक झलक पाने के लिए हजारों रुपए खर्च करने को तैयार है वे इस धूप और गर्मी में परेशान हो रहे है। स्टेडियम पहुंचे सुयश प्रताप ने बताया बुक माय शो से पांचों दिनों की पांच पांच टिकटें बुक की थी। उन्होंने कुल 76 हजार रुपए की टिकट बुक की थी। उनका कहना है कि बुक माय शो वाले कोई जानकारी नहीं दे रहे है। मै सुबह से लाइन में खड़ा हूं न तो कोई जानकारी दे रहा है और ना ही कोई टिकट देने आर रहा है।

विजिटर्स गैलरी देख भावुक हुए सचिन

टूर्नामेंट से एक दिन पहले मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ग्रीन पार्क में बनी विजिटर्स गैलरी देखने पहुंचे। यहां पर लीजेंड्स खिलाड़ियों की यादों को संजो कर रखा गया है। सचिन जब गैलरी देखने पहुंचे थे तब उनके साथ भारतीय टीम के अन्य खिलाड़ी भी मौजूद रहे।

गैलरी में अपनी पुरानी तस्वीरों, न्यूज कटिंग्स को देखकर सचिन भावुक हो गए थे। सचिन ने कहा, खुशियां यही देखने को मिलेगी दोबारा।

कानपुर में जाम में फंसी श्रीलंका टीम : 1 घंटे तक जाम में फंसे रहे खिलाड़ी

गणेश विसर्जन के चलते वीआईपी रोड पर थमी रफ्तार

कानपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। बस में सवार श्रीलंका के प्लेयर्स हैं। बस करीब 1 घंटे से वीआईपी रोड जाम में फंसी है। कानपुर के जाम में श्रीलंका से आए इंटरनेशनल प्लेयर्स भी फंस गए। ग्रीन पार्क में कल से रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज खेली जानी है। इंटरनेशनल प्लेयर्स को कड़ी सुरक्षा में ग्रीन पार्क से होटल और होटल से ग्रीनपार्क लाया जा रहा है। ट्रैफिक पुलिसिंग की लचर व्यवस्था के चलते श्रीलंका के वेट्रेन प्लेयर्स की पूरी टीम बीते करीब 1 घंटे से जाम में फंसी है।

पूरी वीआईपी रोड पर है जाम

वीआईपी रोड के परमट तिराहे पर श्रीलंका की टीम करीब 1 घंटे से भीषण जाम में फंसी है। तकरीबन 4 घंटे से जाम लगा हुआ है। होटल रॉयल क्लिफ से टीम ग्रीन पार्क की तरफ जा रही थी, तभी बीच में जाम में फंस गई। ता दें कि गंगा घाट पर गणेश विसर्जन के चलते पूरी वीआईपी रोड पर जाम है। इस दरौरान वाहन तकरीबन 2 घंटे से रेंगते हुए आगे बढ़ रहे हैं। टेफ्को तिराहा, परमट चौराहा, ग्रीन पार्क चौराहा समेत वीआईपी रोड पर करीब 2 किमी लंबा भीषण जाम लगा हुआ है।

ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त

कानपुर की ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर सीएम योगी भी कड़ी नाराजगी जता चुके हैं। बावजूद इसके श्रीलंका प्लेयर्स के लिए कोई वीआईपी रूट तैयार नहीं किया गया। जबकि सुबह से ही गणेश विसर्जन के चलते वीआईपी रोड पर जाम लग रहा है। इसको देखते हुए पुलिस ने पहले से कोई ट्रैफिक व्यवस्था तैयार नहीं की।

प्लेयर्स को देख लोगों ने किया हैलो

जाम में फंसे प्लेयर्स को देख क्रिकेट लवर्स अपने चहेते खिलाड़ियों को पहचान गए। बस में सवार इंटरनेशनल क्रिकेटर जयसूर्या को पहचान लिया और उनको हाथ हिलाकर हैलो कहा। उन्होंने प्लेयर्स को बस के अंदर से ही हाथ हिलाकर उनका अभिवादन स्वीकार किया।

ट्रैफिक पुलिस के छूटे पसीने

जाम में फंसे प्लेयर्स की फ्लीट की सूचना सीनियर अधिकारियों तक पहुंची तो मौके पर पुलिस अधिकारियों ने पहुंचकर जाम खुलवाया, लेकिन वे करीब आधे घंटे तक नाकाम रहे।

बाबर ने अंपायर को बताया- मैं कप्तान हूं

श्रीलंका से मैच में बाबर बाउंड्री पर खड़े थे, कीपर रिजवान ने बिना पूछे ले लिया डीआरएस

दुबई, दुबई, 10 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप के सुपर-4 मुकाबले में शुक्रवार को श्रीलंका ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया। शुक्रवार को पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 122 रन बनाए थे। श्रीलंका ने 18 गेंद पहले ही टारगेट हासिल कर लिया। हालांकि पाकिस्तान पहले ही एशिया कप के फाइनल में पहुंच चुका है। फाइनल में भी रविवार को श्रीलंका और पाकिस्तान की टीमें ही आमने- सामने होंगी।

शुक्रवार को श्रीलंका की पारी के दौरान पाकिस्तानी विकेट कीपर मोहम्मद रिजवान और फील्ड अंपायर ने एक ऐसा काम कर दिया, जिसके बाद बाबर आजम को यह कहना पड़ा कि टीम का कप्तान मैं हूं। पूरा वाकया कैमरे में कैद हो गया। इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। अब आपको पूरा मामला तफसील से समझाते हैं...

रिजवान ने बाबर से पूछे बिना लिया डीआरएस

श्रीलंका की पारी के 16वें ओवर के दौरान गेंदबाजी का जिम्मा हसन अली संभाल रहे थे। ओवर की दूसरी गेंद पर श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका ने स्कूप शॉट मारने की कोशिश की, पर गेंद उनके बल्ले पर नहीं आई और विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान के ग्लव्स में चली गई।

रिजवान को लगा कि गेंद बल्ले का बाहरी किनारा से लगकर उनके हाथों में आई है। इसके बाद उन्होंने अपील की, लेकिन फील्ड अंपायर अनिल चौधरी ने शनाका को नॉट आउट करार दिया। इसके बाद रिजवान ने तुरंत डीआरएस लेने का इशारा कर दिया, चौधरी ने भी लगे हाथ इसे मंजूर कर लिया।

डीआरएस मंजूर करने पर नाराज हुए आजम

रिजवान के कहने पर डीआरएस मंजूर करने पर बाउंड्री लाइन पर फील्डिंग कर रहे कप्तान बाबर आजम तुरंत फील्ड अंपायर के पास पहुंचे। उन्होंने कहा- मैं कप्तान हूं। मेरे बिना कहे आपने डीआरएस को कैसे मंजूर कर लिया। नियम के मुताबिक कप्तान के ग्रीन सिग्नल के बाद ही फील्ड अंपायर डीआरए, को मंजूर करता है। यहां भारतीय अंपायर ने रिजवान के कहने पर ही फैसला ले लिया था।

हुसैनसागर समेत प्रमुख विसर्जन स्थलों पर शनिवार शाम तक जारी रहा गणेश प्रतिमा विसर्जन

बारिश भी कम नहीं कर सकी गणेश भक्तों का उत्साह

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हुसैन सागर समेत प्रमुख विसर्जन स्थलों पर शनिवार शाम तक गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन की रस्म जारी रही। बारिश त्योहार की भावना को कम करने में विफल रही क्योंकि कई लोग विसर्जन स्थलों के रास्ते में गणेश की मूर्तियों के सामने नाचते देखे गए। शनिवार को लगातार दूसरे दिन गणपति बप्पा मोरिया और गणेश महाराज की जय के जयकारों ने मंत्रोच्चार किया। शुक्रवार की देर रात तक व्यापारिक प्रतिष्ठानों, संगठनों और राजनीतिक दलों के मालिकों द्वारा शहर के विभिन्न हिस्सों में उठाए गए मंचों पर भजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। इन चरणों में, उन लोगों को नाश्ता और पानी परोसा गया जो अपनी गणेश मूर्तियों के साथ विसर्जन स्थलों की ओर जा रहे थे। इस बीच, शनिवार की सुबह तक, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के स्वच्छता कर्मचारियों द्वारा टन अपशिष्ट सामग्री को साफ कर दिया गया, जो तीन पारियों में चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। जुलूस मार्ग और विसर्जन स्थलों के आसपास के स्थानों पर व्यापक स्वच्छता गतिविधि की गई।

नगर में बारिश जारी, ऑरेंज अलर्ट ी

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी)- हैदराबाद के पूर्वानुमान के अनुसार, शहर में भारी बारिश जारी है। इससे लोगों का जीवन दुभर हो गया है। आज शनिवार को भी नगर के टैंकबंड पर गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन जारी रहा। मध्यम तथा भारी बारिश के बीच भी गणेश भक्तों का उत्साह कम नहीं हुआ। भले ही दर्शकों की संख्या कम रही, किंतु दूर-दूर से गणेश मूर्तियां लेकर बड़ी-बड़ी लारियों में आये पूर्व निर्धारित समयानुसार आये गशेश भक्तों ने अपनी मूर्तियों को विसर्जित कराया।

आईएमडी से मिली जानकारी के अनुसार हैदराबाद, रंगारेड्डी, निजामाबाद, कामारेड्डी, विकाराबाद, सिरसिला, संगारेड्डी, मेडचल, महबूबाबाद, यादाद्री भुवनेश्वरी, सूर्यापेट, खम्मम और भद्राद्री कोठागुडेम जिलों में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश हुई।

मौसम विभाग ने शनिवार को शहर में मध्यम से भारी बारिश / गरज के साथ सामान्य रूप से बादल छाए रहने और कई बार तेज बारिश की भविष्यवाणी की थी तथा इसके लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया था। आईएमडी ने एक रिपोर्ट में सड़कों और निचले इलाकों में पानी जमा होने, अधिकांश स्थानों पर यातायात की भीड़, गीली और फिसलन वाली सड़कों, पेड़ और बिजली के खंभे गिरने, बिजली, पानी और कुछ घंटों के लिए अन्य सामाजिक गड़बड़ी और जल निकासी के बारे में भी चेतावनी दी है। शनिवार को अधिकतम और न्यूनतम तापमान 25 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।

पुराने करीमनगर में भारी बारिश दर्ज, महिला और नौ गायों की गई जान

करीमनगर, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती करीमनगर जिले में पिछले 24 घंटों के दौरान भारी बारिश दर्ज की गई। लाइटिंग ने एक महिला किसान और नौ गायों की जान ले ली। करीमनगर जिले के पोचमपल्ली, मनाकोंदुर मंडल में सबसे अधिक 160.8 मिमी बारिश दर्ज की गई, इसके बाद कोतलापुर में 143.0 मिमी, मददुतला और मल्लियाल में 133.0, जगतियाल जिले के कोडीमिलल मंडल के तिरुमालापुर में 132, पेद्दापल्ली के रामगुंडम और 122.3, पुदुरम में 107.8, ई. गोविंदागड़पल्ली और गंगादहारा में 119.3 व 103.5 मिमी और अकनापल्ली 102.3 मिमी बारिश दर्ज की गई। एक महिला किसान मारीपेल्ली भाग्यव्वा (50) की रोशनी से मौत हो गई। राजन्ना-सिरसिला जिले के चंदुर्ती मंडल के मुदापल्ली में अपने कृषि क्षेत्रों में काम करने के दौरान उन्हें वज्रपात का झटका लगा। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। एक अन्य घटना में शुक्रवार की रात पेद्दापल्ली जिले के पालकुर्ती मंडल के कुक्कलगुदुर में बिजली गिरने से नौ गायों और एक बछड़े की मौत हो गई।

पुलिस के हत्थे चढा कुख्यात अंतर जिला चोर

50 हजार नकदी और 10 लाख की मोटरबाइक बरामद

मंचेरियल, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक अंतर-जिला चोर को गिरफ्तार किया गया और उसके पास से 20 तोला सोना, 50,000 रुपये की नकदी और 10 लाख रुपये की एक मोटरबाइक बरामद की गई। डीसीपी अखिल महाजन ने बताया कि भूपलपल्ली जिले के कथित चोर धौनीसेट्टी निरंजन उर्फ स्वामी को नासपुर में संदिग्ध परिस्थितियों में घूमते हुए गिरफ्तार किया गया। उसका साथी अवनुरी रमेश नासपुर के नागार्जुन कॉलोनी का रहने वाला है।

पूछताछ के दौरान, निरंजन ने मंचेरियल जिले के अलग-अलग घरों से सोने के गहने चोरी करने की बात कबूल की, ताकि वह एक शानदार जीवन जी सके। उसने स्वीकार किया कि वह जेल से छूटने के बाद घर में चोरी कर रहा था। उसने खुलासा किया कि उसे पहले भी गिरफ्तार किया गया था। उसने पुलिस को बताया कि उसने एक होटल व्यवसाय में नुकसान होने और जेल में रमेश के संपर्क में आने के बाद आपराधिक गतिविधि शुरू की। अखिल ने चोर को पकड़ने और उससे संपत्ति बरामद करने के लिए इंस्पेक्टर बी. नारायण, सब-इंस्पेक्टर तहसीनुद्दीन, बी अंजैया, बी दिवाकर और उनकी टीम की सराहना की। मंचेरियल एसीपी बी. तिरुमल रेड्डी उपस्थित थे।

बंडी संजय कल से शुरू करेंगे प्रजा संग्राम पदयात्रा के चौथे चरण की शुरुआत

पार्टी प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए पार्टी के कोषाध्यक्ष बी. शांति कुमार, प्रदेश सचिव घुमा जयश्री और पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता पीएनबी सुभाष व अन्य।

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंदी संजय कुमार 12 सितंबर से प्रजा संग्राम पदयात्रा के अपने चौथे चरण की शुरुआत करेंगे। पदयात्रा 22 सितंबर तक चलेगी। मल्काजगिरी लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत चलने वाली पदयात्रा के लिए पार्टी नेताओं ने सभी इंतजाम कर लिए हैं।

आगामी विजयदशमी नवरात्रि समारोह को ध्यान में रखते हुए पदयात्रा को केवल 10 दिनों तक सीमित कर दिया गया है। पदयात्रा कुक्कटपल्ली मल्काजगिरी सिकंदराबाद छावनी, उप्पल, एलबीनगर और इब्राहिमपटनम विधानसभा क्षेत्रों को कवर करेगी। पार्टी प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए पार्टी के कोषाध्यक्ष बी. शांति कुमार, प्रदेश सचिव घुमा जयश्री और पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता पीएनबी सुभाष ने पदयात्रा के दैनिक कार्यक्रम का विमोचन किया। उन्होंने यह आरोप लगाया कि अविभाजित वारंगल जिले में बंडी संजय कुमार को गिरफ्तार करने के अलावा पुलिस ने पदयात्रा आयोजित करने की अनुमति नहीं होने का हवाला देकर उन्हें परेशान किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सत्ताधारी नेताओं ने उनके वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। नेताओं ने कहा कि उन्होंने पद यात्रा करने के लिए उच्च न्यायालय से अनुमति प्राप्त की और यात्रा के तीसरे चरण के लक्ष्य को पूरा किया। उन्होंने कहा कि 3 पुलिस आयुक्तों के पुलिस अधिकारियों को पद यात्रा का विवरण सौंप दिया गया है। भाजपा नेताओं ने कहा कि उन्हें पुलिस से पदयात्रा करने की कोई लिखित अनुमति नहीं मिली है। ऐसा माना जा रहा है कि हमें पुलिस से मौखिक अनुमति मिली है। पदयात्रा के चौथे चरण की शुरुआत 12 सितंबर को कुतुबुल्लापुर विधानसभा क्षेत्र के चित्र मां मंदिर में विशेष पूजा अर्चना के बाद की जाएगी पहले दिन पार्टी नेताओं द्वारा रामलीला मैदान में उद्घाटन जनसभा आयोजित की जाएगी। जनसभा में मुख्य अतिथि के तौर पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल शामिल होंगे। पद यात्रा का समापन 22 सितंबर को पेद्दा अंबरपेट के आउटर रिंग रोड पर होगा।

समुद्र में डूबने से लोगों को बचाने की पहल

विशाखापत्तनम, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर विशाखापत्तनम नगर निगम (जीवीएमसी) लोगों को समुद्र में डूबने से बचाने के लिए लाइफबॉय नामक बैटरी से चलने वाली रोबोटिक नाव पेश करने जा रहा है। रोबोटिक नाव 5 से 6 सेकंड में 30 मीटर की दूरी तय कर सकती है और डूबने वाले पीड़ित को बचा सकती है। पुलिस रिकॉर्ड का हवाला देते हुए, जीवीएमसी ने कहा कि विशाखापत्तनम तट में हर साल कम से कम 30 समुद्र में डूबने से मौतें होती हैं।

जिला कलेक्टर ए मल्लिकार्जुन, जीवीएमसी आयुक्त जी लक्ष्मीशा और विशाखापत्तनम की मेयर हरि कुमारी ने शुक्रवार शाम रामकृष्ण बीच पर बैटरी से चलने वाली रोबोटिक नाव का निरीक्षण किया। ऑपरेटर ने मशीन के साथ एक डेमो दिखाया। जिला कलेक्टर मल्लिकार्जुन ने कहा कि विशाखापत्तनम को एक सुरक्षित समुद्र तट में तब्दील किया जाएगा। अगर कोई समुद्र में खो जाता है, तो यह रोबोटिक नाव 7 किमी की गति से 700 मीटर तक जाएगी और उन्हें बचाने में मदद करेगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.